

Daily सच के हक में...

Pooja Sawant Shares

दफोटोन न्यूज Published from Ranchi

Glimpses From...

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS

लोस का पहला सत्र आज से, पीएम करेंगे मीडिया को संबोधित

NEW DELHI: 18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से प्रारंभ होने जा रहा है। कल सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और अगले दिन अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। बुधवार को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। जिस पर चर्चा होगी और प्रधानमंत्री का वक्तव्य होगा। पहला सत्र 3 जुलाई तक है। परंपरा के तहत प्रधानमंत्री सोमवार को सुबह 10 मीडिया को संबोधित करेंगे। प्रोटेम स्पीकर को राष्ट्रपति शपथ दिलाएंगी।

सुकमा में नक्सलियों ने किया ब्लास्ट, दो जवान शहीद

SUKMA: छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को नक्सलियों ने एक ट्रक को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से उड़ा दिया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की जंगल युद्ध इकाई कोबरा के दो जवान शहीद हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि नक्सली विस्फोट राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के बीच तिम्मापुरम गांव के पास दोपहर करीब 3 बजे हुआ।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में प्रज्वल का भाई सरज गिरफ्तार

NEW DELHI: कर्नाटक के चर्चित सेक्स स्कैंडल में कर्नाटक पलिस ने एक और गिरफ्तारी की है। सेक्स स्कैंडल में फंसे प्रज्वल रेवन्ना के भाई सरज रेवन्ना को हासन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सरज पर जेडीएस कार्यकर्ता के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप है। कर्नाटक पुलिस ने शनिवार को कथित यौन उत्पीडन का मामला दर्ज किया था।

केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

NEW DELHI: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा उनकी जमानत पर लगाई गई रोक के खिलाफ सप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। केजरीवाल के वकीलों ने सोमवार सबह सनवाई की अपील की है। गुरुवार को टायल कोर्ट ने केजरीवाल को नियमित जमानत दे दी थी। ईडी ने इस फैसले का विरोध करते हए शक्रवार सबह ही दिल्ली हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती दी।

Ranchi Monday, 24 June 2024 Year : 02 Issue : 156 Ranchi Edition Page : 12 Price : 3 www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

केंद्र सरकार ने झारखंड के साथ की दगाबाजी : चम्पाई सोरेन

पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला में सीएम ने कहा-ये आपकी सरकार है, आपकी सोच के अनुरूप बनाएंगे योजना

PHOTON NEWS JSR:

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन रविवार को घाटशिला पहुंचे। यहां उन्होंने बुरुडीह डैम में वन विभाग द्वारा प्रस्तावित वनश्री इको कॉटेज योजना का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने मउभंडार स्थित ताम्र मैदान में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री मोदी सरकार पर

खुब बरसे। चम्पाई सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार ने झारखंड को सिर्फ धोखा दिया है। झारखंड के साथ दगाबाजी की गई है। केंद्र सरकार में भाजपा है। भाजपा के लोगों ने हर वक्त यहां के आदिवासी-मुलवासी को धोखा दिया। आज

घाटशिला क्षेत्र की राखा, केंदाडीह, चापड़ी व सुरदा की ताम्र खदानें बंद हैं, जिससे हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं। भाजपा के लोग कभी मजदूरों के बारे में नहीं सोचते हैं। हम बंद पड़ी राखा चापडी, केंदाडीह माइंस, सुरदा को लीज दिलाकर रोजगार देने का

उन्होंने पीएम आवास योजना में भी हमारे साथ धोखा किया। जब केंद्र सरकार ने अपना हिस्सा नहीं दिया तो झारखंड सरकार ने अपने बल पर अबुआ आवास योजना शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि चार साल के अंदर हमने बहुत कुछ देखा है।



पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजना शुरू की जाएगी। लेकिन अब इसकी चिंता नहीं करनी है। ये आपकी सरकार है, आपकी भावना और आपकी सोच के अनुरूप ही योजना बनाएंगे। खनिज प्रदेश होते भी हमारी आर्थिक स्थिति दयनीय है। जंगल के गांव तक बनेगी पक्की सडक

में लातूर के दो शिक्षकों के

शामिल होने का इनपुट मिला

था। दोनों शिक्षकों की पहचान

संजय तकाराम जाधव और

जलील उमर खान पठान के रूप

में की गई थी। इनमें से एक

लातूर और दूसरा सोलापुर में

जिला परिषद स्कूलों में शिक्षक

हैं। एटीएस की टीम ने इन दोनों

के घर पर शनिवार देर रात को

कापा मारा था और इनके घरों से

कागजात बरामद किए। रविवार

शिक्षा का दीया शिक्षा का स्तर कमजोर है। इसलिए

हर घर में जलेगा

हमारी सरकार मॉडल स्कूल बना रही है। प्रखंड तक में मॉर्डल स्कूल बनाने जा रहे हैं। शिक्षा की कमी नहीं हो। हर घर में शिक्षा का दीया जलेगा, यही हमारी सोच है। इसलिए झारखंडियों ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। निजी कंपनी में 50 प्रतिशत प्रतिशत आदिवासी, मलवासी, दलित अल्पसंख्यक को रोजगार देना पडेगा।

संवारना है, इसीलिए हमने अलग राज्य लिया है। झारखंड के शहीदों के सपना को साकार करना है। जंगल के गांव तक सडक बनेगी। 15 हजार किलोमीटर सडक का

काम शरू हो गया है। मझे मालम है ड्रमरिया, अस्ति,गुरबंधा, चाकुलिया कहां है। इसलिए हम मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरूआत किए हैं। निजी कंपनी में 50 प्रतिशत प्रतिशत आदिवासी, मूलवासी, दलित अल्पसंख्यक रोजगार देना पड़ेगा।

राज्य का पिछड़ापन दूर करने का संकल्प: मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक और खनिज संसाधनों के मामले में काफी धनी है। यहां कोयला, तांबा, लोहा, सोना और यूरेनियम समेत कई खनिज प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, लेकिन अफसोस इस बात का है कि इस राज्य की गिनती देश के पिछड़े राज्यों में होती है । यहां के लोग गरीबी और अभाव की जिंदगी जीने को मजबूर हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आदिवासियों-मूलवासियों झारखंड अलग राज्य के लिए लंबा संघर्ष किया था। अलग राज्य की लडाई में कई आंदोलनकारी शहीद हुए थे। लेकिन अलग राज्य बनने के बाद उनके सपनों का झारखंड नहीं बन सका, लेकिन हमारी सरकार इस राज्य के आंदोलनकारियों और यहां की जनता की भावनाओं के अनुरोध राज्य का नवनिर्माण करने की दिशा में मजबती कदम बढा

नीट पेपर लीक में पक्ष-विपक्ष आमने-सामने, सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

पकड़े गए आरोपियों के नार्को टेस्ट की तैयारी में बिहार पुलिस

झारखंड के देवघर से गिरफ्तार आरोपियों और हजारीबाग से पेपर लीक की जांच तेज

PHOTON NEWS RANCHI:

बिहार पुलिस की जांच टीम ने सभी सबूत शिक्षा मंत्रालय को सौंप दी। अब इसी के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई को इस मामले की जांच करने की जिम्मेदारी दी। सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और मामले की जांच में जट गई। मामले की जांच के लिए सीबीआई ने विशेष टीमें गठित की हैं। सीबीआई की विशेष टीमें पटना और गोधरा भेजी जा रही हैं, जहां स्थानीय पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं। इससे पहले केंद्र सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटा दिया। इसके अलावा एजेंसी के कामकाज की समीक्षा के लिए एक पैनल का गठन कर दिया।

सीबीआई पेपर लीक मामले में एक अलग मामला दर्ज किया है। बिहार और गुजरात वाले मुकदमे को टेकओवर नहीं किया गया है। सीबीआई की टीम बिहार पुलिस से भी संपर्क में है। इधर, बिहार पुलिस की टीम अब इस मामले गिरफ्तार हुए सभी 13 आरोपियों के नार्की टेस्ट कराने की तैयारी में है। बिहार पुलिस की टीम ने झारखंड के देवघर में छापेमारी कर मास्टरमाइंट संजीव मुखिया के रिश्तेदार चिंटू कुमार समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को इनकी मेडिकल जांच कराई गई। चिंटु के अलावा बिट्ट, पंक्, काज, राजीव और अजीत कुमार के रूप

परीक्षा रह करना एक अक्षम प्रणाली के ताबूत में 'आखिरी कील': स्टालिन

CHENNAI : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार की कहा कि नीट-पीजी और यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करना एक बार की घटना नहीं है, बल्कि यह केंद्रीकृत चयन की अक्षम और खस्ताहाल प्रणाली के ताबूत में आखिरी कील है। स्टालिन की पार्टी द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सामाजिक न्याय के अलावा अन्य आधारों पर राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) का विरोध करती रही है। उन्होंने स्कुली शिक्षा को करियर का आधार बनाने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट-पीजी को रद्द करने से हजारों डॉक्टर 'गहरी निराशा' में हैं।

में इनकी पहचान हुई है। पंकू को छोडकर सभी नालंदा के रहने वाले हैं। पुलिस टीम इन सभी से पटना में पछताछ कर रही है।

ब्रेन मैपिंग टेस्ट कराने की मांग : बिहार पुलिस सूत्रों की मानें तो जांच 13 आरोपियों की नार्को एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग टेस्ट कराने की मांग शिक्षा मंत्रालय से करेगा। इतना ही नहीं जिस फ्लैट से नीट का जला हुआ पेपर मिला था, वह पेपर भी पलिस ने एनटीए को सौंप दिया था। अब इस जले हुए पेपर का मिलान करने के लिए मूल पेपर जांच टीम को दे दिया है। दरअसल. बिहार पलिस से जब यह मामला आर्थिक अपराध इकाई के पास आया तो उसने जलने से बचे टुकड़ों को जोड़कर प्रश्नपत्रों में से 74 प्रश्न निकाले। इसके साथ ही प्रश्न का एक बुकलेट नंबर

महाराष्ट्र से दो शिक्षक हिरासत में टीम को नीट पेपर लीक मामले



MUMBAI: नीट पेपर लीक मामले में एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) ने लातूर जिले में दो जगहों पर छापेमारी कर जिला परिषद के दो शिक्षकों को हिरासत में लिया गया है। दोनों शिक्षकों से एटीएस टीम पछताछ कर रही है। जानकारी के

अनुसार नांदेड जिले की एटीएस

सुबह दोनों को हिरासत में लेकर पुछताछ की जा रही है। (6136488) भी। इसी बुकलेट का पेपर पटना में माफिया के वॉट्सऐप पर आया था, वो बुकलेट झारखंड के हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल को मिला था। इतना ही नहीं बुकलेट जिस बक्से में स्कूल पहुंचा था, उससे भी छेड़छाड़ हुई थी। यह जांच

में स्पष्ट हो गया है। इधर, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने फिर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर हमला बोला। तेजस्वी द्वारा दिए गए संजीव मखिया की नेताओं के साथ वाली तस्वीर जारी करने वाले बयान पर पलटवार करते हुए अगर दम है तो 24 घंटा के भीतर तेजस्वी यादव साक्ष्य को सार्वजनिक करें और ब्लैकमेलर बनकर लोगों को धमकाना और डराना बंद करें। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की भाषा ब्लैकमेलर जैसी है। वह प्रशासन को डरा धमका रहे हैं।

इससे पहले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा था कि तेजस्वी यादव को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या प्रीतम कमार अभी भी उनके पीएस हैं और उन्हें यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि सिकंदर प्रसाद यादवेंदु कौन हैं? जब लालु प्रसाद यादव रांची में जेल गए थे, तब सिकंदर प्रसाद यादवेंदु हुआ करते थे। लालू की सेवा में वह रहते थे। सिकंदर सिंचाई विभाग में जेई थे। विजय सिन्हा ने आरोप लगाया कि वह लोगों के भविष्य के साथ खेलते हैं जब वे सत्ता में होते हैं तो घोटाले करते हैं और नियुक्ति प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। बता दें कि हाल में ही नीट पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की थी। पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओय्) ने 6 पोस्ट-डेटेड चेक

शिक्षा व्यवस्था को 'माफिया' के हवाले कर दिया: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने 'नीट-यूजी' सहित राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर रविवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इसने परी शिक्षा प्रणाली को 'माफिया' और 'भ्रष्टाचारियों' के हवाले कर दिया है। कांग्रेस नेता की इस टिप्पणी के ठीक एक दिन पहले. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार निकाय राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा और परीक्षा में सुधार की सिफारिशों के लिए एक सिमिति गढित

बरामद किए थे. जिनके बारे में शक है कि ये चेक माफिया के पक्ष में जारी किए गए थे, जो पिछले महीने आयोजित नीट से पहले कथित रूप से लीक हुए पेपर की मांग करने वाले हर उम्मीदवार से 30 लाख रुपये से अधिक की मांग कर रहे थे। वहीं बिहार पुलिस ने जिस अनराग यादव नाम के परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया था, उसका कबूलनामा सामने आया था। उसने स्पष्ट कहा था कि उसके फुफा सिकंदर प्रसाद यादवेंदु ने ही उसे कोटा से पटना बुलाया था। कहा था कि परीक्षा में सब सेटिंग हो चुका है। इसके बाद चार मई की रात पटना के एक रेस्ट हाउस में अमित आनंद और नीतीश कुमार के पास मुझे छोड़ दिया। इनलोगों ने मुझे नीट के परीक्षा का प्रश्न पत्र एवं उत्तर पस्तिका दिया। रात भर में पेपर रटवाया गया।

पेसा कानून सख्ती से लागू किया जाए : कुड़मी समाज

राज्यभर से जमशेदपुर में जुटे समाज के लोग



कार्यक्रम के मंच पर बैठे कुड़मी समाज के लोग • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR:

सोनारी स्थित देवेंद्र सेवा संघ हॉल में रविवार को टोटेमिक कुड़मी, कुरमी व महतो समाज की एकदिवसीय विचार गोष्ठी हुई, जिसकी अध्यक्षता झारखंड आंदोलनकारी सह आदिवासी कुड़मी समाज के प्रवक्ता हरमोहन महतो ने की। पेसा कानून-1996 और कुड़मी

जनजाति पर आधारित गोष्ठी में मुख्य अतिथि कुड़मी समाज के अगआ शीतल ओहदार ने कहा कि मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने आदेश जारी किया है कि झारखंड में पेसा कानून सख्ती से लागू किया जाए। इसे कुड़मी समाज तभी स्वीकार करेगा. जब अनुसूचित क्षेत्र में संशोधन हो। उन्होंने कहा कि रांची, जमशेदपुर और सरायकेला -खरसावां में बहुत ऐसे गांव हैं जहां कुड़मी बहुल होते हुए भी शिड्यूल एरिया होने के कारण गांव के प्रधान, मुखिया, पंचायत समिति, वार्ड तक को एसटी आरक्षित किया गया है। यदि पेसा कानून को सख्ती से लागू किया गया तो इन जिलों में कुड़मी समाज सबसे अधिक प्रभावित होगा और यह कम्यनिटी दोयम दर्जा के रूप में रह जाएगा, क्योंकि ग्राम सभा का निर्णय सर्वोपरि होगा और ग्राम सभा में हमारे समाज के लोगों का प्रतिनिधित्व नगण्य है।

जातीय जनगणना जल्द कराई

इन्होंने भी रखे विचार

इस विचार गोष्ठी में शिक्षक सखीचंद महतो, केंद्रीय महासचिव सपन कुमार महतो, कुड़मी सेना संरक्षक शैलेंद्र महतो, भवतरण महतो, दानिसिंह महतो, खुदीराम महतो, अधिवक्ता काकोली महतो, कुमार ऋषि, डॉ तरुण कुमार महतो, डॉ. देवाशीष महतो, राजू महतो, डब्लू महतो,दिलीप कुमार महतो, भूषण चंद्र महतो, सूनील महतो आदि ने विचार रखे।

हर गांव में होगी परिचर्चा

विचार गोष्टी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर कुड़मी गांव में पेसा कानून के प्रति जागरूकता लाने के लिए परिचर्चा कराई जाएगी, जिससे समाज के युवा भी इस कानून को भली-भांति समझ सकें। इस दौरान विकास महतो, सोना लाल महतो, विष्णु देव महतो, अजय महतो, मनोज महतो, विकास महतो, अनित महतो, जयप्रकाश महतो, देवदीप महतो, धनंजय महतो, डीके महतो आदि भी उपस्थित हुए।

जाए : अध्यक्षीय भाषण देते हए सभा अध्यक्ष हरमोहन महतो ने झारखंड सरकार से मांग करते हुए कहा कि पेसा कानून सख्ती से तभी लागू हो, जब जातीय जनगणना पहले कराया जाए और संख्या के आधार पर अधिकार दिया जाए। उन्होंने यह भी मांग उठाई कि पेसा कानून में एकल पद आरक्षित है, जिसमें कुड़मी जनजाति को गजट में शामिल किया जाए और ग्राम सभा में उचित प्रतिनिधित्व मिले।

आपदा में एक भी जान न जाए, यह हमारा लक्ष्य : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने की बाढ़ प्रबंधन की समीक्षा

AGENCY NEW DELHI: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अमित शाह ने रविवार को बाढ़ प्रबंधन की समुचित तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने देश में बाढ़ की समस्या कम करने के लिए व्यापक और दूरगामी नीति तैयार करने के दीर्घकालिक उपायों की भी समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का आपदा प्रबंधन 'शून्य हताहत दृष्टिकोण' के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आपदा में एक भी जान न जाए यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से पर बल दिया।



गृहमंत्री अमित शाह

बाढ़ प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी परामर्श को समय पर लागू करने की अपील की। उन्होंने मौसम विभाग और केंद्रीय जल आयोग को निर्देश दिया कि उन्हें वर्षा और बाढ़ चेतावनी में उपयोग होने वाले सभी उपकरणों को हर साल दुरुस्त करना चाहिए। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण के लिए इसरो द्वारा उपलब्ध कराई गई सैटेलाइट इमेजिज के इस्तेमाल

AGENCY NEW DELHI

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को सुबह लॉन्च व्हीकल 'पुष्पक' का तीसरी बार पूरी तरह कामयाब परीक्षण किया। पुष्पक को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी. की ऊंचाई से हवा में छोड़ा गया। कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में इस रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने खुद ही आधा घंटे बाद जमीन पर लैंड किया। आखिरी परीक्षण में इसरो के 'पुष्पक' शटल ने साबित कर दिया कि यह बार-बार अंतरिक्ष में जाकर धरती पर सुरक्षित लौट सकता है।

इसरो ने इससे पहले पिछले साल



02 अप्रैल को आरएलवी लेक्स-1 का सफलतापूर्वक संचालन किया था। इसके बाद इसी साल 22 मार्च को आरएलवी लेक्स-2 का सफल परीक्षण किया गया था। इसी शृंखला में तीसरा और अंतिम परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में आज सुबह 07:10 बजे किया गया। आरएलवी लेक्स-01 और लेक्स-02 मिशनों की सफलता के

बाद आरएलवी लेक्स-03 ने

चुनौतीपूर्ण रिलीज स्थितियों में और अधिक गंभीर हवा की स्थिति में आरएलवी की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का फिर से प्रदर्शन किया।

चिनुक हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी. की ऊचाई पर हवा में छोड़ा गया रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल

इसरो के मुताबिक 'पुष्पक' नामक पंख वाले वाहन को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी. की ऊंचाई पर छोड़ा गया। रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल धीमी गति से उड़ान भरने के बाद रनवे से 4.5 किमी दूर स्वायत्त रूप से

क्रॉस-रेंज सुधार युद्धाभ्यास करने के बाद रनवें के पास पहुंचा और सेंटर लाइन पर लैंडिंग गियर के साथ खुद ही एटीआर में 7.40 बजे लैंड किया। लैंडिंग करते वक्त इसका वेग 320 किमी प्रति घंटे से अधिक हो गया, जबकि एक वाणिज्यिक विमान के लिए यह 260 किमी प्रति घंटे और एक सामान्य लड़ाकू विमान के लिए 280 किमी प्रति घंटे होता है। टचडाउन के बाद वाहन के वेग को उसके ब्रेक पैराशूट का उपयोग करके लगभग 100 किमी प्रति घंटे तक कम कर दिया गया था। परीक्षण सफल होने के बाद साबित हो गया कि रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के सहारे रॉकेट को दोबारा लॉन्च किया जा सकता है।

भारतीय वायु सेना का युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति' जोधपुर में होगा, 12 देशों को बुलाया

JODHPUR: भारतीय वायु सेना पहली बार बहुपक्षीय हवाई अभ्यास अगस्त के पहले हफ्ते में जोधपुर आयोजित करने जा रही है। 'तरंग शक्ति' के नाम से होने वाले इस युद्धाभ्यास में दुनिया की 12 वायु सेनाओं के जांबाज फाइटर बॉम्बर और स्ट्रैटेजिक लिफ्ट विमान शामिल होंगे।

वायु सेवा सूत्रों के अनुसार दो चरणों के इस अभ्यास की शुरूआत दक्षिण भारत के एयरबेस से होगी। इसके बाद अगस्त के मध्य से सितंबर के मध्य तक यह अभ्यास जोधपुर में होगा। युद्धाभ्यास में स्पेन और यूएई समेत



12 देशों को बुलाया गया है। क्वाड देश अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अलावा यूरोप की तीन बड़ी वायु सेनाओं ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के फाइटर जेट भी अभ्यास में हिस्सेदारी करेंगे। यह अभ्यास अमेरिका के 'रेड फ्लैग वॉर गेम' के स्तर का होगा, जिसमें नाटो देश हिस्सा लेते हैं। रेड फ्लैग वॉर गेम जून, 2023 में

Monday, 24 June 2024

O BRIEF NEWS

किसान महासभा का दो दिवसीय सम्मेलन 29 से

HAZARIBAGH : अखिल भारतीय किसान महासभा के बैनर तले 29 एवं 30 जून को पतरातु डैम रामगढ के अतुल कुमार अंजन नगर में प्रदेश के किसानों का महाजुटान होगा। इस दौरान राज्य के किसानों के समस्याओं पर विशेष रूप से चर्चा होगी। साथ ही नई कमेटी का गठन भी होगा। राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि कम्यनिस्ट पार्टी के जनरल सेक्रेटरी डी राजा और विशिष्ट अतिथि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता सह हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता होंगे। यह निर्णय भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यालय मंजूर भवन में एक बैठक कर लिया गया, जिसकी अध्यक्षता कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता अधिवक्ता गुलाम जिलानी ने की।

नगर निगम ने नशे के खिलाफ निकाली रैली

DHANBAD : मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध नगर निगम ने रविवार को जागरुकता रैली निकाली। यह रैली नगर निगम कार्यालय से शुरू होकर बेकारबांध तक गई। बेकारबांध में नगर निगम ने पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे सहायक नगर आयुक्त संतोषनी मुर्मू एवं सहायक नगर आयुक्त प्रसुन्न कौशिक ने कहा कि मादक पदार्थों से दूर रहकर अपने जीवन को बेहतर बनाएं।

अरुण सांगा बने युवा कांग्रेस के खूंटी जिलाध्यक्ष

KHUNTI : झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अभिजीत राज ने अरुण सांगा को युवा कांग्रेस का खुंटी जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। इसके पूर्व अरुण सांगा कार्यकारी जिलाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे थे। यह जानकारी युवा कांग्रेस ने दी है। अरुण सांगा को जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव वेद प्रकाश मिश्रा शिबलू खान, बाहा मुंडा दशरथ पहान एंजेला हंस, खूंटी विधानसभा अध्यक्ष ऋतुराज झा आदि ने हर्ष व्यक्त किया और बधाई दी है।

भाजपा ने श्यामा प्रसाद मखर्जी को दी श्रद्धांजलि

KHUNTI: भाजपा तोरपा मंडल ने रविवार को हिल चौक में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया। मौके पर भाजपा कार्यकताओं ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष पुरेंद्र मांझी, संतोष जायसवाल, नीरज जायसवाल, शिवनारायण शाहदेव, सुबोध कुमार जायसवाल सहित

कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैटरी चोरी करने के तीन आरोपी भेजे गए जेल

KHUNTI: जिले की कर्रा थाना पुलिस ने मोबाइल टावर से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपितों में धुर्वा थाना (रांची) के मौसीबडी निवासी आनंद साव, धुर्वा थाना के ही मियां टोली निवासी संतोष उरांव और हुलहुंडू निवासी प्रदीप मिंज शामिल हैं।

बैंक का फर्जी लिंक भेजकर लोगों को पहले फंसाते, फिर कर लेते थे टगी

गिरिडीह में साइबर अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS GIRIDIH:

गिरिडीह पुलिस को साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। फर्जी बैंक का लिंक भेजकर लोगों से ठगी करने वाले तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में देवघर के मधुपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला मो। जमीर अंसारी, देवघर जिला के ही मारगोमुंडा थाना क्षेत्र का बॉबी गुप्ता और गिरिडीह जिले के गांडेय थाना क्षेत्र का उदय मंडल शामिल है। इन तीनों के पास से पुलिस को 6 मोबाइल फोन, 6 सिमकार्ड ओर दो बाइक बरामद हुआ है। इस मामले की जानकारी गिरिडीह के एसपी दीपक कमार शर्मा ने रविवार को



पुलिस की गिरफ्त में साइबर अपराधी। • फोटोन न्यूज

प्रेस वार्ता में दी। गिरिडीह पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से साइबर पलिस

को जानकारी मिली कि कछ लोग गांडेय ओर सरिया थाना क्षेत्र में छिपकर ठगी करने का काम कर नेतत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें पलिस निरीक्षक रोहित कुमार महतो, पुलिस अवर निरीक्षक पुनित कुमार गौतम, सहायक अवर निरीक्षक गजेंद्र कुमार, आरक्षी अरविंद कुमार और रोहित कुमार महतो शामिल थे। इसके बाद पुलिस की टीम ने गांडेय और सरिया थाना इलाके में छापेमारी कर तीनों शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जब इन तीनों साइबर अपराधियों से पूछताछ की तो पता चला कि ये लोग व्हाट्सएप पर एसबीआई योनो लाइट ऐप का लिंक भेज कर एयरटेल पेमेंट बैंक

रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर

साइबर डीएसपी आबिद खान के

के माध्यम से ठगने का काम करते थे। इसके लिए वे बैंक का अधिकारी बनकर लोगों को झांसे में लेते थे। इसके अलावा कई बार ये अलग अलग इलाकों के रहने वाले बिजली उपभोक्ताओं को फोन कर बिल रिचार्ज करने की बात कहते थे। परिचय देते समय ये खुद को बिजली अधिकारी बताते थे। रिचार्ज न करने की स्थिति में वे बिजली काट देने की धमकी देते थे। साइबर ठगों ने यह भी बताया कि हर बार ये ठगी करने के अलग तरीके अपनाते थे। कई बार ये फर्जी सिम और खाता के जरिये लोगों से पैसे ऐंठ लेते थे। पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया।

कल्पना सोरेन ने मोरारी बापू का लिया आशीर्वाद



मोरारी बापू को प्रणाम करतीं कल्पना सोरेन। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GIRIDIH:

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन रविवार की सुबह मोरारी बापू की शरण में पहुंचीं। कल्पना गिरिडीह जिले के मधुबन में आयोजित श्रीराम कथा में भी शामिल हुईं और करीब एक घंटे बैठकर कथा सुनी। गांडेय विधायक ने मोरारी बापू के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। झामुमो नेता कल्पना सोरेन विधायक बनने के बाद पहली बार गांडेय विधानसभा क्षेत्र पहुंची। यहां उन्होंने अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में गिरिडीह

विधायक सदिव्य कमार सोन. राज्यसभा सदस्य डॉ. सरफराज अहमद, डीसी नमन प्रियेश लकड़ा, डीडीसी दीपक दुबे, अपर समाहर्ता बिजय सिंह बिरुआ के अलावा कई अधिकारी मौजूद रहे। कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों में कल्पना से मिलने को लेकर जमकर उत्साह देखा गया। कल्पना लोगों से मिलती रही और उनकी समस्याओं से अवगत हुई और समस्याओं के निदान का भरोसा दिया। अपनी नेता को देखकर कार्यकताओं में गजब

कोचिंग संचालक दपती हत्याकांड का खुलासा



गिरफ्तार अपराधियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAZARIBAGH: कोचिंग संचालक दंपत्ति राहुल और पूजा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। घटना का मास्टरमाईंड राहुल के पिता ईश्वर मेहता था और उसका भाई बब्लू कुमार मेहता इसका सुत्रधार बना। दंपत्ति 15 को लापता नहीं हुए थे बल्कि रात आठ से नौ बजे के बीच उसके हीं घर में घूसकर हत्या कर दी गई थी। पिता ईश्वर नीचे गली में पहरा दे रहा था और उपर के कमरे में भाड़े के चार अपराधियों के साथ छोटा भाई अपने हीं सगा भाई और

कर रहा था। यह जानकारी एसपी अरविंद कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता के दौरान ने दी। एसपी ने बताया कि छह लाख रुपए में हत्या की सुपारी दी गई थी और दो लाख रुपए एडवांस के तौर पर दिया गया था। हत्या को पांच लोगों ने अंजाम दिया था इनमें राहुल का छोटा भाई के अलावा बॉबी कुमार पिता सुरेश पासवान, कटकमदाग, आशिष पांडेय पिता अशोक पांडेय इचाक, पांडेय टोला, विक्की कुमार पिता अशोक राम परासी इचाक तथा सोनु कुमार सिन्हा पिता विनोद कुमार

हाथियों को भगाने के दौरान कुएं में गिरा किशोर, मौत

LOHARDAGA : जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत तान गांव में हाथियों के झुंड को भगाने के दौरान शनिवार रात कएं में गिरने से एक किशोर की मौत हो गई। उसका शव रविवार को खोजबीन के दौरान मिला। बताया जाता है कि शनिवार रात दस बजे 20 हाथियों का झुंड इटरा गांव से निकलकर राहें पहाड़ के किनारे -किनारे तान गांव में प्रवेश कर गया। यहां के ग्रामीणों ने हाथियों को खदेड़ना शुरू किया तो हाथियों का झुंड नामनगर की तरफ चला गया। यहां के ग्रामीणों ने हाथियों को गांव में घुसने से पहले मशाल जलाकर रोक दियाष इसके बाद हाथियों का झुंड वापस जिंगी की तरफ मुड़ गया। हाथियों के झुंड को लौटते देख पीछे दौड़ रहे ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण भागने लगे। इसी दौरान तान गांव का 13 वर्षीय उमेश उरांव कुएं में गिर गया। उसके कुंए में गिरने की भनक तक ग्रामीणों को नहीं लगीं। रविवार सबह उमेश को घर पर नहीं पाकर परिजनों ने खोजबीन शुरू की।

होटल मैनेजर सहित दो की हत्या के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने होटल मैनेजर और एक कर्मचारी की हत्या के मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक नाबालिंग को निरुद्ध किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त गाड़ी टाटा नेक्सन, बोलेरो, पिस्टल, 6 खोखा और 5 मोबाइल को भी जब्त किया है। सभी आरोपित बिहार के रहने वाले हैं, जो शराब पीने बिहार से शांति होटल पहुंचे थे। घटना शनिवार रात की है। कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने रविवार की शाम नवलशाही थाना में पत्रकार वार्ता में बताया कि इस दोहरे हत्याकांड में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है जबकि एक नाबालिंग को निरुद्ध किया गया है। एसपी ने बताया कि पकड़े गए युवकों में दिलखुश सिंह (24,



गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। • फोटोन न्यूज

गुलशन कुमार (23, काशीचक, नवादा) और सुधांशु कुमार (24, पथरा इंग्लिश, नवादा) शामिल हैं। दरअसल, बिहार से शराब पीने के लिए पांच युवक सीमावर्ती इलाका कोडरमा के इस होटल पहुंचे थे। पांचों युवकों ने होटल में जमकर शराब पी। इसके बाद होटल संचालक और शराब पी रहे युवकों के बीच पैसे के भुगतान को लेकर कहासुनी हुई। विवाद के दौरान होटल संचालक और अन्य कर्मियों

ने मिलकर युवकों की जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद युवकों ने होटल में भुगतान किया और धमकी देकर वहां से चले गए। मारपीट की घटना के दो घंटे के बाद एक बार फिर से पांचों युवक होटल पहुंचे और गोली चलाने लगे। गोलीबारी में होटल मैनेजर मोहम्मद नसीम एराकी (30) और एक अन्य कर्मी अमजर आलम उर्फ राजन (32) की गोली लगने से मौत हो गई। होटल के अन्य कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर

के बाद पांचों युवक पहले से खड़ी कार में सवार हुए और भाग निकले लेकिन हड़बड़ी में भागने के दौरान कोडरमा घाटी में कार डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद युवकों ने कार को वहीं छोड़ दिया और जंगल के रास्ते भागने लगे। बताया जाता है कि युवकों ने भागने के लिए बिहार से दुसरी गाड़ी भी मंगवा ली थी लेकिन पुलिस की दिबश ओर घाटी की घेराबंदी में पांचों युवक बिहार झारखंड की सीमा पर ही पकड़ लिए गए। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम में एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, डीएसपी मुख्यालय पुरुषोत्तम कुमार सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी दिवाकर कुमार, कोडरमा थाना प्रभारी सुजीत कुमार के अलावा विभिन्न थानों से अरविंद कुमार, विकास पासवान, सौरभ कुमार शर्मा, प्रवीण कुमार, बमबम कुमार और पुलिस बल के

रांची प्रेस क्लब में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेट का हुआ स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI: रांची प्रेस क्लब में जब भी मैं

आता हूं, लगता है कि अपने परिवार में आया हूं। पूरे देश में ऐसा प्रेस क्लब दूसरा नहीं है। इस क्लब पर समाज को नाज है। ये बातें केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को कही। वे रांची प्रेस क्लब में आयोजित सम्मान समारोह में हिस्सा ले रहे थे। सेठ रांची प्रेस क्लब के एसोसिएट मेंबर भी हैं। इस दौरान उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। सेठ ने कहा कि जीवन में पैसे से, पद से कुछ हासिल नहीं कर सकते, अपने व्यवहार से ही हम सब कुछ हासिल कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार रांची प्रेस क्लब पहुंचे



संजय सेट का स्वागत करते प्रेस क्लब के सदस्य। • फोटोन न्यूज

सेठ का स्वागत क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन और सचिव अमरकांत ने शॉल ओढ़ाकर किया। उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि. सह सचिव रतन लाल और कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह, आलोक कुमार सिन्हा, अंजनी कुमार, आरजे अरविंद, संजय सुमन, सौरभ शुक्ला, चंदन भट्टाचार्य, मोनू कुमार ने पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन मैनेजिंग कमेटी सदस्य आरजे अरविंद ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश राय, प्रमोद झा. निलय सिंह, सुनील सिंह, सुशील सिंह मिंटू, दिलीप सिंह, परवेज कुरैशी, आमिर, काजल मेहता, अजय लाल, प्रभात जायसवाल सहित अन्य मौजूद थे।

अवैध बालू लदे पांच वाहन जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

जमालपुर, पटना), आयुष कुमार

(22, तेघरा, बेगुसराय), पिंटू कुमार

(23, पथरा इंग्लिश, नवादा),

DHANBAD : खनन विभाग और धनबाद पुलिस की एक विशेष टीम ने शनिवार की देर रात छापेमारी कर गोबिंदपुर थाना क्षेत्र में बालू लदे तीन हाइवा टकों और हाइवा का स्कॉट कर रही दो कार को जब्त किया। साथ ही इस मामले में तीन लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में डीएसपी मुख्यालय 01 शंकर कामती ने रविवार को गोबिंदपुर थाने में पत्रकार वार्ता में बताया कि गोबिंदपुर के बरवा दलदली रोड हेरिटेज स्कल के समीप बाल लंदे तीन हाइवा टकों को पकडा गया। साथ ही बालू लंदे इन हाइवा का स्कॉट कर रही दो कार को भी पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि इन हाइवा टुकों का स्कॉट कर रहे कार सवार कमरूजमा को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही दो हाइवा चालक अब्दुल अंसारी और समीम अंसारी को भी धर दबोचा गया है।

परिवार-समाज के विकास के लिए नशापान का त्याग करना जरूरी

लोहाजीमी गांव में बैठक कर लोगों को नशापान, अफीम की खेती से होने वाले दुष्परिणाम, डायन बिसाही कप्रथा, यातायात नियमों का पालन करने और वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करने के सम्बन्ध में जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तपकारा के थाना प्रभारी राजू कुमार ने कहा कि नशा से न सिर्फ एक व्यक्ति का जीवन बर्बाद होता है, बल्कि पुरा परिवार और समाज प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज के विकास के लिए हमें नशापान का त्याग करना पड़ेगा और अफीम जैसे जहर की खेती को छोड़ना पड़ेगा। राजू कुमार ने कहा कि डायन कुछ होती नहीं है। यह सिर्फ अंधवश्विस के अलावा कुछ नहीं है। मौके पर



नशापान के खिलाफ जानकारी देते पुलिस अधिकारी। • फोटोन न्यूज

कई पंचायत की मुखिया पुष्पा गुडिया और अर्था गुड़िया ने ग्रामीणों से अपील की कि वे डायन बिसाही जैसे अंधविश्वास से दूर रहें और बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। इस दौरान कई सामाजिक कार्यकर्ता और काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। वहीं एनसीबी रांची जोन के बैनर तले रॉयल किंग्स मोटरसाइकिल क्लब और रांची राइडर्स द्वारा

एनसीबी के सहयोग से रविवार को जबली पार्क जमशेदपर से एनसीबी जोनल कार्यालय रांची और रांची से 94 बटालियन सीआरपीएफ कैंप खंटी तक बाइक रैली निकाली गई। रैली के दौरान खूंटी कोर्ट के अधिवक्ता केदार ने बच्चों के साथ रास्ते में राइडर्स को गुलाब फूलों के साथ स्वागत किया।

ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए हुआ विमर्श, गांव वालों ने दो पहानों पर भयादोहन का लगाया आरोप

जयपुर गांव अखाड़ा में ग्रामसभा का आयोजन

PHOTON NEWS KANKE:

प्रखंड के जयपुर गांव में सामुदायिक भवन अखड़ा के समीप ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान को लेकर ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सुरेश उरांव ने की। ग्रामसभा में ग्रामीण पुरुषों व महिलाओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गांव का पहान पिंकल गाड़ी हैं। पिंकल गाड़ी और तानसेन गाड़ी उर्फ गुल्लू से सभी ग्रामीण परेशान हैं। यह दोनों ग्रामीणों का और अपने रिश्तेदारों का भयादोहन करने में लगे हुए हैं। तानसेन गाड़ी गुल्लू ने गांव के अखड़ा, मसना जाने वाले सरकारी रास्ते पर 3 माह पूर्व चहारदीवारी निर्माण कर दिया है। इससे ग्रामीणों को शव ले जाने और पूजा पाठ

करने में काफी कठिनाई हो रही है। इससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। स्थिति विस्फोटक हो गई है। बड़ी घटना भी हो सकती है। हम लोग समाधान के लिए ग्राम सभा

ग्रामसभा में आए पहान पिंकल गाड़ी के गोतिया रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि हम लोगों की खेवट संख्या- 14/1 से लेकर खेवट संख्या-14/10 व पुजारी पहनई का लगभग 36.83 एकड़ जमीन जयपुर गांव में है। इस पर पिंकल गाड़ी ने कब्जा कर लिया है। ना किसी को खेती बाड़ी करने देता है ना किसी को बंटवारा ही देता है। हिस्सेदारी मांगने पर बाहर के लोगों को बुलाकर मरवाता पिटवाता है और जान से मारने की धमकी देता है। तानसेन गाड़ी उर्फ



ग्रामसभा में उपस्थित लोग। • फोटोन न्यूज

गुल्लू के बारे में ग्रामसभा में आए इन्हीं के गोतिया रिश्तेदारों ने बताया कि हम लोगों की कुल 10 एकड़ से भी अधिक जमीन है। इस पर सभी का बराबर का हिस्सा है। लेकिन, तानसेन गाड़ी अपनी दबंगई के कारण सभी को हड़पे हुए हैं और कब्जा किए हुए हैं।

किसी को ना खेती-बाड़ी करने देते हैं ना ही किसी को बंटवारा करते हैं और हमेशा आसामाजिक तत्वों के साथ रहकर अपने रिश्तेदारों को डराते धमकाते हैं कहते हैं कि जमीन मांगोगे तो जान से जाओगे। ग्राम सभा में आए ग्रामीणों ने बताया कि जयपुर गांव के कोटवार

द्वारा ढोल पिटवाकर सभी ग्रामीणों को ग्रामसभा में आने हेतु कहा गया था। साथ ही तानसेन गाड़ी और पिंकल गाड़ी और उनके परिजनों को भी ग्रामसभा में आमंत्रित किया गया था। लेकिन, यह दोनों लोग व इनके परिजन ग्रामसभा में नहीं आए। कुछ दिन पूर्व यही लोग बाहर के लोगों के साथ बैठक कर ग्रामीणों पर अनाप-शनाप जमीन दलाली व गुंडागर्दी का आरोप लगाकर मीडिया में बयान दिए थे। पिंकल गाड़ी और तानसेन गाड़ी दोनों आपस में रिश्तेदार हैं और आदिवासी होकर भी अपने ही आदिवासी रिश्तेदारों का शोषण कर रहे हैं। रिश्तेदारों की कई एकड़ जमीनों पर जबरन कब्जा किए हुए हैं।

आदिवासी मसना के रास्ते पर भी अतिक्रमण कर कब्जा किए हुए हैं। ग्रामसभा में जानकारी मिली कि गांव के अमन पसंद लोगों ने पूर्व में कांके थाना को भी सूचना दी थी। लेकिन, थाना ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। रविवार को ग्राम सभा में कांके थाना के एसआई देवेंद्र राम और पुलिस बल की मौजूदगी में संपन्न हुई। ग्राम सभा में सरपंच नरेश पहान, सुरेश उरांव, रंजीत उरांव, लालू उरांव, सुनीता देवी, अशोक पहान, सुखदेव टोप्पो, दिलीप गाड़ी, रुदों उराईन, फगन देवी, सोनी उरांव, जॉनी उरांव, मालती टोप्पो, रीता देवी शांति देवी सहित सैकड़ो महिला पुरुष शामिल हुए।

गोपीनाथपुर हिंसा के बाद थाना में शांति समिति की हुई बैठक



शांति समिति की बैठक में शामिल लोग। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PAKUR: मुफस्सिल थाना क्षेत्र के

गोपीनाथपुर में बीते दिनों घटित घटनाओं को लेकर रविवार को मुफस्सिल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ दयानंद आजाद ने की। मौके पर मुफस्सिल थाना प्रभारी संजीव कुमार झा, नगर थाना प्रभारी अनुप रोशन भेंगरा समेत गोपीनाथपुर से सटे हरिहरा, हरिगंज, गंधाईपुर गांव के लोगों ने भाग लिया। बैठक में घटना को लेकर खेद प्रकट किया गया। एसडीपीओ श्री आजाद ने कहा कि कुछ

असामाजिक तत्वों के कारण बकरीद पर्व के दिन माहौल बिगड़ गया। ग्रामीणों के सहयोग व प्रशासन की तत्परता से अभी पूरी तरह स्थिति नियंत्रण में है। किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। कहा कि ऐसी सूचनाएं आ रही थी कि कुछ निर्दोष व्यक्तियों के नाम भी आए हैं, जिन्हें जानबूझकर फंसाया गया है। ग्रामीणों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक के अनुसार निर्दोष व्यक्तियों को किसी भी तरीके से कोई परेशानी नहीं होगी, वहीं दोषी व्यक्ति बख्शे नहीं जाएंगे। उचित जांच के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।















बड़ा खुलासा : बांग्लादेश में बिक रहे झारखंड से चोरी किए गए मोबाइल

SUHAIB ANSARI रांची : झारखंड में चोरों के

हौसले बुलंद हैं। वजह चाहे पुलिस की सुस्त कार्यशैली की हो या कुछ और, चोरों के लिए झारखंड सेफ जोन बन चुका है। पुलिस को खुली चुनौती देकर दिनदहाड़े चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। हाल में राज्य के अलग-अलग जिलों में मोबाइल चोरी की घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है। पुलिस ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने में फेल साबित हो रही है। इक्के-दुक्के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी कर पुलिस अपनी पीठ थपथपा रही है। चोरी किए गए मोबाइल अब बांग्लादेश के बाजारों में बिक रहे हैं। जिस गिरोह के सदस्य मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं

चोरों के लिए सेफ जोन बना राज्य, पुलिस को ओपेन चैलेंज कर रहे अपराधी, गिरोह में बच्चे व महिलाएं भी शामिल



💶 पूछताछ में खुलासा हुआ है कि चोरी के मोबाइल बांग्लादेश में बेच दिए जाते हैं। जहां उसकी नुई पैकेजिंग कर उसे बाजार में खपा दिया जाता है। इस मामले में रांची पुलिस साहिबगंज पुलिस के संपर्क में है, ताकि तीनपहाड़ में बैठा मोबाइल चोर गिरोह के सरगना को पकडा जा सके।

चंदन सिन्हा, एसएसपी, रांची।

पलक झपकते उड़ा लेते पर्स-मोबाइल

गिरोह में छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। महिलाएं और बच्चे मॉल में खरीदारी करने वाले लोगों के आसपास घूम कर उनके पर्स और पॉकेट से मोबाइल गायब कर तुरंत उसे बाहर खड़े पुरुष सदस्यों को दे देते हैं। इस दौरान अगर किसी बच्चे को शक के आधार पर पकडा भी जाता था तब भी उनके पास से मोबाइल बरामद नहीं हो पाता है। रांची से गिरफ्तार सभी छह अपराधी साहिबगंज के तीनपहाड क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। गिरोह के सदस्य अलग-अलग समय में रांची में अलग-अलग मोहल्लों में किराए का मकान ले कर रहते थे। पुछताछ में आरोपियों ने बताया है कि उन्हें यह याद भी नहीं है कि उन्होंने अब तक कितनी मोबाइल चोरी की है, लेकिन दो हजार से ज्यादा मोबाइल अब तक वे बांग्लादेश भेज चुके हैं।

फरक्का में मोबाइल को बना देते हैं ब्रांड न्यू

पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार मोबाइल चौरों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं आरोपियों के अनुसार, वे लोग झारखंड के कई शहरों से मोबाइल चोरी कर उसे भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित फरक्का भेज देते थे। वहां गिरोह में शामिल कई बेहद टेक्निकल सदस्य एक्टिव हैं जो चोरी कर भेजे गए मोबाइल का ईएमआई नंबर और ऊपर का कवर बदलकर उसे ब्रांड न्यू बना देते हैं। मोबाइल को फॉर्मेट कर उसें फिर से नए डब्बे में पैक कर दिया जाता है। नई पैकिंग के बाद सभी मोबाइल बांग्लादेश भेज दिया जाता है। बांग्लादेश की दुकानों में चोरी के मोबाइल की खुलेआम बिक्री होती है।



मोबाइल चोरों का अलग-अलग ग्रुप है एक्टिव साहिबगंज के तीनपहाड़ क्षेत्र से चोरों का एक बड़ा गिरोह झारखंड ही नहीं बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में मोबाइल चोरी का काम करता है। ये लोग एक साथ चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए नहीं निकलते हैं, बिक्क अलग–अलग शहरों में 3 से 4 लोग जाते हैं। जब बहुत ज्यादा चोरियां इनके द्वारा अंजाम दे दी जाती है तब ये शहर बदल लेते हैं।

५० हजार से ज्यादा मोबाइल चोरी करने पर चोरों को दिया जाता था गिफ्ट+बोनस

तीनपहाड़ गिरोह के सदस्य राजधानी रांची सहित दूसरे शहरों में घूम-घूम कर मोबाइल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। जब एँक साथ 100 से अधिक मोबाइल जमा हो जाते हैं, तब उसे फरक्का से आए एजेंट के हवाले कर दिया जाता है। मोबाइल चोरी करने वाले चोरों को 10 हजार के मोबाइल का तीन हजार रुपये. 20 हजार के मोबाइल का सात हजार रुपये मिलते थे। वहीं अगर 50,000 से ज्यादा के मोबाइल चोरी करने पर उन्हें उसके एवज में

पश्चिम बंगाल के फरक्का में है चोरों का कारखाना

भारत-बांग्लादेश के बॉर्डर पर पश्चिम बंगाल में फरक्का स्थित है, जहां पर मोबाइल चोरों का एक छोटा सा कारखाना है। झारखंड के अलग-अलग शहरों से चोरी के मोबाइल एजेंटों के माध्यम से फरक्का पहुंचाया जाता है और उसके बाद कारखाने में उसे नया रूप दिया जाता है।

गिफ्ट भी मिलता है। साथ ही 20 हजार रुपये भी मिलते थे।

शिवराज ने 'एक पेड़ मां के नाम'

अभियान के तहत किया पौधारोपण

सरगना सारी व्यवस्था करता है। गिरोह का सरगना साहेबगंज के

रखता है। गिरोह के सदस्य इतने

आईएमईआई नंबर भी मायने नहीं

लिए मोबाइल का शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा ने किया दावा

के आईएमईआई नंबर भी बदल देते हैं। चार दिन पूर्व रांची के रातू के इलाके से पुलिस ने

के नाबालिंग सहित छह सदस्यों को मोबाइल बरामद किए गए थे। चोरी किए गए सभी मोबाइल

तीनपहाड़ चोर गिरोह के एक चोरों के पास से चोरी के 79

झारखंड सरकार देश में सबसे भ्रष्ट

कु ख्यात गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार गिरफ्तार चोरों ने पूछताछ में यह बांग्लादेश भेज दिए जाते हैं । खुलासा किया था कि उनके द्वारा

मोबाइल को बांग्लादेश भेजने के

तीनपहाड़ में छिपा बैठा है।

O BRIEF NEWS

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक पौधा अवश्य लगाएं

RANCHI: रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने रविवार को एक पेड मां के नाम कार्यक्रम के तहत मोराबादी स्थित शहीद संकल्प शुक्ला पार्क में अपनी मां के चित्र के साथ पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि यह धरती हमारी मां है और इसे सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। संजय सेठ ने कहा कि आज पूरे देश में एक पेड़ मां के नाम से लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर पेड़ काटे जा रहे हैं। कंक्रीट का जाल बिछ रहा है। इसका दुष्परिणाम हम सबों के सामने हैं। इसे बचाने के लिए हम सबों को जल, जंगल, जमीन को सुरक्षित

पेंशन समस्याओं पर 25 को होगा सम्मेलन

करने की आवश्यकता है।

RANCHI: राजधानी रांची में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में 25 जून को सुबह 11 बजे से सम्मेलन आयोजित होगा। जिला सैनिक कल्याण निदेशालय के स्तर से आयोजित इस सम्मेलन में रिटायर्ड सैनिकों, विधवाओं एवं आश्रितों का जुटान होगा। इसमें पेंशन संबंधित समस्याओं के अलावा पारिवारिक एवं जमीन संबंधी समस्याओं पर विचार होगा। साथ ही वीर नारियों, विधवाओं तथा अनाथ बच्चों से संबंधित समस्याओं के अलावा भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं आश्रितों के कल्याणार्थ के लिए विचार एवं परामर्श पर विचार होगा।

नॉर्थ कर्णपुरा में रक्तदान शिविर का आयोजन

RANCHI: स्वच्छता पखवाड़ा-2024 के तहत सी.सी.एल के एन.के क्षेत्र में रविवार को सिविल सोसायटी डकरा तथा एन.के क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से केंद्रीय अस्पताल डकरा में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस आयोजन के मुख्य अतिथि हर्ष नाथ मिश्रा, निदेशक (कार्मिक), सी.सी.एल ने स्वयं इस शिविर में रक्तदान करके आम जनों को अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छता पखवाडा के तहत आयोजित इस रक्त शिविर में लगभग 150 लोगों ने रक्तदान किया।

विस चुनाव में बनेगी भाजपा सरकार

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि झारखण्ड में इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी। झारखंड सरकार करप्शन के मामले में देश में अव्वल है। भाजपा ही इससे निजात दिलाएगी। झारखंड प्रदेश के विधानसभा चुनाव प्रभारी बनाए गए शिवराज और सह प्रभारी हिमंता पहली बार झारखंड पहुंचे थे और प्रदेश कार्यालय, रांची में रविवार को पार्टी सांसद, विधायक, मोर्चा अध्यक्ष और अन्य के साथ सांगठनिक बैठक की। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा चुनाव में 8 सीटों पर मिली जीत के लिए पार्टी कार्यकताओं और प्रदेश नेतत्व के परिश्रम की सराहना की। सहयोगी पार्टी आजसू पार्टी के साथ मिलकर 9 सीटों की जीत को पार्टी टीम के घनघोर परिश्रम का फल बताया। खशी जाहिर करते कहा कि लोकसभा चनाव के दौरान प्रदेश की 52 विधानसभा सीटों पर भाजपा की

बढत रही। यह सकारात्मक परिणाम

है। 1962 के बाद पहली बार ऐसा



• झारखंड में बेहतर प्रदर्शन के लिए भाजपा कार्यकताओं का किया

हार्दिक अभिनंदन

हुआ है कि एनडीए को बहुमत

मिला और नरेंद्र मोदी लगातार

तीसरी बार पीएम बने। इसमें

झारखंड में प्रदेश भाजपा का भी

प्रदर्शन बहुत बेहतर रहा। जो जीते

हैं, उनका अभिनंदन भी किया

जाएगा। जो परिणाम आए हैं, उससे

झारखंड में इस बार होने वाले

विधानसभा चुनाव में भाजपा वापसी

करेगी। मौके पर असम के सीएम के

अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

बोले हिमंत बिस्वा सरमा- क्या चम्पाई सोरेन को इस्तीफा नहीं देना चाहिए? प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, जो झारखंड भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी भी हैं, ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमारी सीटें 2019 की तुलना में

कम रही, लेकिन हमारा प्रदर्शन बेहतर रहा। हम 52

बाबुलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी भी उपस्थित थे। कि झारखंड को कुशासन से मुक्त कराना है। इस पर विस्तार से बात किया। ना तो एक भी युवा को अपने हुई है। इसके लिए बाबलाल की बल पर नियक्ति पत्र दिया. ना टीम यहां काम करेगी और वे तथा सरमा इसमें मदद करेंगे। वे आश्वस्त हैं कि इस बार यहां

बीजेपी की सरकार बनेगी। उन्होंने

यह भी कहा कि आज तक झारखंड सरकार की तरह कोई भ्रष्ट और लुटेरी सरकार नहीं देखी। यह देश में सबसे भ्रष्ट और खराब सरकार है। इसने एक भी वादा पूरा नहीं बेरोजगारी भत्ता। अपने कृषि पशुपालन विकास विभाग का जिक्र करते कहा कि पिछले पांच सालों में इस राज्य को 21 हजार 55 करोड़

रुपए मिले पर वे पैसे कहां गये, क्या हुआ, पता नहीं। यहां बालू, कोयला, खनिज में लूट मची है। गो तस्करी हो रही। ट्रांसफर पोस्टिंग में भी लट है। झारखंड तबाही की ओर है। बीजेपी का संकल्प इस राज्य को इससे बचाने का है। हम सब परिश्रम करेंगे और यहां सरकार बनाकर सुशासन लाएंगे। झारखंड में एसटी सीटों पर हार के सवाल के जवाब में शिवराज ने कहा कि

नामकुम में राष्ट्रीय कृषि उच्चतर

संस्थान (नाशा) परिसर में अपने

प्रवास के दूसरे दिन एक पेड़ मां के

नाम अभियान के तहत पौधारोपण

किया। उनके साथ रक्षा राज्यमंत्री

संजय सेट, बोकारो के विधायक

बिरंची नारायण, पांकी विधायक

शशि भूषण मेहता व अन्य लोग मौजूद थे। उन्होंने संस्थान के

वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की।

विधानसभा सीटों पर आगे रहे। उन्होंने कहा कि क्या

चम्पाई सोरेन को इस्तीफा नहीं देना चाहिए?

झारखंड के मुख्यमंत्री अपनी सीट पर नहीं हारे? अगर मैं

अपनी सीट पर हार जाता, तो तूरंत इस्तीफा दे देता। क्या

लोकतंत्र में जीत हार लगी रहती है। भाजपा ने यहां ओवर ऑल बढिया परिणाम दिया है। मौके पर बाबुलाल ने बताया कि लोकसभा चुनाव के पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों, मोर्चा अध्यक्ष, चनाव लंड चके कैंडिडेट के साथ कश्ती. कबड़ी. पार्टी कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक हुई। झारखंड में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, इस संदर्भ में भी यह बैठक बुलाई गयी थी।

रांची में 20 सितंबर से शुरू होगा सांसद खेल महोत्सव

RANCHI: रांची में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 20, 21 और 22 सितंबर 2024 को किया जाएगा। रांची लोकसभा क्षेत्र स्तरीय होने वाले इस महोत्सव में दर्जन भर खेल शामिल होंगे। इसका आयोजन का उद्देश्य 2036 में भारत में होने वाले ओलंपिक में झारखंड से अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस निमित्त केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद संजय सेठ ने तैयारी का जायजा लिया। यह महोत्सव झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि 2036 में होने वाले ओलंपिक में भारत के खिलाड़ी अधिक से अधिक पुरस्कार जीते। अपनी सशक्त भागीदारी निभाएं। प्रधानमंत्री के इसी सपने को पूरा करने के उद्देश्य से रांची में 20, 21 और 22 सितंबर को संसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य आयोजन मोराबादी मैदान, रांची विश्वविद्यालय मैदान के आसपास ही होगा। इस बार सांसद खेल महोत्सव में अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों की भागीदारी हो, इस तरफ भी विशेष तैयारी की जा रही है।

इन खेलों का होगा आयोजन : एथलेटिक्स, वुशु, फेंसिंग, तिरंदाजी, महिला क्रिकेट, महिला फुटबॉल, महिला हॉकी, योग, शतरंज, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपक टकरा, ताइक्वांडो।

झारखंड के विकास कच्छप बने इंटरनेशनल मेडलिस्ट पहलवान

अम्मान (जॉर्डन) में 21 जून से आयोजित अंडर-17 सब जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में राज्य के विकास कच्छप ने पदक जीत कर इतिहास रच दिया है। 30 जून तक खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में रविवार को विकास ने कोरिया के पहलवान को हराकर भारतीय कुश्ती टीम की झोली में कांस्य पदक डाला। पदक जीतने के साथ ही वह झारखंड



बना, जिसने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीता है। दिल्ली के आईजी स्टेडियम में आयोजित भारतीय कुश्ती टीम के चयन ट्रायल में विकास कच्छप ने 48 केजी भार वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया था और भारतीय कुश्ती टीम में अपना स्थान पक्का

विकास कच्छप को अंडर-17 एशियन कश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष जीशान कमर. (भाप्रसे), अभिभावक के रवि कुमार (भाप्रसे), खेल निदेशक, झारखंड सुशांत गौरव, (भाप्रसे), संघ के मार्गदर्शक भोलानाथ सिंह, महासचिव-रजनीश कुमार, जेएसएसपीएस सीईओ जीके राठौर ने शुभकामनाएं दी हैं।

PHOTON NEWS RANCHI

पर्यटन खेलकृद निदेशालय एवं जिला प्रशासन रांची के तत्वाधान में अंतरराष्टीय ओलंपिक दिवस स्थानीय बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराबादी मैदान, रांची में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि साझा के संयुक्त सचिव सह उपनिदेशक राज किशोर खाखा, पूर्व ओलंपियन हॉकी खेल के मनोहर टोपनो, उपनिदेशक, खेल कृद एवं युवा कार्य निदेशालय मनीष कुमार, साई,सैग मोरहाबादी के प्रभारी सह अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक विनोद कुमार सिंह एवं



डीपीआरओ ऋतराज जी ने संयक्त रूप से सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उससे पूर्व आंगंतुकों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन इस कार्यक्रम के संयोजक सह जिला खेल पदाधिकारी, रांची शिवेंद्र कुमार ने किया। मंच संचालन विभाग के वरिष्ठ खो-खो प्रशिक्षक अजय झा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला खेल समन्वयक आशीष कुमार बनर्जी, लिपिक बिरसी मुंडू, विभाग के मुकेश कुमार, कबड्डी

प्रशिक्षक हरीश कमार, खो-खो प्रशिक्षक तपन कुमार राउत, एथलेटिक्स प्रशिक्षक राजू साहू, कबड़ी प्रशिक्षक शिव सागर, झारखंड मलखंब अकादमी के सहायक प्रशिक्षक विवेक कुमार का काफी सहयोग रहा। झारखंड मलखंब अकादमी रांची एवं प्रस्तावित डे बोर्डिंग मलखंब प्रशिक्षण केन्द्र, बी.एस.पी. विद्यालय,सेक्टर-2,धुर्वा, रांची के बालक-बालिका ने पोल मलखंब पर व्यक्तिगत सभी छोटे-छोटे खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन एवं पिरामिड का निर्माण कर सभी दर्शकों को अचंभित कर दिया।

सुबह की खिली-खिली धूप के बाद दोपहर में बढ़ गई गर्मी, मगर कम रही उमस

मानसून के आगमन के बाद मौसम कूल-कूल

21 जून को झारखंड में मानसून के प्रवेश के साथ कई जगह झमाझम तो कई जगह मध्यम दर्जे की बारिश हुई थी। 22 जून को भी दिन में राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में बारिश हुई थी। रविवार को सुबह में धृप खिली-खिली जरूर रही, लेकिन तापमान में नरमी दिखी। दोपहर में गर्मी बढ़ी लेकिन लोगों को उमस से राहत मिली। मानसून की बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि पलाम् और गढ़वा में आंशिक बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अगले 24 घंटे के बाद



मॉनसून के जोर पकड़ने की उम्मीद है। मानसून अगले दो से तीन दिनों में राज्य के अन्य भागों में प्रवेश करेगा। राज्य के सिमेडगा के कोलेबिरा में 80 मिमी बारिश

हुई। बोकारो में 56.4, गिरिडीह में 50, पूर्वी सिंहभूम 34, गुमला 27.4, हजारीबाग 14.5, चतरा 14, रामगढ़ 11.5, साहिबगंज 3.5 समेत राज्य के अन्य स्थानों पर

भी मौसम विभाग की ओर से रांची सहित अन्य जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है।

अधिकतर जिलों का तापमान 40 डिग्री से नीचे: शनिवार को पलामू के मेदिनीनगर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री पर पहुंच जाने से गर्मी से लोग परेशान रहे। हालांकि राज्य के दक्षिणी हिस्से सिमडेगा में भारी बारिश हुई। यहां 80 मिमी बारिश दर्ज की गई। बोकारो और गिरिडीह आदि जिलों में भी अच्छी बारिश हुई। विभिन्न भागों में बारिश होने से राज्य के अन्य जिलों का तापमान 40 डिग्री से नीचे रहा।

हल्की बारिश हुई है। सोमवार को रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को बताया कि 26 जून को संताल के साथ-साथ राजधानी और आसपास वाले इलाकों में भी कई स्थानों पर भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट किया गया है।अभी मानसून संताल परगना वाले इलाके में ही सक्रिय है। अरब सागर से आने वाली मानसून की हवा कोल्हान के करीब पहुंच गयी है। अगले दो-तीन दिनों में इसका असर दिख सकता ह। मानसून और कई जिलों में प्री मानसून बारिश के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है।

जल्द ही 4.50 लाख अबुआ आवासों की मिलेगी सौगात

RANCHI : राज्य में अबुआ आवास योजना से इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.50 लाख आवास का आवंटन होगा। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के निर्देश पर ग्रामीण विकास विभाग जिलावार लक्ष्य तय करने में जुटा है। लाभुकों की संख्या में वृद्धि होने की वजह से सरकार ने यह लक्ष्य तय किया है। संभवतः अगले सप्ताह इसे फाइनल कर दिया जाये। सभी जिलों को मिलाकर करीब 4.50 लाख आवास का आवंटन किया जायेगा यानी इतने बेघरों के लिए तीन कमरों के आवास निर्माण की स्वीकृति दी जायेगी। जानकारी के अनुसार जिलों से रिपोर्ट मंगायी गयी है। विभागीय सचिव ने आवास आवंटन में पूरी पारदर्शिता बरतने का निर्देश अधिकारियों को दिया है।

विधायक निधि के लिए 410 करोड़ रूपये जारी

ग्रामीण विकास विभाग ने वित्तीय वर्ष

2024-25 के लिए विधायक निधि के 410 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इसमें जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत 44 विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों के लिए 220 करोड़ और अन्य क्षेत्र उपयोजना अंतर्गत 38 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 190 करोड़ जारी किये गये हैं। राशि की निकासी संबंधित जिलों के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी करेंगे। निकासी की गयी राशि संबंधित विधानसभा क्षेत्रवार खोले गये बैंक खाता में रखी जायेगी। कार्यकारी एजेंसी, संवेदक और वेंडर को उनके द्वारा समर्पित मापी पुस्त, विपत्र एवं फोटोग्राफ इत्यादि के जांच के बाद ही राशि का भुगतान होगा। यह



विकास सचिव के श्रीनिवासन ने दी। आवंटित राशि का व्यय विधायकों द्वारा अनुशंसित योजनाओं पर विधायक योजना की गाइडलाइन के तहत किया जाये। निकासी की गयी का खर्च आवश्यकताओं पर विकासात्मक प्रवृति की टिकाउ परिसंपत्तियों के सृजन पर ही किया जाये। निकासी की गयी राशि के बाद समेकित उपयोगिता प्रमाण पत्र भी हर हाल में जमा करना अनिवार्य होगा।

समाचार सार

संथाली को बनाना होगा प्रथम राजभाषा : सेंगेल JAMSHEDPUR : करनडीह स्थित आइंसेक प्रांगण में रविवार को केंद्रीय सेंगेल संयोजक बीमो मुर्मू की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें सेंगेल



दिशोम परगाना सोनाराम सोरेन ने कहा कि संथाली कुछ भी हुआ या हो रहा है,

वह मात्र दिखावा है। झारखंड सरकार द्वारा पूर्वी सिंहभूम के सरकारी स्कूलों में जनजातीय एंव क्षेत्रीय भाषा के 105 शिक्षकों की नियुक्ति में केवल संथाली को 11, मुंडारी को 1 एंव भूमिज को 6 शिक्षकों की, जबिक बांग्ला भाषा को 81 शिक्षकों की नियुक्ति करने की घोषणा संथाली भाषा के साथ अन्य झारखंडी भाषा-भाषी के साथ धोखा है। जिला में संथाली भाषा-भाषी की बहुलता है। बैठक में जूनियर मुर्मू, बिरसा मुर्मू, सीताराम माझी, डॉ. सोमाय सोरेन, किसुन हांसदा उपस्थित थे।

बिरसा स्टेडियम में तैराकी प्रतियोगिता आयोजित

ROURKELA: शरीर को स्वस्थ रखने के लिए तैराकी एक अच्छा खेल है। इसके अलावा, तैरना सीखने से आपको आपातकालीन स्थिति में पानी से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। अब तैराकी के प्रति छोटे बच्चों



रुचि दिखाई दे रही है। इसे देखते हुए सुंदरगढ़ जिला तैराकी संघ की ओर से तैराकी प्रतियोगिता का

से लेकर बड़ों तक में काफी

संघ के सहयोग से रविवार को राउरकेला के बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित की गई। प्रतियोगिता जूनियर, सब जूनियर और सीनियर वर्ग के बीच आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले जुलाई में भुवनेश्वर में राज्य तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आयोजक ने बताया कि अगर वहां प्रदर्शन अच्छा रहा तो उन्हें राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए योग्य माना जाएगा।

अखंडलमणि मंदिर में विश्व संगीत दिवस मना

ROURKELA: विश्व संगीत दिवस कोयल नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर एवं बाबा अखंडलमणि मंदिर ट्रस्ट के द्वारा मंदिर प्रांगण में रविवार को मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक



महोत्सव के दृष्टिकोण के मल्लिक ने कहा कि मानव सभ्यता की प्रगति के साथ

एवं ट्रस्टी ब्रजेंद्र दास ने

निभाई है। इस अवसर पर भावपूर्ण भजन संध्या का आयोजन किया गया। प्रशंसित गायिका आशालता षाडुंगी ने शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया।

विधायक दुर्गा तांती ने डीआईजी से की मुलाकात

ROURKELA: नवनिर्वाचित रघुनाथपल्ली विधायक दुर्गा चरण तांती ने डीआइजी ब्रजेश कुमार राय से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर ब्रजेश राय ने नवनिर्वाचित विधायक दुर्गा चरण तांती को बधाई एवं शुभकामनाएं



कहा कि उन्होंने थाना में आने वाले लोग न्याय या शिकायत के लिए थाने जाते हैं, उनके साथ शिष्टाचार

और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाए। लोग पलिस से सहयोग और न्याय की उम्मीद लेकर वहां जाते हैं।

राजगांगपुर में वज्रपात से महिला की मौत

RAJGANGPUR: सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न हिस्सों में तेज गरज के साथ बारिश हुई। काल बैसाखी के फलस्वरूप शाम साढ़े चार बजे आधा, बारिश आर बिजला गिरन स महिला का मात हुई है। राजगागपु थाना अंतर्गत रामबहाल क्षेत्र के आंबोघाट पानिटंकी गांव की 45 वर्षीय बेनेदिता बिलुंग नामक महिला की मौत हो गयी। घटना के अनुसार बेनेदिता बिलुंग अपने मायके में रहती थी। जैसे ही बारिश और हवा आई, वह अपने कपड़े को लाने बाहर चला गया। इसी बीच आकाशीय बिजली की चपेट में आकर वह गिर गई। परिजन उन्हे उठाकर

राजगांगपुर अस्पताल ले गये। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। विशिष्ट महिलाओं को किया गया सम्मानित

JAMSHEDPUR: सिदगोड़ा स्थित सभागार में रविवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जमशेदपुर से संबद्ध सैन्य मातृशक्ति ने



शौर्य दिवस मनाया। इस मौके पर शहर की विशिष्ट महिलाएं सम्मानित की गईं. जिनमें डॉ. पष्कर बाला (बीडीएसएल महिला कॉलेज की विभागाध्यक्ष),

रेडियो जॉकी स्मिता कमारी (रेड एफएम), अंतरा बोस (पत्रकार), डॉ. मेघा बंसल मानस (आर्मी कैंप, सोनारी), कवियत्री सोनी सुगंधा (अखिल भारतीय साहित्य परिषद), डॉ. त्रिपुरा झा (शिक्षाविद) व पद्मा कुमारी (पद्माशक्ति फाउंडेशन की संस्थापक) शामिल थीं।

विकसित होगा बुरुडीह डैम : चम्पाई

PHOTON NEWS JSR:

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रविवार

को पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित

बुरुडीह डैम का अवलोकन

किया। मख्यमंत्री ने अवलोकन

के क्रम में बुरुडीह डैम को

राष्ट्रीय स्तर का बेहतरीन पर्यटन

स्थल के रूप में विकसित करने

के लिए अधिकारियों को कई

अहम दिशा-निर्देश दिए। इस

मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए

कहा कि हमारी सरकार राज्य के

कई नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा

देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री

ने कहा कि झारखंड प्रकृतिक

सुंदरता के दृष्टिकोण से एक बहुत

पर्यटन की प्रबल संभावना है।

यही कारण है कि हमारी सरकार

राज्य में चिह्नित कई धार्मिक व

आध्यात्मिक स्थलों सहित पहाड़,

डैम, फॉल आदि आकर्षक जगहों

को विकसित करने के उद्देश्य से

बुरुडीह डैम का पानी आसपास

क्षेत्र के किसान वर्ग को

उपलब्ध कराएंगे : मुख्यमंत्री ने

कहा कि झारखंड आंदोलन के

समय ही व्यक्तिगत रूप से मैं

जंगल से घिरे हुए इस ऐतिहासिक

बुरुडीह डैम की खूबसूरती से

कार्ययोजना बना रही है।

आकर्षक राज्य है। यहां

मुख्यमंत्री ने अवलोकन के दौरान अधिकारियों से राज्य सरकार द्वारा बुरुडीह डैम की जानकारी ली। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग, वन विभाग और पूर्वी सिंहभूम जिला के अधिकारियों को बेहतर तालमेल और समन्वय बनाकर बुरुडीह डैम के विकास कार्य को निश्चित समय सीमा के अंतर्गत मूर्त रूप देने का निर्देश दिया।



मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश, राज्य में पर्यटन को बढ़ाना प्राथमिकता

राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में

घाटशिला स्थित बुरुडीह डैम पहुंचे मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन 🏻 फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री ने २१४१ विकास योजनाओं की दी सौगात

JAMSHEDPUR : मख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम जिले को करोडों रुपये की सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 45 करोड 79 लाख 99 हजार 980 रुपये की 2141 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इसमें 14 करोड 88 लाख 44 हजार 580 रुपये की 15 योजनाओं का शिलान्यास एवं 30 करोड़ 91 लाख 55 हजार 400 रुपए की योजनाओं की आधारशिला रखी। वहीं, अबआ आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, बिरसा

विकास हो, यह पहले से ही मेरे

• 20,484 लाभुकों के बीच लगभग ७१ करोड़ ६३ लाख रुपये की बांटी परिसंपत्ति

सिंचाई कृप संवर्धन योजना, सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना. सर्वजन पेंशन योजना. मुख्यमंत्री रोजगार सुजन योजना, छात्रवृत्ति योजना, वन पट्टा वितरण योजना और मुख्यमंत्री पशुधन योजना समेत अनेकों कल्याणकारी योजनाओं के 20, 484 लाभुकों के बीच 71 करोड़ 63 लाख 4 हजार 200 रुपये की परिसंपत्ति का

वितरण किया। इस कार्यक्रम में विधायक रामदास सोरेन, विधायक झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतल्लाह खान, झारखंड गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राज् गिरि, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त हरि कुमार केशरी तथा जिले के उपायुक्त अनन्य मित्तल एवं वरीय पलिस अधीक्षक किशोर कौशल समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

केयू शिक्षक संघ सीएम से मिला

JAMSHEDPUR विश्वविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधिमंडल रविवार को घाटशिला में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मिला। इस दौरान सीएम से झारखंड के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सेवारत शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने एवं सरकार के अन्य कर्मचारियों की तरह स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने की मांग रखी। मख्यमंत्री ने ज्ञापन लेते हए आश्वासन र्दिया कि जल्द ही विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन एवं स्वास्थ्य बीमा लाभ की सुविधा प्रदान किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में टाकू के अध्यक्ष डॉ. संजय कमार सिंह, महासंचिव इंदल पासवान, सचिव डॉ. संदीप चंद्रा एवं अन्य शामिल थे।

मख्यमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से लोग इस पर्यटन स्थल पर आकर यहां की खुबसुरती का आनंद ले सकें, इस निमित्त डैम को कनेक्ट करने वाला सड़क सहित बिजली, पानी और पर्यटकों के ठहरने की पूरी सविधा उपलब्ध करायी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुरुडीह डैम को विकसित कर घाटशिला क्षेत्र को एक नई पहचान देनी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पौधारोपण किया तथा पेड़ों में

आगे बढ रही है। मख्यमंत्री ने

कहा कि हमारी सरकार हर

सेक्टर में विकास की एक लंबी

लकीर खींचने के लिए निरंतर

पर्यटन को बढ़ावा देने वाली

सभी मूलभूत व्यवस्था उपलब्ध

होगी: मुख्यमंत्री ने कहा कि

बुरुडीह डैम का सुंदरीकरण कार्य

सहित राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन

स्थल बनाने के लिए सभी जरूरी

व्यवस्था को एक निश्चित समय

सीमा के अंदर पूरा करना राज्य

सरकार का लक्ष्य है। यहां गेस्ट

हाउस, खेल का मैदान, पार्क

निर्माण इत्यादि सभी कार्य

प्राथमिकता के तौर पर किए संघ का

रक्षासूत्र बांधकर वृक्ष को संरक्षित इसी उद्देश्य से हमारी सरकार

जुगसलाई में युवक को गोली मारी, हालत नाजुक, पकड़ाया



टीएमएच में मौजूद घायल के परिजन • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: जुगसलाई थाना से सटी बलदेव बस्ती के करण सिंह को उसके ही दोस्तों ने पुराने विवाद को लेकर रविवार की सबह गोली मार दी। गोली करण के सिर में लगी है। उसे टीएमएच में भर्ती कराया गया नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के छायानगर क रहन वाल दा युवक तब करण पानी भर रहा था। दोनों

है। इसके बाद तीनों प्रह्लाद के घर पहुंचे। प्रह्लाद के घर पर ही तीनों का विवाद हो गया था। इस बीच दी। बताया जा रहा है कि करण को गोली मारने के बाद आरोपी ही में घटना की जानकारी पाकर जुगसलाई थाना की पुलिस भी अस्पताल पहुंचा था। अभा पुालस बाइक से करण के घर आए थे। मामले की जांच कर रही है। के एक माह के अंदर गणेश सिंह फिलहाल, पुलिस ने हमलावर को हिरासत में ले लिया है।

हत्यारोपी गणेश सिंह के घर पुलिस ने ढोल बजाकर साटा इश्तेहार

मन में था। इस डैम का पानी

JAMSHEDPUR : पुलिस ने कई मामलों में फरार चल रहे आरोपी गणेश सिंह के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। रविवार को टेल्को पुलिस ने रंजीत सरदार हत्याकांड मामले में गणेश सिंह के मानगो डिमना रोड स्थित आवास में इश्तेहार चिपकाया। इस दौरान पुलिस ढोल-नगाड़ों के साथ मौके पर पहुंची थी।

वहीं मौके पर क्युआरटी को भी तैनात किया गया था। इसके पूर्व उक्त मामले में कोर्ट से गणेश सिंह के खिलाफ वारंट भी जारी हुआ था. पर गणेश सिंह की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी, जिसके बाद अभिषेक कमार की अदालत ने गणेश सिंह के खिलाफ इश्तेहार जारा किया था। इश्तहार चिपकान कोर्ट में प्रस्तुत नहीं होता है, तो

विदेशियों को साइबर टगी का शिकार बनाने वाले गिरोह के सात सदस्य हुए गिरफ्तार

अब तक करोड़ों रूपये की कर चुके हैं ठगी, सरगना समेत दो फरार

जिला पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गोलमुरी की मुस्लिम बस्ती में छापेमारी कर विदेशियों से साइबर ठगी करने वाले गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में गोलमुरी दुइलाडुंगरी निवासी अमरीक सिंह उर्फ रिंकू, कोलकाता के दत्ता लेन निवासी विवेक गुप्ता, कोलकाता के ही बागुईपाड़ा निवासी तनुप दास, हावड़ा निवासी गौरव चौधरी, मनीष चौधरी, संदीप कमार राम और प्रवीण चौधरी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 13 माबाइल फान, एक लैपटॉप, 7 लैपटॉप चार्जर, 1 से बाहर है। पुलिस गिरोह के अन्य स्वाइप मशीन और 13 एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। हालांकि



एमजीएम अस्पताल से आरोपियों को ले जाती पुलिस

गिरोह का मुख्य सरगना टेल्को घडी पार्क के पास रहने वाला सौरभ कुमार सिन्हा है, जबकि इसके अलावा साइबर क्राइम के लिए जगह उपलब्ध कराने वाला रमाज रजा खान पुालस का ।गरफ्त सदस्यों की तलाश के लिए

एसएसपी थी गुप्त सूचना : एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि गोलमुरी में साइबर ठगी का काम किया जा रहा है। सूचना पर ाबष्टुपुर थाना म रमाज रजा खान के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद कार्रवाई करते

धूमधाम से मनी 'सहयोग' की रजत जयंती

PHOTON NEWS JSR:

बहुभाषीय साहित्यिक संस्था 'सहयोग' की रजत जयंती रविवार को मनी। कदमा स्थित डीबीएमएस स्कूल के सभागार में कार्यक्रम की अध्यक्षता डीबीएमएस के ट्रस्टी बी. चंद्रशेखर ने की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिवशंकर सिंह, विशिष्ट अतिथि तुलसी भवन के महासचिव प्रसेनजीत तिवारी व साहित्यकार डॉ. सी. भास्कर राव रहे। डॉ. मुदिता चंद्रा मौजूद रहीं। इस दौरान



पत्रिका का लोकार्पण करते अतिथि • फोटोन न्यूज

एक फिल्म दिखाई गई। संयोजन और निर्माण शालिनी प्रसाद ने किया था। जूही समर्पिता ने इसकी परिकल्पना की थी। रजत जयंती स्मारिका का लोकार्पण किया।

साथ ही इस वर्ष का इसके 'सहयोग निधि सम्मान' अल्पना भट्टाचार्य को प्रदान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन सचिव विद्या

शरारती तत्वीं ने फूलो-झानो चौक की पत्थलगड़ी को हटाया

JAMSHEDPUR : मानगो अंचल अंर्तगत पलासबनी गांव के शिरीघुटू टोला में रविवार सुबह कुछ शरारती तत्वों ने फूलो-झानो चौक के नाम से नामांतरित किए हुए पत्थलगड़ी को हटा दिया और वहां लगी फोटो को फेंक दिया। जैसे ही कुछ ग्रामीणों को पता चला, उन्होंने जाकर पत्थलगडी को पुन : स्थापित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि ऐसा कृत्य करने वाले बाहरी लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जल्द ग्राम सभा कर प्रशासन से मिला जाएगा। ज्ञात हो कि वर्ष 2018 में ही फूलो झानो चौक का नामकरण किया गया था। गत वर्ष ग्रामीणों ने पत्थलगड़ी किया था।

कोल्हान विवि : यूजी में आज से होंगे दाखिले, 18 से क्लास

नामांकन के लिए 24061 के आवेदन स्वीकृत, 34 रद्द

एडमिशन की प्रमुख तिथि

हली मेधा सूची का प्रकाशन	:	24 जून	
हली मेघा सूची से नामांकन	:	24 जून से 4 जुलाई	
्सरी मेधा सूची का प्रकाशन	:	6 जुलाई	
्सरी सूची से नामांकन	:	6 जुलाई से 11 जुलाई	
ोसरी सूची का प्रकाशन	:	१२ जुलाई	
ोसरी सूची से नामांकन	:	12 जुलाई से 16 जुलाई	

PHOTON NEWS JSR: कोल्हान विश्वविद्यालय के

कॉलेजों में यूजी प्रथम सेमेस्टर में

नामांकन के लिए पहली मेधा सूची सोमवार को जारी होगी और इसके साथ ही दाखिले की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि 4 जुलाई है। इस बार चार वर्षीय यूजी प्रथम सेमेस्टर में नामांकन को कुल 24,095 छात्रों ने आवेदन दिया था। इसमें 34 आवेदन को तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया। कुल 24,061 छात्रों के आवेदन मान्य किए गए। सबसे अधिक 2,724 आवेदन टाटा कॉलेज चाईबासा और सबसे कम 2 आवेदन जीआईआईटी प्रोफेशनल कॉलेज के लिए आए। अंगीभूत कॉलेजों में इस बार भी सबसे कम नामांकन 11 फॉर्म डिग्री कॉलेज खरसावां के लिए भरा गया है। अगर आंकड़े पर नजर डालें तो पिछले तीन सालों में इस बार सबसे कम आवेदन फॉर्म भरा गया है। पिछले वर्ष जहां 27 हजार फॉर्म भरा गया था, वहीं 2022 में 30 हजार फॉर्म भरा गया था। जबकि इस बार सिर्फ 24095 छात्रों ने ही फॉर्म भरा है।



हेल्प डेस्क भी सक्रिय

एडिमशन को लेकर केयू के सभी कालेजों में हेल्प डेस्क भी सिक्रिय कर दिया गया है। जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अमर सिंह व नामांकन प्रभारी डॉ. अशोक कुमार रवानी की ओर से इस संबंध में सूचना सार्वजनिक की गई है। जारी सूचना के अनुसार हेल्प डेस्क कमरा संख्या 12 कार्यरत रहेगा। यहां छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी होने पर नीरज कुमार नाग व मो. शाहनवाज अहमद से सुबह 10.30 बजे से अपराहन 2 बजे तक संपर्क किया जा सकता है। कॉलेज की वेबसाइट पर प्रथम मेधा सूची अपलोड कर दी गई है।

बलिदान दिवस पर याद किए गए डॉ. मुखर्जी, मंडल कार्यालय एवं ब्रूथों पर भी कार्यकताओं ने दी श्रद्धांजलि

लगे नारे 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है...

अध्यक्ष व प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 71वीं पुण्यतिथि को भाजपा जमशेदपुर महानगर ने जिला एवं मंडल स्तर पर बलिदान दिवस के रूप में मनाया। साकची स्थित जिला

पुण्यतिथि

PHOTON NEWS JSR: भारतीय जनसंघ के संस्थापक

भाजपा कार्यालय में रविवार को महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक मेनका सरदार समेत वरीय नेताओं एवं कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन

इस दौरान कार्यकताओं ने 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहे', 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है' एवं 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर अपनी



भावनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्व विधायक मेनका सरदार ने कहा कि आज हम ऐसे महापुरुष का बलिदान दिवस मना रहे हैं, जिन्होंने एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेगा, का नारा देकर जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त करने की प्रेरणा का

बीजारोपण किया था। जम्मू-कश्मीर को एक करने के

लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने सात दशक पहले जो सपना देखा था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र-एक संविधान एक बनाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। विभिन्न मंडलों एवं बुथों पर भी

डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई गई। जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, अभय सिंह, चंद्रशेखर

कश्मीर के लिए शहीद हो गए थे डॉ. मुखर्जी : सरयू

JAMSHEDPUR : भारतीय जनतंत्र मोर्चा, जमशेदपुर महानगर द्वारा जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि विधानसभा कार्यालय बारीडीह में मनाई गई। इस अवसर पर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरय राय एवं भाजमो कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। अपने संबोधन में राय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक संकल्प लिया था कि जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाना है।

बारीडीह में श्रद्धा सुमन अर्पित करते विधायक सरयू राय 🏻 फोटोन न्यूज अलग थी, वहां का झंडा अलग था, संविधान अलग था। उस समय डॉ. मुखर्जी ने नारा दिया था कि एक देश में दो निशान दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेगा। इसी के सत्याग्रह उस समय जम्मू-कश्मीर की सरकार के लिए वे जम्मू-कश्मीर गए।

मिश्रा, रामबाबू तिवारी, राजकुमार यादव, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता राजेश श्रीवास्तव, दिनेश कुमार व गुंजन कुमार शुक्ल, रीता मिश्रा, कुलवंत

प्रसाद मुखर्जी की ही देन है। सिंह बंटी, राजन सिंह समेत अन्य

कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर में शेख अबदुल्ला

की सरकार ने उन्हें गिरफ्तार किया

और वे जेल में ही शहीद हो गए।

आज जम्मू-कश्मीर भारत का

अभिन्न भाग है तो वह डॉ. श्यामा

संक्षिप्त डायरी

पड़ोसी ने घर में घुसकर की मारपीट, 6

विपक्ष और नीतीश मजबूत हुए मोदी भी नहीं हटे

पटना में नीतीश के बुलावे पर आए थे विपक्षी दल

पटना। 23 जून 2023 को 15 भाजपा विरोधी दलों ने नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के लिए एकजुटता दिखाई थी। इसकी अगुवाई बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की थी। उनकी अगुवाई में आज ही के दिन पटना में विपक्षी एकता की नींव पड़ी थी। इस विपक्षी एकता बैठक का मकसद हर हाल में 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजय रथ को रोकना था। लेकिन, जिस नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के लिए विपक्षियों को एकजुट किया था, उसी ने आज मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नीतीश ने न सिर्फ मोदी को पीएम बनाया, बल्कि विपक्ष को भी मजबूत किया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के

समस्तीपुर। में शादी की सुबह

दुल्हन अपने प्रेमी के संग भाग गई।

रात में बारात आई तो परिजनों ने

दुल्हे को मनाकर दुल्हन की छोटी

बहन से उसकी शादी कर विदाई

करवा दी। इधर सुबह होते ही घर

से भागी दुल्हन को उसका प्रेमी

छोड़ गया। मामला थाना पहुंचा

और परिजनों ने कहा- यह लड़की

अब उसी प्रेमी के साथ रहेगी,

जिसके साथ यह भागी थी। जबकि

प्रेमी के घरवाले लड़की को

अपनाना नहीं चाहते हैं। लड़की के

भाई ने प्रेमी पर एफआईआर दर्ज

करवा दी है। वहीं, पुलिस पूरे

मामले की जांच में जुट गई है।

आरोपी प्रेमी का घर लड़की के घर

से करीब 200 मीटर दूर है।

दरअसल, शुक्रवार (21 जून की)

को रोसडा थाना क्षेत्र के पबडा गांव

के लड़के से विभृतिपुर की लड़की

की शादी थी। लड़की पक्ष के लोग

रीति-रिवाज के साथ शादी की

तैयारी में जुटे हुए थे। सुबह 11

बजे दुल्हन घर से शौच करने के

शादी के दिन दुल्हन



पीडीपी सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती समेत अरविंद केजरीवाल, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत लेफ्ट के नेता सीताराम येचुरी और सोरेन, उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम डी राजा भी इस बैठक में शामिल अखिलेश यादव, महाराष्ट्र के पूर्व हुए। वहीं, आरजेडी सुप्रीमो लालू मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, एनसीपी प्रसाद को भी काफी समय बाद सुप्रीमो शरद पवार, नेशनल किसी राजनीतिक कार्यक्रम में कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, एक्टिव देखा गया था। इस पहली

बहाने निकली और अपने प्रेमी के

साथ फरार हो गई। दुल्हन के

चाचा ने बताया कि रात 8 बजे

लड़की ने अपने भाई को कॉल

किया और बताया कि वो रोसड़ा में

है। हमने कहा-अभी भी समय है

वापस आ जाओ। पर लड़की ने

कहा- वो नहीं आएगी और प्रेमी

मनीष के साथ ही रहेगी। इसी बीच

रात में बारात घर पहुंची तो

सामाजिक प्रतिष्ठा को बचाने के

लिए परिजनों ने दुल्हन की छोटी

बहन से दूल्हे की शादी करवा दी।

इधर, लड़की रात भर अपने प्रेमी

और उनके दोस्तों के साथ रही।

सुबह लड़की को प्रेमी उसे गांव के

ही एक स्थान पर छोड़कर फरार हो

गया। परिजन लड़की को लेकर

थाना पहुंचे और उसे अपने साथ

नहीं रखने की बात कही। परिजनों

का कहना है कि अब लड़की उसी

प्रेमी के घर रहेगी, जिसके साथ वो

भागी थी। वहीं, दुल्हन ने मनीष

कुमार पर जबरन अपहरण का



बैठक में सीटों के बंटवारे का फॉमूर्ला, हर सीट पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष का एक प्रत्याशी, कॉमन मिनिमम प्रोग्राम और दिल्ली अध्यादेश जैसे मुद्दों पर बात हुई। इस मीटिंग में एक चीज क्लियर कर

दल एक है। बैठक से नीतीश कुमार ने कोशिश की थी कि 2024 के चुनाव में बीजेपी के सामने विपक्ष की ओर से एक संयुक्त उम्मीदवार उतारा जाए। पाला बदलने से पहले नीतीश ने इसके कई संकेत दिए थे। 23

में नीतीश कुमार ने परिवारवाद पर लेकर मानी जा रहे थी। गणतंत्र

कपूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की

घोषणा की थी। उसी दिन कपूरी

ठाकुर की 100वीं जयंती समारोह

हमला बोला। उन्होंने कहा था कि आजकल तो लोग अपने परिवार को ही आगे बढ़ाते हैं, लेकिन कपूरी जी ने कभी नहीं बढाया। जननायक से सीख कर हमने भी कभी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया। बोलता रहे। नीतीश की यह बात लालू और उनके परिवार को दिवस पर नीतीश और तेजस्वी के बीच दिखी थी दूरी फिर दो दिन बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर जदयू और राजद गठबंधन के टूटने के आसार की खबर पहली बार तूल

भोजपुर। के बिहिया थाना क्षेत्र के समरदह से गांव में शनिवार को घर बनवाने को लेकर पडोसियों ने एक ही परिवार के महिला समेत 6 लोगों को लाठी-डंडे से मारकर बुरी तरह जख्मी कर दिया। इसके बाद अन्य पड़ोसियों की मदद से मामले को शांत कराया गया। सभी जिख्मयों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया

जिख्नयों में बिहिया थाना क्षेत्र के स्व. लाल मोहन सिंह के 65 वर्षीय पुत्र काशी नाथ सिंह, 70 वर्षीय शिवनाथ सिंह, काशीनाथ की 65 वर्षीय पत्नी मनोरमा देवी, 31 वर्षीय पुत्र देवेंद्र व काशी नाथ सिंह के 31 वर्षीय देवेंद्र कुमार, 20 वर्षीय आद्विक धवन शामिल है। इधर, जख्मी देवेंद्र कुमार ने बताया कि हर साल बरसात में घर के आगे पानी भर जाता है जिससे महिला, बच्चों समेत अन्य परिवार को काफी दिक्कत होती है। आज घर बनवाने को लेकर जब गिट्टीझबालू गिरवा रहे थे। तभी पड़ोसी ने अपने पूरे परिवार और अन्य साथियों के साथ घर पर धावा बोल दिया। कहने लगे कि यहां घर नहीं बनेगा। जब हमने इसका विरोध किया तो जानलेवा हमला कर दिया। घर में मां, भाई और बड़े पापा की जमकर पिटाई कर दी। डंडे से सिर पर वार किया। जिससे चार लोगों के सिर में काफी गंभीर चोट है। मारपीट की घटना के बाद जान से मारने की धमकी भी दी गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया

स्कूल से प्रोजेक्टर चोरी करने वाले 5 जून को उससे बात हुई है। आज सुबह उसके बारे में पूछा तो पत्नी ने बदमाश अरेस्ट



शेखपुरा । की नगर थाना पुलिस ने स्कूलों से कंप्यूटर और प्रोजेक्टर सहित अन्य सामानों को चुराने वाले गिरोह का खुलासा किया है। शहर के एक स्कूल से चोरी किए गए स्मार्ट क्लास के दो प्रोजेक्टर बरामद किया गया है। इस मामले में शामिल 5 युवकों को भी गिरफ्तार कर लिया है। जबिक, चोरी किए गए अन्य सामानों

की बरामदगी के लिए पुलिस की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी बलिराम कुमार चौधरी ने शनिवार की शाम इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 16 मई को नगर क्षेत्र शेखपुरा के उत्क्रमित मध्य विद्यालय जमालपुर के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार दास ने स्कूल में चोरी के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सूरज कुमार से पूछताछ के बाद हुआ खुलासा प्राथमिकी में उन्होंने अज्ञात को अभियुक्त बनाया था। इस घटना का खुलासा करने के लिए 22 जून को विशेष टीम का गठन किया गया। शेखपुरा थाना अपर थानाध्यक्ष रिंकू रंजन कुमार के नेतृत्व में दरोगा प्रीति कुमारी और रोशन कुमार के साथ सशस्त्र बल ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए जमालपुर के वार्ड संख्या-31 के निवासी शिव बालक मिस्त्री के बेटे सूरज कुमार को संदिग्ध परिस्थिति में गिरफ्तार किया। सूरज कुमार से पूछताछ के क्रम में इस कांड का पूरी तरह खुलासा हो गया। सूरज कुमार की निशानदेही पर चोरी किए गए दोनों प्रोजेक्टर बरामद कर लिए गए। इसमें एक प्रोजेक्टर को बदमाशों ने तोड़ डाला था। सूरज कुमार के कहे अनुसार इस कांड में अपने सहयोगी कटरा बाजार के भारत राम के बेटे टिशू कुमार उर्फ आयुष कुमार और संजय प्रसाद के बेटे सूरज कुमार है। यह मूल रूप से मुंगेर जिला के धरहरा के रहने वाले है। जबकि, गिरिहिंडा के रविंद्र प्रसाद का बेटा रोहित कुमार और पटेल चौक के उमा महतो के बेटा सूरज कमार को गिरफ्तार किया गया है। यह भी मल रूप से अरियरी थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव का रहने वाला है। पुलिस ने इन सभी बदमाशों से कड़ी पुछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस इन बदमाशों के आपराधिक इतिहास खंगालने में भी लगी हुई है।

मुझे किडनैप कर लिया है मार देंगे बचा लो

फरार सुबह प्रेमी छोड़ गया आशु कुमार (19) 21 जून से लापता है। घर वालों का कहना है कि वो सारण बी फॉर्मा का एग्जाम देने गया था। लेकिन वो वहां पहुंचा ही नहीं शनिवार की रात उसका कॉल आया। उसने अपनी मां से कहा कि मेरा अपहरण हो गया, मुझे बचा लो वरना ये लोग मार देंगे। मुझे बाथरुम में बंद कर रखा है। मैं किसी तरह आपको कॉल कर रहा हं। ऑनलाइन गेमिंग से जडे मयंक

और शिवम ने मुझे बंधक बनाया है।

मझे बहत मार रहा है। साथ ही आशु

कुमार ने अपनी मां से कहा कि ये



मार देंगे। इतनी बात करते ही कॉल कट गया। राजेश कुमार सिंह का दानापुर के शाहपुर थाना इलाके के डिफेंस कॉलोनी में घर है। वो दानापुर दियारा बीजेपी के मंडल प्रभारी हैं। अपने परिजनों से बात कर सकुशल पहुंचने की बात कही थी। उसके बाद अब तक वह घर नहीं लौटा है। पिता राजेश का कहना है कि आशु ट्रेन से कि कोई ऑनलाइन गेम वाले मयंक और शुभम ने उसे बंधक बनाया है। 50 की संख्या में लोग हैं, पीट रहे हैं। पापा को अभी मत बताना.. नहीं तो ये लोग मुझे मार देंगे। हो सकता है सबह मुझे छोड़ दे। अगर मेरा फोन नहीं आया तो समझना मेरा मर्डर हो गया है। जैसे ही पिता को जानकारी हुई तो वो भागकर थाना आए हैं। यहां एप्लिकेशन लिखने के लिए पेपर नहीं है। थाना प्रभारी भी नहीं

कहा कि रात में बेटे ने फोन कर कहा

भोजपुर। में सड़क हादसा हुआ था। दुर्घटना में मृत युवक की तीसरे दिन पहचान हो गई है। मृतक संदेश थाना क्षेत्र के बारा गांव निवासी शैलेश कुमार राय के 25 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार उर्फ मुरली था। जो किसान था। गुरुवार दोपहर शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही ओवर ब्रिज के पश्चिम साइड स्थित सडक किनारे से शाहपुर पुलिस ने शव बरामद किया था। पोस्टमॉर्टम आरा सदर अस्पताल में कराया गया था। मृतक के पिता शैलेश कुमार राय ने बताया कि वह बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे बाइक पर सवार होकर घर से नवादा थाना क्षेत्र के विष्णु नगर अपने किराए के मकान पर आया था। गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे बाइक से वापस गांव लौट रहा था।



शाम करीब पौने पांच बजे तक उसका मोबाइल ऑन था। उसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। कुछ पता नहीं चल पाया था। शुक्रवार शाम परिजन ने नवादा थाना में अपहरण का आवेदन दिया था। अखबार में छपी खबर को देखकर परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे और पोस्टमॉर्टम गृह

में कपड़े देखकर उसकी पहचान की। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना नवादा थाना पुलिस को दी। शव को दाह-संस्कार के लिए वापस गांव ले गए।

वहीं दूसरी ओर मृतक के पिता शैलेश कुमार राय ने बताया कि एक वर्ष पूर्व खेत से ट्रैक्टर ले जाने के विवाद को लेकर फुलाड़ी गांव

थी। उस समय से उक्त लोगों से विवाद चल रहा है। उसी विवाद के कारण संदेश थाना क्षेत्र के फुलाड़ी गांव निवासी लवकुश सिंह, उनके दो पुत्र भीम सिंह, सन्नी सिंह, उमेश सिंह के दो पुत्र तिरुपति सिंह, कृष्ण सिंह उर्फ साधू सिंह नामक लोगों पर तेजाब डालकर और धारदार हथियार से मारकर मेरे बेटे की हत्या की है। जबिक पुलिस की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना से हुई है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण पता चल पाएगा। मृतक की बाइक नवादा थाना क्षेत्र के न्यू ओवर ब्रिज स्थित प्राइवेट बस स्टैंड के पास से नवादा थाना पलिस ने बरामद किया था और मोबाइल गायब है।

निवासी कुछ व्यक्तियों से मारपीट हुई

2 ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत



शनिवार की शाम 2 ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर में ऑटो सवार 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबिक कई सवारी चोटिल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने खुन से लथपथ घायलों को इलाज के लिए सिंहवाड़ा सीएचसी पहुंचाया। जहां भरवाड़ा निवासी संजय यादव,

अंकित कुमार, लाल मोहम्मद खान, कटाशा निवासी मो.आबिद, कुम्हरौली निवासी मो.शकील, मो.जफीर, लालपुर निवासी टुनटुन कुमार का इलाज किया जा रहा है। बताया गया है कि भरवाड़ा की ओर से पैसेंजर से भरी ऑटो आ रही थी। कटाशा पेट्रोल पंप के पास सामने से बेलगाम आ रही दोनों ऑटो के आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर होते ही दोनों ऑटो पर सवार कई लोग सडक पर गिर गए। खुन से लथपथ यात्रियों को देखकर बडी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि अनियंत्रित होकर ऑटो चलाने की वजह से आए दिन ऐसी घटनाएं दुर्घटनाएं हो रही है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ.प्रेमचंद ने सभी को खतरे से बाहर बताया

दरभंगा के एक और पुल में दरार अधिकारी बोले-

गाड़ी से धक्का लगने की वजह से हुआ ऐसा आक्रोश है। स्थानीय भाजपा नेता

दरभंगा। में पुल गिरना आम सी बात हो गई हैअलग-अलग जगहों पर बीते कुछ दिनों में ही 2 पुल धाराशाही हुआ है। ऐसे में सरकार की लापरवाही स्पष्ट दिखाई देती है। कई जगहों पर स्थानीय लोगों द्वारा इसकी शिकायत विभागीय अधिकारियों को समय समय पर की जाती है। लेकिन इसकी सुधी लेने वाला कोई नहीं है। ताजा मामला दरभंगा के बिरौल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले सोनपुर पघारी पंचायत का है। यहां प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना से 389 लाख रुपए



की लागत से नवंबर 2023 में दरभंगा सहरसा जाने वाली मुख्य सडक से पघारी होते हुए अधलायर तक जाने वाली मुख्य सड़क का उद्घाटन किया गया था। ये तस्वीर

वर्षीय पत्नी पुतुल कुमारी उर्फ

जो आप देख रहे हैं, यह इसी सड़क के पघारी गांव की है। जहां निमाणीधीन पुलिया निर्माण के कुछ ही दिनों में टूटने लगी है। इसको लेकर स्थानीय लोगों में काफी

रंजीत झा ने बताया कि कई बार इस बात की शिकायत अलग-अलग अधिकारी से की गई। लेकिन इसका समाधान निकालने कोई नहीं आया। इस पुल के निर्माण में गुणवत्ता से अधिकतर जगहों पर समझौता किया गया है। इससे सरकार का पैसा तो बर्बाद हो ही रहा है। यातायात की भी समुचित व्यवस्था नहीं हो रही है। इस मामले में पूछने पर संवेदक रामानंद सिंह ने बताया कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी।

बिजली के पोल से टकराई बाइक

में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना सोनो थाना क्षेत्र के सरधोडीह के पास की है। मृतकों की पहचान पैरा निवासी नियाज अंसारी(22) और हसनैन अंसारी (20) के तौर पर हुई है। जबिक घायल युवक

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक नियाज अंसारी दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। बकरीद में घर आया था। शनिवार को पूर्वा एक्सप्रेस पकडने के लिए तीनों एक ही बाइक से झाझा स्टेशन जा रहे थे। इस दौरान सरधोडीह में बाइक बिजली के पोल से टकरा गई। स्थानीय लोगों तीनों को पास के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां

डॉक्टरों ने नियाज को मृत घोषित कर

दिया। वहीं, दो युवकों को गंभीर

हालत में प्राथमिक उपचार के बाद

पटना रेफर कर दिया। इस बीच रास्ते

में ही हसनैन की मौत हो गई।

तुमको कैमरे के सामने मारेंगे कोई कुछ नहीं कर पाएगा

मेहराब अंसारी को गंभीर हालत में

पटना रेफर किया गया है। पुलिस ने



भोजपुर। के नारायणपुर थाना क्षेत्र पकड़ी टोला में 26 फरवरी को महिला को फंदे से लटका कर मार दिया गया था। हत्याकांड में नामजद सौतन रिंकी देवी को नारायणपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे जेल भेज दिया गया है। मृतका ने पति के अवैध संबंध का विरोध किया था। मामले में पुलिस ने पहले ही आरोपी पति धर्मेंद्र राम और ससुर राजेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। जिसने दो बच्ची की मां से दूसरी शादी की थी। मृतका नारायणपुर थाना क्षेत्र के पकड़ी टोला निवासी धर्मेंद्र राम की 28

ज्योति कुमारी के चाचा चंद्रमा राम ने नारायणपुर थाना में हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी कराई

ससुराल वालों ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। गड़हनी थाना क्षेत्र के नहसी गांव निवासी राम रतन राम ने अपनी बेटी पुतुल की शादी मड़नपुर गांव के पकड़ी टोला निवासी राजेंद्र राम के पुत्र धर्मेंद्र राम

से मई 2015 में कराई थी।

जमुई। की 19 साल की सोनल सिन्हा कोचिंग में 20 साल के कुंदन को दिल दे बैठी। घर से भागी और चिल्लाती रही। चीखती रही। छोड़



दौड़ती रही, लेकिन वो नहीं माना। हत्या के पहले कुंदन ने कहा कि तुमको कैमरे के सामने मारेंगे। इसके बाद वो सोनल को कैमरे के सामने ही ले गया और ताबड़तोड़ चाकू से 13 से ज्यादा वार किए। पढ़िए शुरूआत से एंड शनिवार

सुबह सोनल बहन प्रिया और अपने 2 साल के बेटे के साथ कल्याणपुर मोहल्ला स्थित शिव मंदिर पुजा करने आई। पुजा करने के बाद लौट रही थी तो महाराजगंज स्थित हनुमान मंदिर के पास कुंदन से मुलाकात हुई। कुंदन अपना बेटा



मांगने लगा। लेकिन, सोनल ने बच्चा देने से इनकार किया। इसके बाद कुंदन ने कहा, तुमको कैमरा के सामने मारेंगे। कोई कुछ नहीं कर सकेगा। फिर उसे खींचकर CCTV हमला किया। इससे पूरी घटना

CCTV में कैद हो गई। कुंदन मोहल्ले में दबंग इमेज वाला था। कई संगठनों से जुड़ा था और सोशल मीडिया पर बंदुक-तलवार के साथ वीडियो पोस्ट करता था। के पास लाया और 13 बार चाकू से लोगों से मारपीट करना, गाली-गलौज करना उसकी आदत थी। है।

करने लगा। कुंदन की पिटाई से परेशान होकर सोनल वापस अपने घर आ गई। शादी के करीब एक साल बाद मायके में उसने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद कुंदन अपना बेटा लेने के लिए सोनल पर दबाव बनाने लगा। कुंदन एक बार अपने 3 महीने के बेटे को छीनकर भी ले गया था, लेकिन पुलिस की हस्तक्षेप से सोनल ने बच्चा वापस ले लिया। करीब 2 साल से सोनल सब कुछ झेल रही थी। सोनल का 2 साल का बेटा डुग्गू अस्पताल में अपनी मौसी और नानी का पास घूमता रहा। उसे नहीं पता कि पिता ने मां की हत्या कर दी

सोनल पहले तो प्यार के लिए सब

कुछ नजर अंदाज करती रही।

लेकिन वो शादी के 2 महीने बाद

ही सोनल के साथ भी मारपीट

सौतन की हत्या करने वाली महिला गिरफ्तार



जाति की दीवार तोड़कर कुंदन से शादी कर ली। कुंदन और सोनल की कहानी 3 साल पहले 2021 में शुरू हुई। लव मैरिज, एक बच्चा और तलाक के केस के बीच सोनल के मर्डर के साथ इस लव स्टोरी का द एंड हो गया। सोनल अब इस दुनिया में नहीं है। 2 साल का बेटा मां को ढूंढ रहा है और कुंदन सलाखों के पीछे है। शनिवार को कुंदन अपने बेटे को लेने सोनल के पास गया था, उसने मना किया तो बीच सड़क 13 से ज्यादा बार चाकू गोदकर हत्या कर दी। वो

देने की गुहार लगाती रही, लेकिन

वो नहीं माना। पेट और कंधे से खून

बहता रहा। जान बचाने के लिए वो

टूटती सांसों पर राजनीति करने वालों को सिखाना होगा सबक

डा. रवीन्द्र अरजरिया

सत्ता के नशे की आदत में मदहोश हो चुके लोगों को किसी भी कीमत पर सिंहासन की दरकार होने लगी है। आदर्श, सिध्दान्त और मान्यता के मायने खोने लगे हैं। सरकार बनाने के लिए विरोधी विचारधाराओं के पोषक अब आपस में आलिंगनबध्द हो रहे हैं। पार्टियों के आधारभूत दर्शन से लेकर व्यवहारिक स्वरूप तक में परिवर्तन दिखने लगे हैं। सार्वजनिक मंचों से अतीत का संदर्भ लेकर कडी आलोचना करने वाले अब स्वार्थपूर्ति हेतु एक-दूसरे की शान में कसीदे पढ़ने लगते हैं ऐसे में पार्टी के पक्ष में मतदान कर चुके लोगों के पास स्वयं को कोसने के अलावा कोई चारा नहीं बचता।

श के लोकतंत्र की व्यवस्था का स्याह पक्ष प्रारम्भ हो चुका है। विधायिका की नींव में राजनैतिक दलों ने मट्ठा पिलाना शुरू कर दिया है। सत्ता, सिंहासन और सल्तनत के लोलिपों व्दारा न केवल परम्परागत मयादीयें ही तार-तार की जा रहीं हैं बल्कि स्वार्थपरिता की चरमसीमा पर बैठकर संविधान की आड में षडयंत्रकारी योजनाओं को भी अमली जामा पहनाया जा रहा है। कार्यपालिका के अनेक नौकरशाह निरंतर बेलगाम होते जा रहे हैं। नियम, कानून और अनुशासन की धज्जियां उडाने की होड सी लगी है। सरकार के सामने समस्यायें पैदा करने में महारत पाये वेतनभोगियों व्दारा अपनी मनमानियों, लापरवाहियों और अवैध उगाही पर पर्दा डालने के लिये दलगत कीचड उछालने के नये-नये तरीके सुझाये जा रहे हैं। ऐसे में कार्यपालिका और विधायिका के संयुक्त विशेषज्ञ व्दारा तो न्यायपालिका तक को धाराओं, अनुच्छेदों और व्यवस्थाओं में उलझाकर रख दिया है। उनकी पार्टी के सिपाहसालार अपने दायित्वों की पूर्ति के प्रयासों के स्थान पर समस्याओं का ढीकरा दूसरों के सिर पर फोडने में जुटे हैं। दिल्ली में विकराल होते जल संकट को निपटाने के लिए चिट्ठी-चिट्ठी खेल खेला जा रहा है। समस्या समाधान में देरी के लिए कभी उपराज्यपाल के सिर दोष मढा जाता है तो कभी हरियाणा सरकार को कोसा जाने लगता है। कभी केन्द्र को पहल न करने के लिये कटघरे में खडा किया जाता है तो कभी व्यवस्था के लिए विपक्ष पर अंगुली उठायी जाती है। इतना सब करने वाली आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने पंजाब राज्य की अपनी ही पार्टी की सरकार के साथ मिलकर व्यवहारिक समाधान निकालने में रुचि नहीं दिखाई। सियासी दावपेंचों के मध्य आम आदमी की जिन्दगी दांव पर लगाने वाले नेता धरने पर बैठकर अपने कर्तव्यों की इति मान लेते हैं जबकि हरियाणा सरकार व्दारा आंकडों के साथ दिल्ली की जलापूर्ति का वास्तविक स्वरूप प्रस्तुत किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर संवैधानिक व्यवस्था के लचीलेपन का फायदा उठाकर इस आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल जेल के अन्दर से दिल्ली की सरकार चला रहे हैं। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब आरोपी के रूप में सलाखों के पीछे पहुंचा व्यक्ति मुख्यमंत्री पद पर आसीन ही नहीं है बल्कि निरंतर



दिशा निर्देश भी जारी कर रहा है। राजनैतिक दलों के आपसी रसायन से घातक अम्लराज बनने की स्थिति निर्मित हो चली है जिसका उपयोग आम आवाम पर होना लगभग तय है। दिल्ली में गठबंधन के मंच पर समान विचारधारा का बन्दिस प्रस्तुत करने वाले पंजाब में अलग-अलग ढपली पर अलग-अलग राग अलापते रहे। कहीं प्रशंसा तो कहीं निंदा करने वालों की चालों से अल्पसंख्यक ही सबसे ज्यादा ठगे गये हैं। उनकी समझ में नहीं आ रहा है कि साम्प्रदायिकता का भय दिखाकर वोट लेने वाले अब कौन सी नई चाल चलने वाले हैं। वहीं दिल्ली के जल संकट को लम्बा खींचने हेतु राजनैतिक बयानबाजी करने, विपक्ष की सरकारों को कोसने और केन्द्र को घेरने का क्रमबध्द

सिलसिला शुरू हो गया है ताकि नागरिकों को विपक्षी दलों के विरोध में उत्तेजित किया जा सके। बैंगलोर, पना, मम्बई जैसे अनेक महानगरों में लम्बे समय से चल रही जल समस्या अब विकराल होती जा रही है मगर वहां की सरकारें अपने स्तर पर समाधान कर रहीं हैं। पानी का परेशानी से जुझ रहे अनेक महानगरों में दिसयों कोस दूर से जलापूर्ति हो रही है मगर फिर भी वहां के उत्तरदायी लोगों की स्वीकृति पर बहुमंजिला इमारतों का जंगल निरंतर बढता जा रहा है। औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रहीं हैं। बडे-बडे संस्थान खोले जा रहे हैं। आबादी का घनत्व विस्फोटक स्थिति तक पहुंचता जा रहा है। सैकडों फुट गहरे बोर अब हजार का आंकडा पार करने लगे हैं। निदयां को

बालू माफियों ने रेतस्थान बना दिया है। भयावह होती स्थिति की ओर से आंखें बंद करने वाले अनेक उत्तरदायी वेतनभगियों की नजर महीना पूरा होने के बाद केवल बैंक खाते में आने वाली मोटी तनख्वाय, मिलने वाली अन्य सुविधाओं और फर्जी बिलों के भुगतान पर ही टिकी रहती हैं। कार्यपालिका के ऐसे महारथियों से प्रशिक्षण प्राप्त कर-के विधायिका के अनेक चेहरे स्वयं के लाभ हेतु हमेशा विपक्ष पर दोष मढ़े? का सत्तासिध्द उपाय ही सझाते हैं। दायित्वबोध और कर्तव्यबोध के साथ-साथ अब तो राष्ट्रबोध तक अस्तित्वहीन होने की कगार पर पहुंच गया है। स्वार्थवाद के दलदल में आकण्ठ डूबे लोगों के लिए व्यक्तिवाद, परिवारवाद और स्वजनवाद ही सर्वोच्च होता जा रहा है। ईमानदार करदाताओं, अनुशासित नागरिकों और लोकतंत्र की आखिरी पायदान पर खडे लोगों के समर्पण को शारीरिक विलासता पर लुटाने वालों की नैतिकता पूरी तरह से मर चुकी है। टूटती सांसों पर राजनीति करने वालों को सिखाना होगा सबक अन्यथा वे निरीह की लाश पर भी चंदा वसूलने से नहीं चूकेंगे। सत्ता के नशे की आदत में मदहोश हो चुके लोगों को किसी भी कीमत पर सिंहासन की दरकार होने लगी है। आदर्श, सिध्दान्त और मान्यता के मायने खोने लगे हैं। सरकार बनाने के लिए विरोधी विचारधाराओं के पोषक अब आपस में आलिंगनबध्द हो रहे हैं। पार्टियों के आधारभूत दर्शन से लेकर व्यवहारिक स्वरूप तक में परिवर्तन दिखने लगे हैं। सार्वजनिक मंचों से अतीत का संदर्भ लेकर कडी आलोचना करने वाले अब स्वार्थपर्ति हेत एक-दूसरे की शान में कसीदे पढ़ने लगते हैं ऐसे में पार्टी के पक्ष में मतदान कर चुके लोगों के पास स्वयं को कोसने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। जनप्रतिनिधि बनने की पात्रता के स्थानीय मापदण्ड अब प्रतिभा, सेवा और समर्पण के हटकर ठेकेदारों की दम पर जागीर, वंश और अधिकार के रूप में परिवर्तित हो चुके हैं। ऐसे में अवसर मिलते ही प्रतीकात्मक विरोध करना नितांत आवश्यक है अन्यथा लोकतंत्र के लबादे में लिपटा चन्द परिवारों का राजदम्भ, अनियंत्रित होकर तानाशाही की परिभाषा बनकर हावी हो जायेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

संपादकीय

कश्मीर में चुनाव की बयार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जम्म्-कश्मीर के श्रीनगर में थे। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उनका कश्मीर का यह पहला दौरा है। आतंकी हमलों के बीच मोदी का कश्मीर दौरा काफी अहम माना जा रहा है। उन्होंने अपने भाषण में आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया। पिछले दिनों यहां लगातार चार आतंकी हमले हुए जिन्होंने सुरक्षा बलों और गृह मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को सबक सिखाने में हिचकिचाएंगे नहीं। लोक सभा का चुनाव यहां शांतिपूर्ण हुआ और लोगों ने उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया। जाहिर है इसके कारण मतदान प्रतिशत में भारी इजाफा हुआ। अलगाववादियों और आतंकवादियों को यह पसंद नहीं आया और उन्होंने एक के बाद एक हमले किए जिनमें तीर्थयात्री भी शामिल थे। वास्तव में आतंकी विश्व जनमत को संदेश देना चाहते थे कि कश्मीर में सबकुछ सामान्य नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार प्रदेश में लोक सभा के चुनाव हुए। इस चुनाव में लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए जिस उत्साह से घरों से बाहर निकले उससे प्रधानमंत्री मोदी भी उत्साहित हुए। उन्होंने कहा कि सबको बांटने वाले अनुच्छेद 370 की दीवार अब गिर चुकी है। वास्तव में 5 अगस्त, 2019 का ऐतिहासिक दिन कश्मीर और समूचे भारतवासियों के लिए बंदिशों से आजादी का दिन था। अब यहां पर्यटक बेखौफ होकर आ रहे हैं। युवा वर्ग अपने करियर के बारे में जागरूक हो गया है। अनुकूल वातावरण को देखकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रदेश में जब भी विधानसभा के चनाव होंगे और इस केंद्रशासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलेगा। उन्होंने कश्मीर के बारे में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नजरिये ह्यइंसानियत, जम्ह्रियत और कश्मीरियतह्न को याद करते हुए कहा कि इसे हम हकीकत में बदलते हुए देख रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव जल्द होंगे और लोकप्रिय सरकार का गठन होगा। लेकिन केंद्र सरकार को सतर्क रहना होगा क्योंकि आतंकवादी चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वहीं जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तुप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तप्ति और अतप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा।

इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है,

जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं : ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

पक्षियों पर भी काल की छाया



स तेजी से पृथ्वी पर जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है उसी तेजी से वनों का भी विनाश हो रहा है। और वनों के खत्म होने के साथ ही वन्य जीवों की अनेक प्रजातियां भी तेजी से विलुप्त होती जा रही है । कडवा सच तो यह है कि 50 वर्ष से भी कम समय में वन्य जीवो की संख्या 69 प्रतिशत तक कम हो गयी। वन्य जीवों के अस्तित्व पर आए संकट का एक अन्य कारण भी है आदमी के अविवेकपर्ण क्रियाकलाप। जिसमें पैसा कमाने की हवस के चलते वन्य जीवो को निर्ममता से मारकर उनके अंगों का अनेक प्रकार से उपयोग किया जाता है। प्राकृतिक आवासों के विनाश। फैलती सघन कृषि तथा तस्करों का शिकारियों के सम्मिलित प्रहार से परिंदों का अस्तित्व भी संकट में पड़ गया है। पिक्षयों के तस्करों व शिकारियों ने देश में पाई जाने वाली तकरीबन 1200

है । काबिलेगोर बात है कि दुनिया में 8600 पक्षियों की प्रजातियों में से 180 प्रजातियां ऐसी हैं।जो केवल भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाती है दुर्भाग्यवश इन पर ही सबसे ज्यादा खतरा मडरा रहा है।

कोयल की कुक, कौओं की कांव कांव, चिड़ियों की चहचहाहट, झींगुरों की झनकार, मेढकों की टर टर जंगली तोतों की नकल करती आवाजें बहुत जल्द ही अतीत का हिस्सा बन सकतीं हैं। दुनिया भर में पाई जाने वाली तोतों की तकरीबन 330 प्रजातियों में से प्रजातियों में से कई के अस्तित्व को मिटा कर रख दिया 🛮 100 से अधिक की जान संकट में है। सुंदर व 🗡 खरमोरे अभ्यारण में इन्हें संरक्षित किया जा रहा है

खुबसुरत प्रजाति कैरोलिना, परकीत विलुप्त हो गई है। हेसिथमेका व स्कारलेट मैका नामक प्रजातियां खतरे में है।कैरीलिंग तोता यात्री कबूतर।क्षुपी मुर्गी तथा पहाड़ी मैना इत्यादि तो बिल्कुल लुप्त हो चुके हैं। कुक्कुट सारस गिजदंत चोंच। कठफोड़वा। हवाई राजहंस आँद पक्षी प्रजातियां अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है ामध्य प्रदेश व राजस्थान के जंगलों में पाए जाने वाले खरमोर व भटुक कड़ी अंधा धुंध शिकार की वजह से लाल सची में आ गए हैं। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले

ालेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद भी केवल भारत में पाई जाने वाली दुर्लभ पक्षी प्रजाति की संख्या केवल 1500 से भी कम रह गई है। सोन चिरैया या गोड़ावन विश्व के दुर्लभतम पक्षियों में से एक है। दो दशक पहले तक इनकी संख्या मध्य प्रदेश के करैरा और घाटीगांव क्षेत्र में बहुत थी लेकिन खनन कार्य व वनों के कटने से इस प्रजाति का अस्तित्व समाप्ति की ओर है। हालांकि इस प्रजाति को संरक्षित करने के लिए करेरा और घाटीगांव में अभ्यारण बनाकर इन्हें संरक्षित करने का प्रयास किया गया था लेकिन अथक प्रयासों के बावजूद इनकी संख्या में इजाफा नहीं हो सका।

तमाम सारे पक्षियों की प्रजातियां जो शीतकाल में गर्म क्षेत्रों में प्रवास करती थी अब घटाते वनों और प्राकृतिक आवास के कारण समाप्ति के कगार पर है। दुर्लभ प्रजाति के पक्षी साइबेरियन सारस निरंतर घटती जॉ रहा रहीं हैं। यही नहीं बंगाल फ्लोरिंकन सफेद कौआ। डोडो व हिमालय क्षेत्र के अनेक परिंदों का अस्तित्व अंधाधुंध शिकार की वजह से मिट गया है। हालात यह है कि सुबह चिड़ियों की चहचहाहट।शाम को कीड़े मकोड़ों के शोर से लेकर रात में सिंहों की दहाड़, सियार, लोमड़ी की आवाजें कम हो रही है।

इसी तरह राष्ट्रीय पक्षी मोर भी अब मांस के लिए बड़ी संख्या में मारा जा रहा है हालात यही रहे तो आने वाली पीढी बहुत सारे वन्य जीवों का दीदार करने से वंचित

यह है कानून का राज : हम कब करेंगे आत्मावलोकन?

ट्विट्जरलैंड की एक अदालत ने ब्रिटेन के सबसे अमीर भारतीयों में गिने जाने वाले भारतीय मूल के हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को अपने नौकरों के शोषण के मामले में दोषी करार देते हुए उन्हें चार से साढ़े चार वर्ष तक की कारागार की सजा सुनाई है। स्विस प्रशासन इस परिवार द्वारा अपने नौकरों का शोषण किये जाने पर गत 6 वर्षों से नजर रख रहा था। हिंदजा परिवार के सदस्यों पर आरोप है कि उन्होंने अपने जेनेवा स्थित बंगले में काम करने के लिए भारत से कामगारों को बुलाया और उनका शोषण किया। इस परिवार पर मानव तस्करी के भी आरोप हैं। हिंदुजा परिवार ने अपने नौकरों के पासपोर्ट जब्त कर लिये थे और उन्हें न्यूनतम से भी कम मजदरी दे रहे थे। साथ ही इन कामगारों के बाहर निकलने व कहीं आने-जाने पर भी हिंदुजा परिवार की ओर से पूरी रोक लगी हुई थी। सरकारी वकील के मुताबिक हिंदुजा परिवार अपने एक कुत्ते पर एक नौकरों से ज्यादा पैसे खर्चकरता था।'' मिसाल के तौर पर इस परिवार ने एक नौकरानी जो एक दिन में 18 घंटे काम करती थी उसे तो केवल 7 पाउंड मिलते थे। जबिक स्विस कानून के अनुसार कर्मचारियों को इसके लिए कम से कम 70 पाउंड का भुगतान किया जाना चाहिए था। परन्तु यही परिवार अपने एक कुत्ते के रखरखाव और खाने पर सालाना 10 हजार अमेरिकी डॉलर खर्च करता था। कई नौकरों को बिना छुट्टी के पूरे सप्ताह काम करना होता था। उन्हें वेतन भी स्विस करेंसी यानी फ्रैंक्स में देने के बजाय भारतीय रुपये में दिया जाता था। हालाँकि यह अदालती फैसला आने के एक सप्ताह पहले हिंदुजा परिवार ने भारी रकम चुकाकर तीन पीड़ित कामगारों से अदालत के बाहर समझौता भी किया था। गौर तलब है कि मूल रूप से भारतीय, हिंदुजा परिवार का लगभग 47 बिलियन डॉलर का कारोबारी साम्राज्य है। हिंदुजा समूह का निवेश मुख्यतः कंस्ट्रक्शन,होटल, कपड़े, ऑटोमोबाइल, ऑयल, बैंकिंग और फाइनेंस जैसे क्षेत्र में है। ब्रिटेन में हिंदुजा परिवार की अनेक बहुमूल्य इमारतें भी हैं। जेनेवा के इस अदालती फैसले ने एक बात तो साबित कर ही दी है कि स्विट्जरलैंड में न केवल कानून का राज है बल्कि वहां का कानून इस

बात की भी परवाह नहीं करता कि आरोपी कितना



अमीर व कितना रसुखदार है। साथ ही यह भी कि शोषित व पीड़ित वर्ग का व्यक्ति कितना ही गरीब व असहाय क्यों न हो मानवाधिकारों का पक्षधर वहां का कानून उसके साथ है।

अब जरा इसी अदालती फैसले के सन्दर्भ में हम अपने देश के वास्तविक हालात का भी आंकलन करें। भारत सरकार द्वारा बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के अनुच्छेद 24 के अनुसार कारखानों, खदानों एवं जोखिम भरे कार्यों में किसी बालक, जिसकी आयु 14 वर्ष से कम हो, नहीं लगाया जायेगा। हमारे देश में बाल संरक्षण कानून के अतिरिक्त विस्तृत श्रम कानून भी बने हुये हैं। इन कानूनों की पालना व इन्हें लागू करवाने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर बाकायदा विभाग हैं,विशेष अदालते हैं। गोया पूरी मशीनरी श्रम व बाल संरक्षण हेतु दिखाई देती है जिनपर सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च भी होते हैं। परन्तु इन सब के बावजूद धरातलीय स्थिति क्या है यह कौन नहीं जानता। मुख्य मार्ग के ढाबों से लेकर मंत्रियों सांसदों विधायकों व अधिकारियों के घरों तक में श्रम व बाल संरक्षण कानुन की धज्जियाँ उडती देखी जा सकती हैं। मजदूरों की तो बात छोड़िये अनेक निजी स्कूल्स तक में अधयापकों व अध्यापिकाओं को वेतन कुछ दिया जाता है तो रजिस्टर में दस्तखत अधिक धनराशि

लिखकर कराई जाती है। हद तो यह है कि बंधुआ मजदूरी कानून बने होने के बावजूद अभी भी ठेकेदारी प्रथा के तहत तमाम बंधुआ मजदूर काम करते मिल जायँगे जिन्हें ठेकेदार अपनी मनमानी रकम देकर उनसे 8 से 12 घंटे तक काम करवाता है। ईंट के भट्टों से लेकर सड़क व भवन निर्माण क्षेत्र में भी ऐसे तमाम

मजदूर काम करते देखे जा सकते हैं। अपने देश में 'कानून का राज 'कितना कायम है यह देखने के लिये आपको दर्जनों ऐसे उदाहरण मिल जायेंगे जबिक किसी जघन्य अपराधी ने सत्ता में आने के बाद अपने ही ऊपर चल रहे आपरधिक मुकददमों को ही वापस ले लिया। यह उदाहरण भी मिलेगा कि सत्ता के करीबी व्यक्ति पर चलने वाला दंगे,फसाद,बलात्कार व हत्या तक का मुकददमा सरकार द्वारा वापस ले लिया गया। कई बार देश के बड़े बड़े कानूनविद यहाँ तक कि अनेक पूर्व न्यायाधीश यह कह चुके हैं कि देश की जेलें आमतौर पर ऐसे गरीब व असहाय लोगों से भरी पड़ी हैं जो आर्थिक रूप से गरीब हैं और लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ पाने में असमर्थ हैं। भारत में अभी पिछले दिनों हुआ बहुचर्चित पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट मामला भी एक बड़ा उदाहरण है जिसमें दो इंजीनियरों को कुचल दिया गया था। इस मामले में नाबालिंग चालक ने दावा किया था कि

दुर्घटना के समय उसका ड्राइवर कार चला रहा था। लेकिन जांच में उसका यह बयान झुठा निकला। यहाँ भी पैसे और रसूख के बल पर वह अपने ड्राइवर को पैसों के एवज में जेल भेजकर स्वयं को बचाना चाह रहा था परन्तु चूँकि मीडिया ने इस मामले को तूल दे दिया था और कार का रजिस्ट्रेशन भी नहीं था,उधर कुचले गए दो व्यक्ति भी इंजीनियर थे इसलिये जाँच निष्पक्ष करनी पड़ी और रसुखदारों की साजिश धरी रह गयी। परन्तु उनका यह दुस्साहस स्वयं यह बताता है कि भारत में ऐसा संभव है कि रसूखदार स्वयं को बचने के लिये अपने ड्राइवर या नौकर को आगे कर

देते हैं। याद कीजिये फरवरी 2022 में जब सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने कहा था कि- 'जवाहर लाल नेहरू का भारत ऐसा बन गया है जहां मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में लगभग आधे सांसदों के खिलाफ बलात्कार और हत्या के आरोप लंबित हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि इनमें से कई आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। ' उस समय प्रधानमंत्री ली सीन लूंग द्वारा भारतीय सांसदों को लेकर दिए बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय ने आपत्ति भी जताई थी। परन्तु क्या हम इस सवाल से बच सकते हैं कि विदेशी सांसदों में भारत के बारे में ऐसी शर्मनाक टिप्पणियों की नौबत ही क्यों आती है? क्या पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश और दुनिया ने यह नहीं देखा कि किस तरह विपक्षी दलों के नेताओं यहाँ तक कि मुख्यमंत्रियों तक को भ्रष्टाचार के मामलों में निशाना बनाते हुये उन्हें जेल भेजा गया,अनेक नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापेमारियां की गयीं। परन्तु जब वही अपराधी सत्ता की शरण में चला गया तो उसे मंत्री या सांसद बनाकर महिमामंडित किया गया? ऐसी सरकार व उसके अंतर्गत चलने वाले शासन प्रशासन से आखिर कानून का राज स्थापित होने की हम क्या उम्मीद कर सकते हैं? हिंदुजा परिवार को लेकर स्विट्जरलैंड की अदालत से आया फैसला क्या हमें यह सोचने के लिये मजबूर नहीं करता कि अपने देश में कानून का राज स्थापित करने को लेकर आखिर हम कब आत्मावलोकन करेंगे?

-तनवीर जाफरी

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why Delhi is shaken and stirred

PRIME Minister Narendra Modi's stranglehold on politics and the BJP's Hindutva citadel have been both shaken and stirred by the recent election results, and the coming monsoon session of the 18th Lok Sabha will surely be a teaser of things to come. But in the great game that is being played out in the rest of the world, in which the US, Russia and China remain key poles, it will be interesting to see how these countries respond to India's assertion that it is a stabilising power in a chaotic region. First things first. Earlier this week, National Security Adviser (NSA) Ajit Doval the powerful 79-year-old former intelligence chief, now in his third term as NSA — and his US counterpart, Jake Sullivan, met in New Delhi to underline the importance of the transfer of critical technologies from the US to India.

The important thing about this meeting, however, is the one that happened before the delegation-level talks — when Doval and Sullivan met without aides, without note-takers or anyone else in the room, for at least 30-40 minutes. For sure, there would have been recording devices embedded in the lamp-base or behind expensive art work — we all know this from the James Bond movies we are addicted to — and both would have later related the key points of their conversation to their respective officers.But make no mistake. No conversation on critical technologies, known as iCET, or the call on PM Modi or the half-hour 'chai pe charcha' between Sullivan and External Affairs Minister S Jaishankar would have been as important as this one (note that Kurt Campbell, the US Deputy Secretary of State and America's top diplomat on China, was also in town).

And that is because when all the bells and whistles recede into the background — including the fine dining at Delhi's beautifully appointed Hyderabad House, the venue for all diplomatic engagements at the highest level — it is the exercise of hard power that courteously asserts itself.Some of that conversation definitely revolved around India's alleged attempt to kill Gurpatwant Singh Pannun, a pro-Khalistan activist in New York. According to the US indictment, Indian national Nikhil Gupta whom the Czechs gave up to the Americans even as Doval and Sullivan talked in Delhi — was allegedly hired by a co-conspirator called 'CC-1', whom The Washington Post recently revealed to be an official of India's external intelligence agency, R&AW, by the name of Vikram Yadav.

We know all this by now. We also know that the Indians, in an attempt to mollify the Americans when the smelly garbage was hitting the fan repatriated Yadav to his parent cadre, the CRPF. He is now believed to be back in Chhattisgarh, allegedly swatting both flies and would-be Maoists. The alleged hit job was supposed to have been undertaken exactly a year ago, on June 22 of course, it was foiled by the Americans, which is how Pannun is still alive, probably chomping on bagels-and-cheese or even aloo ka paratha back home in New York. In the recent Lok Sabha elections, he was reduced to sending Punjabi voice notes urging people to support Sikh radicals like Amritpal Singh; sure, he won from Khadoor Sahib, but that had far more to do with Punjab's forever angst against Delhi, rather than any persuaded emotions of separatism. The point is, dead or alive, Pannun is irrelevant.

Sullivan and Doval would have gone all over this, in their own way. Doval is not the type to apologise no self-respecting intelligence officer ever does, and why should he, pray — but all sides know that in this high-stakes game in which all nations measure one another up for brains, brawn and potential, India is a quarter of a step down

But the Indians also have a long memory. There is the matter of Rabinder Singh, the R&AW agent who was exfiltrated by the Americans in 2004. No one in Delhi has quite forgotten how he was smuggled out, via Nepal, even though both countries had, by then, sworn to be 'natural allies'. Those of you who are spy movie addicts should watch Vishal Bhardwaj's Khufiya today, if you haven't already — and know that the real story is dirtier, sadder and far less glamorous.

The govt must commit itself to undoing injustice

Reparative justice demands that the balance between social groups be re-established, relationships repaired and fraternity rebuilt.

THE first International Congress of Writers for the Defence of Culture was held in Paris from June 21 to 25, 1935. Writers aligned with the Left, surrealists, the avant-garde, liberals and pacifists denounced the rising tide of fascism in Europe before an audience of thousands. The speakers were 'engaged writers'—those who believe that art and politics go hand in hand and that one cannot exist without the other. Held at the Palais de Mutualite, a traditional meeting site for the Left Bank and progressive intellectuals, the conference was swamped by Parisians. This was the same city that had witnessed anti-Semitism during the Dreyfus affair in the late 19th century.By the 1930s, political solidarity among intellectuals could no longer be confined to cafes of radical neighbourhoods. Anxiety over fascism in Europe produced international solidarity. André Gide, a famous French writer and winner of the Nobel Prize for literature in 1947, memorably said that each one of them had a "right to inspect his neighbour's territory".

In 1948, the Universal Declaration of Human Rights delivered the same message. When regimes violate the basic rights of a section of their citizens, other states and international agencies have the "right to inspect their territory". In effect, the declaration legitimised concern for the rights of all people, even if they live in faraway lands. Rights are universal. Intellectuals, wherever they may be, must speak up against fascism and the harm it causes to vulnerable groups. Over the past decade, a number of international organisations have reported that the authorities in India have violated the rights of The leadership and the cadres of the ruling party should minorities, jailed civil liberty activists and journalists and suppressed civil society. In September last year, the United Nations Special Rapporteur on Minority Issues described the deteriorating rights situation in India as 'massive, systematic and dangerous'. At a meeting of the US Commission on International Religious Freedom, the rapporteur, Fernand de Varennes, stated that India risked becoming one of the world's main generators of instability, atrocities and violence. He described the massive scale of violations and abuses that targeted Muslims, Sikhs and Christians as symptomatic of religious nationalism. He especially referred to major violations of basic rights in Manipur, particularly the degrading treatment meted out to two women from the Christian Kuki community. Numerous human rights organisations have expressed concern about hate speech against Muslims, the destruction of their properties and the fundamentally discriminatory Citizenship Amendment Act. The Human Rights Watch, in its World Report 2024, stated that India had undermined its aspirations for world leadership as a rights-respecting democracy with persistent policies that discriminated against and stigmatised religious minorities. We find



more of the same in other reports that assert a legitimate right to "inspect their neighbour's territory" to identify

injustice. learn a lesson from its diminished mandate in the recent General Election. Hopefully, the government will launch a project of reparative justice to right the wrongs committed in the past 10 years in the name of Hindu nationalism. Reparative or corrective justice is different from the principle of redistributive justice. Redistributive justice is a norm that governs the fair allocation of resources in a society. Reparative justice concentrates on the harm done to citizens — violation of physical integrity through lynching and murder and affronts to human dignity caused through slurs and hate speech — and tries to rectify the wrongs. This avatar of justice identifies the offender as well as the person or group that has been harmed. The offender in this case is the government, which inflicted harm through the indiscriminate imprisonment of dissenters and condoned violence unleashed on citizens. The concept establishes a relatioship between power elites who harm or tolerate harm and those who have been harmed. It focuses on the restoration of justice in a society that is composed of many social groups, many of whom are extremely vulnerable to majoritarianism. The logic of reparative justice is to repair the harm done to the minds and bodies

of citizens. Reparative justice is, thus, the conceptual companion of redistributive justice. In the case of the former, the government accepts responsibility for past wrongs done for morally arbitrary reasons.

Throughout history, many regimes have apologised for the harm done. But an apology is not enough. An erring government has to commit that these harms will not be repeated and that the dignity and physical integrity of all citizens will be respected. Reparative justice demands that the balance between social groups, fragile at best, be re-established, relationships repaired and fraternity rebuilt. This is important because, as BR Ambedkar told the Constituent Assembly on November 25, 1949, liberty, equality and fraternity "form a union of trinity in the sense that to divorce one from the other is to defeat the very purpose of democracy... Without fraternity, liberty and equality would not become a natural course of things. It would require a constable to enforce them." Indian society, he said, lacks fraternity: "What does fraternity mean? Fraternity means a sense of common brotherhood of all Indians — of Indians being one people. It is the principle which gives unity and solidarity to social life." The results of the General Election have resoundingly established that the people of India do not want this trinity to be disturbed. The NDA government has to understand the popular mood and launch the project of reparative justice.

Child labour

Madhya Pradesh case a wake-up call

ΓHE harrowing case of child labour that has come to light in Raisen district of Madhya Pradesh is a wake-up call. As many as 58 minors, including 19 girls, were found working in appalling conditions at a liquor factory by a team of the National Commission for Protection of Child Rights (NCPCR) last week. Many had sustained terrible chemical burns. Now, 39 of those rescued have gone missing. The NCPCR chairperson says the case involves not just child labour, but also human trafficking. Ouestions are being raised about gross negligence and the collusion of corrupt officials. The regulatory bodies are under the scanner. Stringent action against the factory owners is a must. Any laxity will reinforce the perception that tackling child

labour is low on the state's priority list, and that the rule of law can easily be subverted.

According to the International Labour Organisation, more

than 16 crore children are working as child labourers globally, and the number is only going up. Cases of human

trafficking have seen a rise since the Covid-19 pandemic. Vulnerable families were further pushed into poverty and a large number of children dropped out of school, exacerbating the risk. The data also points to an increasing number of children being subjected to abuse and violence. Child labour and trafficking are organised crime. The Raisen case is a reminder that efforts must be redoubled to rein in the perpetrators. Rehabilitation of the children remains an underserved aspect.

radicating child labour should be a shared moral responsibility of civil society, businesses and governments alike. In India, 11 per cent of the workforce is said to be underage. Child labour laws have proven to be ineffective. Whatever the justification

that is offered, the moral quotient is entirely absent from the social sanction to child labour in the country.

Judiciary-military discord worsening in Pakistan

It is the competition for Australia's rare earths, which are important for electric vehicles and renewable energy, which draws the most Chinese interest.

DESPITE the tabling of a forward-looking, even tough budget designed to satisfy the International Monetary Fund and conclude a staff-level agreement for Pakistan's next aid tranche by July, the Shehbaz Sharif government is looking increasingly insecure and lacklustre in its dayto-day functioning. After the Supreme Court advised incarcerated former Prime Minister Imran Khan to seek avenues for political negotiations, he has resorted to the devious stratagem of pushing in Pashtunkhwa Milli Awami Party veteran Mahmood Khan Achakzai to be his frontman for any possible contact with either President Asif Ali Zardari or the Sharif brothers. These negotiations are going nowhere as Imran has told the sizeable contingent of Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI) legislators to continue agitating for the restoration of the February 8 electoral mandate. They are threatening street protests, with possible roping in of disgruntled Jamiat Ulema-e-Islam (JuI-F) cadres of Maulana Fazlur-Rehman. The Pakistan People's Party (PPP), while supporting the Pakistan Muslim League (Nawaz) from the outside, has expressed unhappiness at not being consulted in the budget formulation. It has been demanding space in the provincial government in Punjab, but Chief Minister Maryam Nawaz seems to be in no mood to oblige.

Meanwhile, ever since six judges of the Islamabad High Court wrote a letter to the Supreme Judicial Council (SJC) in March this year, alleging interference and intimidation by Pakistan's omnipotent Inter-Services Intelligence (ISI), the judiciary has been up in arms to rid itself of the age-old taint of being a handmaiden of the military establishment. Partly, this bravado stems from support among the younger judges for deposed PTI leader Imran's populist narrative.

The Army leadership has been disapproving of these moves. Addressing a passing-out parade at Pakistan Air Force's Risalpur Academy on May 2, Army Chief Gen Syed Asim Munir observed that the army was "well aware of its constitutional limits" and "expected others



to prioritise the Constitution as well". On May 7, as the anniversary of last year's 'Black Day' violence (May 9) approached, the Inter-Services Public Relations (ISPR) clarified that any dialogue with the PTI could happen only if it "earnestly apologises publicly in front of the nation", promises to adopt "constructive politics" and forgoes "politics of anarchy". After the May 29 Formation Commanders' Conference, the ISPR reiterated that without bringing the planners, perpetrators, abettors and facilitators of the May 9, 2023, violence to justice, there would be no stability in the country. It noted with concern that politically motivated and vested digital terrorism unleashed by 'conspirators' (read Imran's troll bands) was inducing despondency and discord among national institutions, especially the armed forces, which would not be tolerated.

Despite these warnings, the courts have been ruling in favour of Imran, holding the procedures and haste employed to imprison him before the February 8 elections violative of natural justice. His indictment in the cipher leaks case was struck down. All these cases have been appealed against. A seven-member larger Bench of the Supreme Court led by CJ Qazi Faez Isa is hearing a suo motu case regarding agency interference in judicial functions. No hearings have been scheduled in the past couple of months. Another CJ Isa-led Division Bench is set to hear the Election Commission of Pakistan's (ECP) petition challenging the Lahore High Court's decision to appoint six more tribunals to settle election disputes in Punjab.

Sargodha Anti-Terrorism Court judge Muhammad Abbas has complained to the Lahore High Court Chief Justice, Malik Shahzad Ahmed Khan, about the alleged role of the ISI in damaging water and electricity meters outside his house. CJ Ahmed Khan, whose elevation to the Supreme Court was announced only recently, has issued showcause notices to police officials concerned. He did not hesitate to profess at a public gathering in Islamabad recently that the days of 'agency intimidation of judges' would soon be a thing of the past. He was summoned before the Supreme Court Chief Justice a few days later

for a possible admonition. 'he Election Commission's decision not to assign reserved seats of the National Assembly to the Sunni Ittehad Council, to which elected PTI legislators now adhere, was upheld by the Peshawar High Court, but it has been challenged by the PTI in the Supreme Court. Deliberations by a full court Bench there have remained inconclusive. If the SC upholds the ECP's decision, reserved seats in Parliament and provincial legislatures will be allocated to the ruling parties and the JUI-F, enabling the government to pursue constitutional amendments. Reports are rife about the government planning to extend the tenure of the Supreme Court CJ and other judges by two years.

sa's term of office as CJ lasts up to October 25. Ascending to this post has not been without travails for him as he had to face references against his integrity before the SJC, brought at the behest of Imran, prodded perhaps by military leaders of the day (Gen Qamar Javed Bajwa and then Director General, ISI, Lt Gen Faiz Hameed). His January 13 ruling, depriving the PTI of its election symbol (cricket bat), has also been under adverse public scrutiny. He has been responding in a restrained manner to all this venting of ire against the agencies by judges from lower courts. After the Eid vacation, all eyes will be on how the Supreme Court deals with these cases, which could have significant implications for Pakistan politics.

Mcap of Three of Top-10 Most Valued Firms Jumps Rs 1.06 Lakh Crore; HDFC Bank, ICICI Bank Shine

New Delhi: The combined market valuation of three of the top-10 most valued firms jumped Rs 1,06,125.98 crore in holiday-shortened last week, with HDFC Bank and ICICI Bank emerging as the biggest gainers. Last week, the BSE benchmark Sensex climbed 217.13 points or 0.28 per cent. While HDFC Bank, ICICI Bank and Infosys were the gainers from the top-10 pack, Reliance Industries, Tata Consultancy Services (TCS), Bharti Airtel, State Bank of India, Life Insurance Corporation of India (LIC), Hindustan Unilever and ITC faced a combined erosion to the tune of Rs 1,01,769.1 crore. The market capitalisation (mcap) of HDFC Bank zoomed Rs 52,091.56 crore to Rs 12,67,056.69 crore. ICICI Bank added Rs 36,118.99 crore taking its valuation to Rs 8,13,914.89 crore. The mcap of Infosys climbed Rs 17,915.43 crore to Rs 6,35,945.80 crore.

However, the market valuation of Reliance Industries tumbled Rs 32,271.31 crore to Rs 19,66,686.57 crore. LIC lost Rs 27,260.74 crore from its mcap which stood at Rs 6,47,616.51 crore. ITC's valuation eroded by Rs 14,357.43 crore to Rs 5,23,858.91 crore and that of Hindustan Unilever dropped by Rs 8,904.95 crore to Rs 5,73,617.46 crore. The mcap of TCS tanked by Rs 8,321.6 crore to Rs 13,78,111.45 crore and that of Bharti Airtel diminished by Rs 7,261.72 crore to Rs 8,04,262.65 crore.State Bank of India's valuation declined by Rs 3,391.35 crore to Rs 7,46,454.54 crore.

In the ranking of the most valued firms, Reliance Industries retained the number one place followed by TCS, HDFC Bank, ICICI Bank, Bharti Airtel, State Bank of India, LIC, Infosys, Hindustan Unilever and

CNG Price Hiked By Re 1 Per Kg in Delhi, Noida, Greater Noida, Ghaziabad

NEW DELHI.CNG prices in Delhi and adjoining cities have been hiked by Re 1 per kg following a fall in the supply of subsidised input natural gas. After the latest hike, CNG in New Delhi will now cost Rs 75.09 per kg, up from the previous rate of Rs 74.09. In Noida, Greater Noida, and Ghaziabad, the price has increased to Rs 79.70 per kg from Rs 78.70 per kg.Indraprastha Gas Ltd, the firm that retails CNG automobiles and piped cooking gas to households in Delhi and adjoining cities, announced the hike in rates on Saturday on its website. There, however, was no change in piped cooking gas

IGL did not give reasons for the increase but sources said the hike was warranted because the firm now has to buy more imported gas following a drop in domestic supplies. Natural gas pumped out of the ground and seabed is turned into CNG for running automobiles. But supplies from ONGC's domestic fields have not kept pace with the CNG demand. Gas from ONGC fields make up for 66-67 per cent of CNG demand of IGL. The rest has to be imported. Domestic gas supplies are prioritized for piped cooking gas purposes and so there is no hike in that segment, sources said. However, there has been no change in CNG prices in Gurugram, as it is serviced by a different company. Other city gas retailers have so far not announced any change in prices. In Ajmer, Pali, and Rajsamand in Rajasthan, CNG prices have been increased to Rs 82.94 per kg from Rs 81.94 per kg by IGL.CNG prices have also increased in Rewari, Haryana, as well as Meerut, Muzaffarnagar, and Shamli in Uttar Pradesh — towns serviced by IGL.

GST notices pending against less than 2% of taxpayers: FM Sitharaman

NEW DELHI: Union finance minister Nirmala Sitharaman said on Saturday that less than 2% of the nearly 59 lakh active taxpayers had pending notices under Central GST (CGST) Act, while asserting that govt wants to make life easier for the assessees."We want to reassure the assesses that our intent is to make their lives easier. Under CGST, notices are not being sent left, right and centre," she told the media. At the end of Dec, 1,14,939 assesses had been sent notices by CGST authorities.

The comments are aimed at clearing the air on repeated attacks by opposition on GST, which has been dubbed "Gabbar Singh Tax" by Rahul Gandhi. Officials suggested that several opposition-ruled states have been at the forefront of issuing notices and summons under the state laws.

In fact, a rush of notices by state authorities has been particularly troubling for large companies which have to register separately in each state. Consultants and companies routinely complain of "summons" being issued by state authorities on minor issues and several of them being asked to appear in person. Recently, Centre sought to put a check on the issue and issued detailed instructions to its officers that calling for information should not be called a "notice" or "summon" and all such communication should only be sent after it has been approved by senior officers of the department.

The FM has reassured that GST administration will be reconciliatory, which is very positive from the perspective of ease of doing business and will comfort investors. The steps taken by the GST Council today include several important and trade friendly measures and seek to bring certainty in the tax regime, reduce litigation and improve cash flows," said Pratik Jain, partner PwC India.

Govt officials said that in the last seven years, the overall direction of GST has been to lower the incidence of tax on consumers with products such as atta and honey exempted, while everyday items such as detergents, cosmetics and TV sets now attracting 18% tax instead of 28% pre-GST.

Beyond Nvidia: The search for Al's next breakthrough

TORONTO: For a few days, AI chip juggernaut Nvidia sat on the throne as the world's biggest company, but behind the its staggering success are questions on whether new entrants can stake a claim to the artificial intelligence bonanza. Nvidia, which makes the processors that are the only option to train generative AI's large language models, is now Big Tech's newest member and its stock market takeoff has lifted the whole sector.

Even tech's second rung on Wall Street has ridden on Nvidia's coattails with Oracle. Broadcom, HP and a spate of others seeing their stock valuations surge, despite sometimes shaky earnings.Amid the champagne popping, startups seeking the attention of Silicon Valley venture capitalists are being asked to innovate -but without a clear indication of where the next chapter of AI will be written. When it comes to generative AI, doubts persist on what exactly will be left for companies that are not existing model makers, a field dominated by Microsoft-backed OpenAI, Google and Anthropic. Most agree that competing with them head-on could be a fool's errand."I don't think that there's a great opportunity to start a foundational AI company at this point in time," said Mike Myer, founder and CEO of tech firm Quiq, at the Collision technology conference in Toronto. Some have tried to build applications that use or mimic the powers of the existing big models, but this

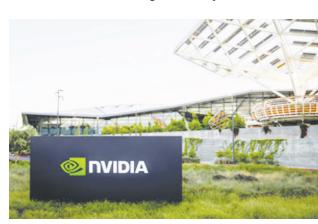
is being slapped down by Silicon Valley's biggest players. What I find disturbing is that people are not differentiating between those applications which are roadkill for the models as they progress in their capabilities, and those that are really adding value and will be here 10 years from now," said venture capital veteran Vinod

Won't keep up'The tough-talking Khosla is one of OpenAI's earliest investors."Grammarly won't keep up," Khosla predicted of the spelling and grammar checking app, and

others similar to it.He said these companies, which put only a "thin wrapper" around what the AI models can offer, are doomed.

One of the fields ripe for the taking is chip design, Khosla said, with AI demanding ever more specialized processors that provide highly specific powers."If you look across the chip history, we really

have for the most part focused on more general chips," Rebecca Parsons, CTO at tech consultancy Thoughtworks, told AFP.Providing more specialized



processing for the many demands of AI is an opportunity seized by Groq, a hot startup that has built chips for the deployment of AI as opposed to its training, or inference -- the specialty of Nvidia's world-dominating GPUs.

Groq CEO Jonathan Ross told AFP that Nvidia won't be the best at everything, even if they are uncontested for generative AI training."Nvidia and (its CEO) Jensen Huang are like Michael Jordan... the greatest of all time in basketball. But inference is baseball, and we try and forget the time where Michael

Jordan tried to play baseball and wasn't very good at it," he said. Another opportunity will come from highly specialized AI that will provide expertise and know-how based on proprietary data which won't be co-opted by voracious big tech."Open AI and Google aren't going to build a structural engineer. They're not going to build products like a primary care doctor or a mental health therapist," said Khosla.Profiting from highly specialized data is the basis of Cohere, another of Silicon Valley's hottest startups that

pitches specifically-made models to businesses that are skittish about AI veering out of their control."Enterprises are skeptical of technology, and they're risk-averse, and so we need to win their trust and to prove to them that there's a way to adopt this technology that's reliable, trustworthy and secure," Cohere CEO Aidan Gomez told AFP.

Gautam Adani Receives Rs 9.26 Crore Salary in FY24; Lower Than His Executives, Industry Peers

NEW DELHI: Gautam Adani, India's second richest person, received a total remuneration of Rs 9.26 crore for the financial year ending March 31, 2024. This compensation is notably lower than that of many industry peers and even some key executives within his own conglomerate. The details were disclosed in the annual reports of the 10 listed entities within his extensive ports-to-energy business empire.

While the richest Indian, RIL Chairman and Managing Director Mukesh Ambani has been foregoing his entire salary since COVID-19 broke out, prior to which he had capped his remuneration at Rs 15 crore, Adani's remuneration is much lower than telecom czar Sunil Bharti Mittal (Rs 16.7 crore in 2022-23), Rajiv Bajaj (Rs 53.7 crore), Pawan Munjal (Rs 80 crore), L&T Chairman S N Subrahmanyan and Infosys CEO Salil



S Parekh.Adani became the richest Asian in 2022 but lost that position after a damning report by US short-seller Hindenburg Research wiped out almost \$150 billion of market value of his group stock at its lowest point last year.Gautam Adani is ranked 14th on the world's richest list. Adani's younger brother Rajesh got Rs 8.37 crore, including Rs 4.71 crore commission on profit from AEL, while his nephew

Pranav Adani drew Rs 6.46 crore, including Rs 4.5 crore commission, the annual report showed.

Gautam Adani did not draw any commission from AEL but got Rs 5 crore from APSEZ. The remuneration from APSEZ included Rs 1.8 crore salary and Rs 5 crore commission that will be payable in 2024-25 fiscal, the company's annual report said. His son, Karan earned Rs 3.9 crore from APSEZ.Gautam Adani's brother, nephew and son did not draw salaries from more than one company. Vinay Prakash, key executive and director on AEL board, received a total remuneration of Rs 89.37 crore. Group CFO Jugeshinder Singh got Rs 9.45 crore salary. The group's renewable energy firm, Adani Green Energy Ltd CEO Vneet S Jaain was paid Rs 15.25 crore while Adani Total Gas Ltd (ATGL) CEO Suresh.

FPIs Infuse Rs 12,170 Crore in Equities in June on Hopes of Policy Reform Continuation, **Economic Growth**

NEW DELHI: Staging a strong comeback after general election results, foreign investors pumped Rs 12,170 crore in Indian equities so far in June, mainly driven by expectations of continued policy reforms and sustained economic growth. This came following a net withdrawal of Rs 25,586 crore from equities in May on poll jitters and more than Rs 8,700 crore in April amid concerns over a tweak in India's tax treaty with Mauritius and a sustained rise in US bond yields. With the latest investment, the total outflow now stood at Rs 11,194 crore so far in 2024 (till June 21), data with the depositories showed. Going ahead, Sunil Damania, Chief Investment Officer at MojoPMS, said foreign portfolio investors (FPIs) inflow will remain constrained due to the high valuations currently commanded by the Indian equity market.

FPIs had been waiting on the sidelines for the election results. So far in 2024, barring March (Rs 35,000 crore inflow), they have been pulling out from India."Though the general election results were sort of a surprise and resulted in a weaker than expected mandate, markets celebrated that yet again a stable government is formed and government continuity is maintained," Kislay Upadhyay, smallcase Manager and founder of FidelFolio, said.Further, business sentiment remained buoyant, and policy continuity added confidence to markets.Damania attributed three primary reasons for this positive inflow.

"First, the continuity of the government assures ongoing reforms. Second, the Chinese economy is decelerating, as evidenced by a 12 per cent decline in copper prices over the past

Third, certain block deals in the market have been eagerly taken up by FPIs," Damania said. However, these FPI inflows are concentrated in a select few stocks rather than being widespread across the market or sectors.

reasonably stable prices. Export Early trends in FPI activity in June indicate buying in financial services, telecom and realty and selling in FMCG, IT, metals and oil and gas, VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said. Additionally, FPIs invested Rs 10,575 crore in the debt market during the period under review, data

Centre buys 71,000 tons of onion for buffer stock; expects retail prices to ease with normal monsoon

NEW DELHI: The government has bought nearly 71,000 tonnes of onion so far this year for buffer stock, out of the total target of procuring 5 lakh tonnes for price stabilisation and it expects retail prices to ease with the progress of monsoon over most parts of the country. According to data compiled by the department of consumer affairs, the all-India average onion retail prices

stood at Rs 38.67 per kg on Friday, while the modal price was Rs 40 per kg. Till June 20th, the Centre has procured 70,987 tonnes of onion, as against 74,071 tonnes procured in the same period last year, a senior official in the department of consumer affairs said."The pace of onion procurement for price stabilisation buffer this year is largely comparable with last year, despite about 20 per cent decline in estimated rabi production," the official



said, adding that the government is on course to achieve targeted procurement of 5 lakh tonnes for price stabilisation.

he government will exercise the option of holding or releasing onions from the buffer in order to maintain stability in prices of onion, the official said. The procurement price is a dynamic one, linked to prevailing market prices.

The increase in prices of onion is on account of a shortfall in production in 2023-24 by about 20 per cent each in Kharif, late Kharif and Rabi, over the previous year due to less rains in major producing areas, the official explained.

To control prices, the government has been taking measures in a graded manner, from August last year starting with export duty of 40 per cent, followed by Minimum Export Price (MEP) of USD 800 per tonne in October, 2024 and imposition of export prohibition from December 8, 2023. These

measures have helped in maintaining domestic availability of onion at prohibition had been lifted from May 4, 2024 with MEP of USD 550 per tonne and 40 per cent export duty in view of substantial stability observed in major mandis like Lasalgaon, in Maharashtra and the prospect of good Kharif production on the back of abovenormal monsoon prediction this year.

with the depositories showed.

Who profits from the soaring price of cocoa?

PARIS: Though cocoa prices on the financial markets have soared, the rise is benefiting cocoa growers, bean processors, speculators and chocolatiers in unequal measure.In March, prices rocketed to more than \$10,000 a tonne in New York after a poor harvest in West Africa due to a combination of bad weather conditions and disease devastating ageing plantations. They have since fallen back from the peak, yet are still three times higher than last year. Wide gaps between producers

In Ivory Coast and Ghana, the world's largest cocoa producers, prices are set by the authorities in October on the basis of the previous months. But by that point the harvests "have already been largely presold", said Tancrede Voituriez of the French agricultural research and cooperation organisation CIRAD. This reduces the impact of cocoa price fluctuations -- whether upwards and downwards.As a result, small-scale producers, who generally earn barely enough to live on, did not immediately benefit from the surge. That said, the authorities raised the price of the intermediate crop in April by 50 percent to between \$2,300 and \$2,500 per tonne -

- a modest rise compared to what the

farmers could charge on the international exchanges. In countries with less regulated systems, such as Cameroon, Nigeria, Ecuador and Brazil, growers managed to pocket more from the trend.

There, farmers have been allwed to sell their beans to buyers willing to approach the prices paid on the financial markets.But that deregulated approach comes with risks of its own."Soaring prices have made production more attractive," David Gonzales, coordinator of the Peruvian Chamber of Coffee and Cocoa, told AFP. The fear is that there will be an excess of cocoa in three to five years' time -- the time needed for farmers hoping to cash in to grow new trees -causing prices to tumble back to earth.

Middlemen in the hunt

The major processors who grind the beans into butter, liquor or powder -- notably Switzerland's Barry Callebaut, America's Cargill, Singapore's Olam -- generally negotiate a large part of their supplies in advance.But some contracts have not been honoured, forcing them to scour for urgently needed cocoa at high cost and in some cases to slow down Mixed fortunes on the marketsCocoa production.Barry Callebaut reported in



early April that it had drawn more than usual from its cash reserves to finance bean purchases, but had enough cocoa on hand to meet demand.Other smaller intermediaries may find it difficult to advance the funds needed to adapt to the higher prices. Yet there is one group of middlemen who would have been delighted at the price rises.

"The smugglers would have done very nicely there," Steve Wateridge of commodity firm Tropical Research Services told AFP.He said black marketeers could have taken advantage of the system in Ivory Coast and Ghana by buying cocoa at slightly above the fixed prices and selling the beans on the open market in Togo, Guinea, Liberia or Sierra Leone.

prices have risen because supply has

fallen short of demand for the third year running, according to the International Cocoa Organization.Investment funds that sensed the changing wind bet on higher prices, pocketing a profit in the process.But from January onwards, prices became very erratic, even beyond the liking of funds with a taste for speculation.Many investors withdrew from the market altogether: the number of traded contracts fell from 334,000 in mid-January to 146,000 in April, according to Saxo Bank's Ole Hansen.

You can't blame the speculators for artificially inflating the prices,' Wateridge added.On the other hand, trading houses and chocolate makers tend to guard against price reversals by betting against the financial markets, in this case on falling prices. Many investors withdrew from the market altogether: the number of traded contracts fell from 334,000 in mid-January to 146,000 in April, according to Saxo Bank's Ole Hansen."You can't blame the speculators for artificially inflating the prices," Wateridge added.On the other hand, trading houses and chocolate makers tend to guard against price reversals by betting against the financial markets, in this case on falling prices.

First session of 18th Lok Sabha to begin today, PM Modi to take oath

New Delhi:The first session of the 18th Lok Sabha will begin on Monday, which will see newly-elected MPs, including Prime Minister Narendra Modi, taking the oath, followed by the election of Speaker and President Droupadi Murmu's address to a joint sitting of both the Houses. This will be the first Lok Sabha session after the general elections were held in April-June. In the 18th Lok Sabha, the NDA has a majority with 293 seats, with the BJP having 240 seats, short of the majority mark of 272. The Opposition INDIA bloc has 234 seats, with Congress accounting for 99.PM Modi and his Council of Ministers will take oath from 11 am onwards. After PM Modi takes oath, other Council of Ministers will take oath. Following this, the MPs from different states will take the oath in alphabetical order. This means that newly-elected parliamentarians from Assam will take oath and those from West Bengal will be the last

On Monday, 280 newly-elected MPs, including PM Modi and his Council of

Ministers, will take oath, while 264 newlyelected parliamentarians will take oath the next day (June 25). The row over the appointment of BJP leader and seven-term member Bhartruhari Mahtab as the pro tem Speaker is likely to cast a shadow over the session. The move has drawn flak from the Opposition, which alleged that the claim of Congress member Kodikunnil Suresh to the post was overlooked by the government.

Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju asserted that Mahtab has had seven uninterrupted terms as a Lok Sabha member, making him eligible for the post. Suresh lost elections in 1998 and 2004, which makes his current term the fourth straight one in the Lower House. Earlier, he was elected to the Lok Sabha in 1989, 1991, 1996 and 1999.On Monday, President Droupadi Murmu will administer the oath to Mahtab as the pro tem Speaker of the Lok Sabha at the Rashtrapati Bhawan, Mahtab will then reach Parliament and call the Lok Sabha to order at 11 am. The proceedings will begin with members observing a



first sitting of the 18th Lok Sabha. This will be followed by Lok Sabha Secretary General Utpal Kumar Singh placing the list of the members elected to the Lok Sabha on the table of the House.

moment of silence on the occasion of the Mahtab will then call upon Prime Minister Narendra Modi, the Leader of the Lok Sabha, to take oath as the member of the House.The pro tem speaker will then administer the oath to the panel of chairpersons appointed by the President to assist him in carrying out the House's proceedings till the Speaker's election on

The President has appointed Kodikunnil Suresh (Congress), TR Baalu (DMK), Radha Mohan Singh and Faggan Singh Kulaste (both BJP) and Sudip Bandyopadhyay (Trinamool Congress) to assist Mahtab in administering the oath/affirmation to the newly-elected members of the Lok Sabha. The election to the post of Lok Sabha Speaker will take place on June 26 and the Prime Minister will introduce his council of ministers to the House soon after. The President is scheduled to address the joint sitting of both houses of Parliament on June 27. The debate on the Motion of Thanks to the President's Address will begin on June 28. PM Modi is expected to respond to the debate on July 2 or 3.Both the Houses are expected to go into a brief recess and reassemble on July 22 for the presentation of the Union Budget.

Unhappy' with girls, Delhi family kills 2 newborns

NEW DELHI: In a shocking instance of female infanticide reported from the capital, two newborn female twins were allegedly murdered and buried by the family that was "unhappy" with the birth of girls. The infants were allegedly taken away from the mother by her husband and family members and killed.

After receiving a complaint, Delhi Police swung into action and got the bodies exhumed on judicial orders. It subsequently filed an FIR and was conducting raids to book the accused, sources said. The woman belongs to Rohtak in Haryana. According to the FIR, the woman got married in a family from outer Delhi's Pooth Kalan in 2022. She claimed that she was regularly harassed for dowry and the family wished her to give birth to a son. In fact, after the woman became pregnant, she was asked to go for a sex determination test which she refused, fearing the consequences. The woman recently gave birth to two girls, soon after which the husband's family came and took away the babies saying they would provide good care and treatment. When the woman recovered from her delivery and asked for the newborns, the family allegedly made excuses and later told her they had died of an illness

The woman and her family became suspicious and approached the cops. Police approached the subdivisional magistrate and got orders to exhume the bodies. An autopsy was conducted and legal action initiated on the basis of the medical team's report.

The case has vet again brought to the fore the issue of female infanticide in the country. Although infanticide has been criminalised in India, it remains an underreported crime due to various factors. While there is no reliable data, police are roped in only in a miniscule number of cases. Section 315 of the Indian Penal Code defines infanticide as the killing of an infant in the 0-1 year age group and is a cognisable and a non-bailable offence.

The section says, "Whoever before the birth of any child does any act with the intention thereby of preventing that child from being born alive or causing it to die after its birth, and does by such act prevent that child from being born alive, or causes it to die after its birth, shall, if such act be not caused in good faith for the purpose of saving the life of the mother, be punished with imprisonment of either description for a term which may extend to 10 years, or with fine, or with both."

13-year-old detained for Delhi airport bomb scare, sent threat 'just for fun'

New Delhi: A 13-year-old boy was detained for allegedly sending an email to Delhi's Indira Gandhi International Airport claiming a bomb was on a Dubai-bound flight, police said on Sunday.he boy admitted to sending the email "just for fun" after hearing about another teenager who made a similar hoax threat recently, according to Deputy Commissioner of Police (IGI Airport) Usha Rangnani. On June 17, Delhi Airport received a bomb threat email regarding a flight scheduled for Dubai on June 18. The airport was put on high alert, and emergency protocols were followed to ensure



passenger safety. The email was later determined to be a hoax. Investigators traced the email's origin to Pithoragarh, Uttarakhand, and apprehended the teen. The boy, a Class 9 student, told police he got the idea from social media reports of another child's hoax threat. He used a mobile phone provided for schoolwork to send the email and then deleted the email account. The boy said he feared telling his parents about the incident. The phone linked to the email was seized by police, and the boy was later released to his parents' custody. Earlier this month, an Air Canada flight en route to Toronto in Canada from Delhi received a bomb threat via email. Later, the police found out that a 13-year-old boy sent the mail from Meerut in Uttar Pradesh.

"Lady Don" Who Honey-Trapped Burger **King Victim Spotted At Rail Station**

New Delhi: The woman, who had said. As many as 38 bullets of three In another security camera footage. allegedly honey-trapped the 26-year-

old man killed in a shooting spree at a Delhi's Burger King outlet, was spotted at the Katra Railway Station on Thursday.nu, also known as "Lady Don" among her gang members, was seen carrying her luggage at the Katra railway station on Thursday in a security camera footage. She had covered her face with a scarf. Sources say she boarded a train bound for Mumbai at around 10 am on Thursday.Police sources say the woman - a close aide of fugitive gangster Himanshu Bhau - was part of the trap set up to lure Aman Joon to the Burger King outlet in Rajouri

Garden where he was murdered. Anu belongs to Haryana's Rohtak and has a criminal record. "Attempts are being made to track her down," police different makes were fired at Aman which was released earlier, Anu was seen sitting with Aman when

Joon inside the fast food outlet, the FIR says. The different bullets suggest that more than two weapons were used by the two shooters.

the gunmen opened fire.CCTV footage has shown that Anu took a train from GTB Nagar Metro Station to reach Rajouri Garden and after the murder, she took the metro from Rajouri Garden to Shakurpur Metro Aman's body was found behind

the billing counter, indicating that he tried to flee when the killers opened fire.Himanshu Bhau, suspected to be in Portugal now, has claimed responsibility for the murder in a social media post, calling it a "revenge killing".Himanshu Bhau, whose gang operates across Delhi and Haryana, is

notorious for extortion, the police officer said. Bhau, an associate of jailed gangster Neeraj Bawana, fled

Remembering Air India 'Kanishka' Bombing 39 Years Later: What Happened On June 23, 1985?

New Delhi: External Affairs Minister S. Jaishankar on Sunday paid tribute to the victims of the Air India Flight 182 'Kanishka' bombing, in which 329 people lost their lives almost four decades ago. The Montreal-New Delhi Air India 'Kanishka' Flight 182 exploded before it was slated to land at London's Heathrow Airport on June 23, 1985. The blast killed all 329 people on board, most of them Canadians of Indian descent. In a post on X, Jaishankar said, "The anniversary is a reminder why terrorism should never be tolerated."

WHAT HAPPENED ON JUNE 23, 1985

On June 23, 1985, Air India Flight 182, operating as 'Kanishka', was blown up by a bomb mid-air while en route from Montreal to London. The explosion claimed the lives of all 329 passengers and crew aboard, making it one of the deadliest terrorist attacks in Canada's history. The tragedy occurred 45 minutes before the aircraft was scheduled to land at London's Heathrow Airport.A bomb, concealed in a suitcase checked into cargo during a stopover in Vancouver, exploded above the Atlantic Ocean in Irish airspace. The explosion happened as Air India Flight 182 was cruising at an altitude of 31,000 feet. According to BBC, only 131 bodies were retrieved from the sea. Officers, Irish sailors and rescue workers look on as bodies the 329 victims of the Air India jumbo jet which crashed in the Atlantic Ocean are lined up on the docks in Cork, Ireland June 24, 1985. REUTERS/Rob Taggart (IRELAND)About an hour before Air India flight 182 was downed, a bomb detonated inside Tokyo's Narita airport terminal. The explosive had been placed in a bag and checked onto a Canadian Pacific Airlines flight from Vancouver, destined for Air India Flight 301 bound for Bangkok. The blast occurred during the transfer to the aircraft at Narita, resulting in the deaths of two Japanese baggage handlers. Investigations linked both bombings collectively termed the "Kanishka case."

WHO WAS RESPONSIBLE?

The bombing was attributed to Sikh extremists seeking retribution for "Operation Bluestar", a military operation by the Indian government aimed at flushing out militants from the Golden Temple in Amritsar, Punjab, in 1984. Members of the Sikh terrorist outfit Babbar Khalsa had targeted the flight.In the aftermath of the bombing, the Royal Canadian Mounted Police (RCMP) launched an extensive investigation, which has been described as one of the longest and most complex domestic terrorism probes in Canada's history. Investigations into the bombing of the Air India Flight 182 remain "active.

2 stabbed to death for 'revenge' in northwest Delhi

for a fight that occurred at a swimming pool eight days prior, a group went to attack another in northwest Deller T. northwest Delhi's Jailer Wala Bagh. However, the tables turned when they were attacked by their rivals, resulting in the fatal stabbing of two, including a juvenile. The deceased were identified as Vishal (19) and a 17-year-old boy, police said.

The stabbing took place around 10 pm on Saturday. "We received information around 11 pm, and a team from the local police station rushed to the spot. The victims were taken to the hospital, where both were declared dead," a police officer said.

During the investigation, police found that an argument had occurred between Vishal's friend and two men at



a swimming pool in Shalimar Bagh. "Both groups have been living in the vicinity and had frequent arguments over supremacy. The swimming pool fight was the trigger point," the oficer said.Around 9:30 pm, Vishal and his associates came to the area of other group to take revenge from two brothers who were involved in the swimming pool argument and an

groups, the officer said, adding, "The other party had more people, and they started beating their rivals". According to anotherpolice officer, Vishal and the 17-year-old boy, along with two or three of their friends, assaulted Anuj and his brother Suraj at their residence. Subsequently, Suraj summoned three or four of his friends, leading to clashes between them. This

altercation resulted in Vishal and the boy sustaining critical injuries, the officer said, adding that the rival group members stabbed Vishal and the boy approximately six to seven times each before fleeing the spot. A senior police officer said a case has been registered under relevant sections of the IPC and a few suspects have been rounded up. "They are being questioned about the

Poor Food, Lifestyle Choices Fuelling Cancer In Indians Under 40: Doctors

New Delhi: Poor lifestyle choices with regular consumption of ultra-processed food, and a sedentary lifestyle are increasing cancer cases among people under 40 years of age in India, said doctors on Sunday. Several factors are contributing to the rise in cancer cases among younger people in India. One of the primary reasons is increased consumption of processed foods, tobacco, and alcohol, sedentary lifestyles, obesity, and stress.

Environmental pollution is another critical factor.India's cities are plagued by high levels of pollution, which has been linked to various types of cancer. Air and water pollution expose individuals to carcinogenic substances, significantly increasing their cancer risk."Ultraprocessed foods and sedentary lifestyles are emerging as significant contributors to the rising cancer rates among young Indians."The high intake of these foods, laden with unhealthy additives, combined with physical inactivity, is creating a health crisis," Dr. Rahul Bhargava,



Director and head of the Department of Haematology and BMT at Fortis Memorial Research Institute told IANS."It's imperative to adopt healthier dietary habits and an active lifestyle to curb this alarming trend," he added.

According to a recent study by Cancer Mukt Bharat Foundation, a Delhi-based nonprofit foundation, 20 per cent of cancer cases in India are now being diagnosed in people below 40 years of age. The study shows that men constitute 60 per cent of these young cancer patients, while women make up the remaining 40 per cent. The gender disparity may be due to higher rates of tobacco use, occupational

exposure, and lifestyle choices among men in India."In our country, escalating rates of obesity, change in dietary habits, specifically the increase in consumption of ultra-processed food, and sedentary lifestyles are associated with higher cancer rates," said Dr. Ashish Gupta, principal investigator and senior oncologist at Unique Hospital Cancer Center, Delhi, told IANS. The doctors called for the urgent need for lifestyle interventions to combat the rising cancer rates among young Indians. Dr. Ashish, also heading Cancer Mukt Bharat Campaign in India, emphasised the importance of a "combined effort from the government, healthcare professionals, and the community to tackle the rising cancer rates among young adults"."Policies promoting clean air and water, regular physical activity, and access to nutritious food must be prioritised. Additionally, we must invest in better healthcare infrastructure to ensure timely diagnosis and treatment," he said.

2 Bihar men killed after their SUV veers off road in southern Nepal

Kathmandu Two Indians died in a road mishap in southern Nepal, police said here on Saturday. Tamanna Seikh, 35, and Irfan Alam, 21, both residents of East Champaran district of Bihar, were killed as the Scorpio jeep in which they were travelling fell down a hilly road in Chandranigahpur section along East West Highway. Four others were injured when the vehicle with Indian number plate met with the accident in Rautahat district of Southern Nepal on Friday evening.Jeep driver Sohel Amir, 22, was among those injured in the incident, and they are all undergoing treatment at a private hospital in Birgunj, police added.

1 dead, 7 injured after shooting at **US** nightclub

Louisville One person is dead and seven others were injured after a shooting at a Kentucky nightclub early Saturday morning, authorities say.Louisville Metro Police Department officials said they responded to a call of several people shot at the H20 nightclub in Louisville just before 1 am.One man, 40-year-old Joseph D Bowers of Indianapolis, was pronounced dead at the scene. Another adult was transported to UofL Hospital with gunshot wounds police believe to be "critical and life-threatening." Six other people transported themselves to area hospitals with injuries that were not life-threatening.

The Louisville Metro Police Department's Homicide Unit is investigating the case. There are currently no suspects."The relationship of the victims, if any, is not known at this time," police said in a statement later Saturday.

Cops stop US man attempting to drown his children at beach

West Heaven. A man trying to drown two small children at a Connecticut beach early Saturday morning was thwarted by police officers, according to authorities. An officer spotted an SUV parked on a beach in West Haven at about 2.30 a.m. and heard "significant screaming" from the water as he approached. As the officer entered the water, the man continued to drift further away with the two children while screaming, "Stay back!" according to a social media post by the West Haven Police Department. It had become obvious that the man "was deliberately drowning his children," according to the post.Responding officers went out nearly 100 yards (91 meters) from shore and were joined by other rescuers on a fire boat. The first officer to arrive was able to take the children and other officers helped get them to shore. Lifesaving measures were provided to the children and they were taken to a hospital, where they remained in intensive care on Saturday, according to police.

The man was in custody. It was not clear Saturday if he had an attorney."It is without a doubt the swift response by our patrol officers saved the lives of these children,' police said in the post.A call seeking information on possible charges and additional information was made

Yemen's Houthis claim attack on 4 ships at Israel's Haifa port

Cairo, UPDATED. Yemen's Houthis said early on Sunday that they had conducted a joint military operation with the Islamic Resistance in Iraq militant group, targeting four ships at Israel's northern Haifa port.CThe Houthi military spokesperson, Yahya Saree, said in a televised statement that the two groups launched a drone attack on two cement tankers and two cargo ships at the Haifa port on Saturday. He said the ships belonged to companies that "violated the ban on entering the ports of occupied Palestine". The Israeli military did not immediately comment, though it had previously denied a similar claim by the Houthis early this month.

Saree also said the Houthis had attacked the Shorthorn Express in the Mediterranean using drones as part of the group's campaign to disrupt shipping in key waterways, which they say is an act of solidarity with Palestinians in the Gaza war."The two operations successfully achieved their objectives, and the strikes were precise and direct," Saree said.

There was no independent confirmation of strikes, and Reuters could not verify the claims. The Iran-aligned Houthis first launched drone and missile strikes in shipping lanes in November. In dozens of attacks, they have sunk two vessels, seized another and killed at least

3 Alabama men dead after becoming distressed while swimming at Florida beach



Panama City Beach. Three Alabama men have died from likely drowning after becoming distressed while swimming at a Florida Panhandle beach, authorities

said Saturday morning. The young men had travelled to the Panama City Beach area Friday evening, the Bay County Sheriff's Office said in a Facebook post. The sheriff's office received an emergency call about the distressed swimmers shortly after 8 pm, officials said. The US Coast Guard and others began rescue efforts. The men, who were not immediately identified, were found separately and eventually pronounced dead at local hospitals. Earlier this week, single red flags had been posted at the beach, indicating high-hazard surf and

rip current conditions. n Thursday, a Pennsylvania couple visiting Florida with their six children drowned after they were caught in a rip current while swimming. The man and woman were caught in the current on Hutchinson Island, along Florida's southeast coast, the Martin County Sheriff's Office said in a Facebook post.

Floods maroon lowa, heatwave in other states: US faces double whammy

→ The US faced contrasting weather with lowa getting hit heavy rain in the past few days while the remaining parts of the country reeled under an intense heatwave and the weather office issuing a heat advisory for the next few days.

Washington Floodwaters forced people out of their homes in parts of Iowa, the result of weeks of rain, while much of the US longed for relief on Saturday from yet another round of extraordinary heat.

Sirens blared at 2 am in Rock Valley, Iowa, with a population of 4,200, where people in hundreds of homes were told to get out as the Rock River could no longer take the rain that had slammed the region. The city lacked running water because wells were unusable.Mayor Kevin Van Otterloo said a state helicopter was on its way to help

but was called off when boats were able to reach stranded residents. "We've had so much rain here," he said. "We had four inches last night in an hour and a half. Our ground just cannot take anymore."Governor Kim Reynolds declared a disaster for 21 counties in northern Iowa, including Sioux County, which includes Rock Valley. In a drone video posted by the local sheriff, no streets were visible, just roofs and treetops poking above the water.

South Dakota, Gov. Kristi Noem declared an emergency after the southeastern part of the state received heavy rainfall. The town of Canton, 48 kilometres southeast of Sioux Falls, has received 18 inches of rain.

Several highways were closed, including a key stretch of Interstate 29 south of Sioux Falls that later reopened. Sioux Falls, the state's largest city, had more than seven inches of rain in three days.

Even though the rain is slowing down, we need to keep vigilant," said Noem. "The worst of the flooding along our rivers will be Monday and Tuesday."Elsewhere in



the US, the miserable grip of heat and humidity continued. The National Weather Service said roughly 15 million people were under a heat warning — the highest level of alert — while another 90 million were under a heat advisory. Millions across the country have had their lives disrupted by stretches of unusually high temperatures.Last year, the US experienced the most heatwaves since 1936, experts said. An AP analysis of data from the Centers for Disease Control and Prevention found that excessive heat contributed to more than 2,300 deaths, the highest in 45 years of records. Temperatures around 37.8

degrees Celsius were predicted for Washington, DC, and Richmond, Virginia, while Philadelphia; Newark, Virginia, while Philadelphia; Newark, New Jersey; Columbus, Ohio; and Detroit were bracing for temperatures above 32 degrees Celsius.Heat-related hospital visits in New York state lately were 500 per cent higher than on the average June day, according to the Department of Health. "We still have this prolonged heat wave across portions of the Ohio Valley and into the Northeast,' weather service meteorologist Marc Chenard said. "We get a little bit of relief by early in the week, at least in the eastern US, the Northeast, but in general abovenormal temperatures are going to cover a large portion of the country even into next week."In southeastern Michigan, DTE Energy said 7,400 customers remained without power as of Saturday afternoon due to storm-related outages, down from 75,000 earlier in the week. A heat index of 37.8 Celsius didn't stop Florida couple Judy and Bill Watson from watching the Tigers play the White Sox at Detroit's

Iran overturns death sentence of rapper over lyrics about Mahsa Amini's death

Dubai, Iran's Supreme Court overturned the death sentence of a government critic and a popular hip-hop artist, Toomaj Salehi, who came to fame over his lyrics about the death in police custody of Mahsa Amini in 2022, his lawyer Amir Raisian said

Saturday.

In a post on X, Raisian said the court assessed the case and found Salehi's past six years in prison as "excessive" since the punishment was more than what was allowed by law. He added that another branch of the court will now review the case.Salehi's death sentence in April by a Revolutionary Court in the central city of Isfahan created confusion as even Iran's state-run IRNA news agency and the judiciary did not formally confirm it. Such courts in Iran often involve closeddoor hearings with evidence produced by a secretary and give limited rights to those on trial. The news quickly drew

international criticism from the US and UN experts, who condemned it as a sign of Tehran's continuing crackdown against all dissent following years of mass protests. Salehi was released from



prison last November after spending a year there on charges that his UN supporters said were based on the hiphop artist's music and participation in the protests that broke out in Iran over the death of Mahsa Amini, 22. Amini died in the custody of the country's

morality police after being detained for wearing her hijab too loosely.Salehi rapped about Amini in one video, saying, "Someone's crime was dancing with her hair in the wind." In another

verse, he predicts the downfall of Iran's theocracy. Shortly after his release last year,

Salehi was sent to prison again after saying in a video message that he was tortured after his detention in October 2022. State media at the time released a video showing him blindfolded and apologising for his words, a statement likely to have been made under duress. Later, in 2023, a court sentenced Salehi to more than six years in prison.

N investigators say Iran was responsible for Amini's death, and that it violently put down largely peaceful protests in a months-long security crackdown that killed more than 500 people and saw over 22,000 detained.

authorities to alleviate the

hardships of the pilgrimage are

not offered to those traveling

with a personal visa. The

pilgrims who died had to walk

Trump pitches for Christians vote, touches briefly on abortion at faith event

Donald Trump called on religious supporters to go to the polls in a speech to conservative Christian activists on Saturday, but mentioned only briefly the politically sensitive issue of abortion, a topic of central importance to the group. Speaking at an event organised by the Faith & Freedom Coalition in Washington, the former president reiterated his position that abortion restrictions should be decided by voters on a state-by-state basis. That stance contradicts the view of most conservative Christians, and Trump's reticence to push for or even discuss additional federal regulations speaks to how sensitive the issue has become for Republicans. Trump has repeatedly said Republicans risk electoral defeat if they take too stringent a line on abortion rights. The party's underwhelming performance in the 2022 congressional midterm elections has been widely attributed to the Supreme Court's Dobbs ruling that year, which removed most constitutional protections for the procedure."We've gotten abortion out of the federal government and back to the states. The people will decide, and that's the way it should be," Trump said.

Like Ronald Reagan, I believe in exceptions for the life of the mother - rape and incest ... You have to go with your heart. You have to also remember you have to get elected," Trump said. Trump's comments on abortion appeared to receive a lukewarm reception. Some in the crowd broke out in chants of "No dead babies!" as he discussed the topic.But there was no indication the heavily pro-Trump audience would support another candidate as the November 5 general election rematch with Democratic President Joe Biden approaches.

Trump received heavy applause when he discussed several other proposals, including eliminating the Department of Education, a measure favoured by many conservative Christians who accuse the federal government of attacking faith-based teaching methods.At multiple points during his speech, Trump called on Christians to show up to the polls in November, prompting chants of "Vote!" from the crowd. Trump has claimed credit for appointing three conservative justices to the Supreme Court who helped overturn the Roe v. Wade decision two years ago this Monday, eliminating a nationwide right to abortion in a oment of triumph for conservatives. Trump has repeatedly said he would not support a federal ban on abortion, however, preferring to leave the issue to individual states. Ralph Reed, the founder and chairman of the Faith & Freedom Coalition and a key Trump ally, has previously said his group would continue to work towards restrictions at both the state and federal levels.

ONTO PHILADELPHIA

Later on Saturday, Trump will hold a campaign rally at Temple University in a historically Black area

Egypt cracks down on tourism companies after death of 530 pilgrims in Mecca

The Egyptian authorities have launched action against several tourism companies after the death of at least of its 530 citizens during this year's haj pilgrimage to Mecca

Cairo, UPDATED Egypt withdrew the operating licenses of 16 tourism companies and referred them to the public prosecutor, accusing them of being responsible for the deaths of Egyptian pilgrims in Mecca, a crisis unit tasked with addressing the situation said on Saturday.

Medical and security sources say at least 530 Egyptians died during this year's haj pilgrimage to Mecca, while the statement from the unit, formed on Thursday and headed by Prime Minister Mostafa Madbouly, said 31



deaths were confirmed as a result of chronic illness. The tourism companies which facilitated the travel of those who died did not provide them with services of any kind, including medical, the statement said without naming the companies involved. The agencies are being blamed for sending pilgrims to Saudi on personal visit visas, rather than haj visas that allow access to Mecca where haj rituals take place. Medical services offered by Saudi

through the desert into Mecca to avoid arrest or deportation, the statement added. Egyptian authorities also say those travel agencies did not provide the pilgrims with "appropriate accommodation," adding that this caused pilgrims' "exhaustion due to the high temperatures."Egyptian authorities

also documented 31 deaths among registered Egyptian pilgrims, citing "chronic diseases" as the cause of deaths. Most of those who died were unregistered, the statement said.In recent days hundreds of people from different countries have died in punishing conditions for the haj pilgrimage in the Saudi city, where temperatures have at times exceeded 51 degrees Celsius (124 Fahrenheit).

of Philadelphia, long a stronghold for Democrats.

Hindujas 'appalled' by Swiss court's jail term order, file appeal

Four members of the Hinduja family, the UK's richest, are sentenced to up to 4.5 years for exploiting servants over human trafficking charges. It is claimed they spent more on their pet dog than on an Indian help's salary. The Hindujas have countered the <u>charges.</u>

London Britain's wealthiest family, the Hindujas, have said they are "appalled" by a Swiss court's ruling of jail terms for some members and have filed an appeal in a higher court challenging the verdict finding them guilty of exploiting vulnerable domestic workers from India employed at their villa in Geneva.

A spokesperson for the affected family members, Kamal and Prakash Hinduja and their son Ajay and his wife Namrata who are all Swiss nationals, pointed out on Saturday that neither of them have been subjected to any "imprisonment, conviction, sentence or detention.'

Per Swiss law procedures, the lower court's judgement is rendered ineffective and inoperative as the presumption of innocence is paramount until and unless a final judgment by the highest adjudicating authority is enforced," the family's spokesperson said.

"It may be noted that the case has no complainants left anymore and they had declared in the court that they were led into signing statements that they didn't even understand. They had neither intended to nor initiated such proceedings. All of them further testified that the four Hinduja Family Members treated them with 'respect, dignity and like family'," the spokesperson

Earlier on Friday, in a statement issued on behalf of the family

by their lawyers from Switzerland stressed their clients had been acquitted of all human trafficking charges. They also dismissed media reports that any members of the family faced detention after court reports from Geneva said the four were sentenced to between four and four-and-a-half years in prison."Our clients have been acquitted of all human trafficking charges. We are appalled and disappointed by the rest of the decision made in this court of first instance, and we have, of course, filed an appeal to the higher court, thereby making this part of the judgement not effective," reads the statement signed by lawyers Yael Hayat and Robert Assael and Roman Jordan."Under Swiss law, the presumption of innocence is paramount. The family members were accused of till a final judgement by the highest



adjudicating authority is enforced. Contrary to some media reports, there is no effective detention for any members of the family," they said. The lawyers also pointed out that "it should also be recalled that the plaintiffs in this case had withdrawn their respective complaints after declaring to the court that they had never intended to be involved in such proceedings.""The family has full faith in the judicial process and remains confident that the truth will prevail," they conclude.

The statements follow a hearing in the Swiss city of Geneva after prosecutors opened the case for alleged illegal activity, including exploitation, human trafficking and violation of Switzerland's labour laws.

seizing the workers' passports, barring

villa and forcing them to work very long hours for a pittance in Switzerland, a m o n g o t h e r things. Some workers allegedly spoke only Hindi and were paid their wages in rupees in banks back in India that they could not access.During the trial, prosecutors alleged the family spent more on their dog than on their servants

The family's legal team had countered the allegations and told the court the staff were treated

respectfully and provided with accommodation. According to The Sunday Times Rich List' released last month, the UK-based Hinduja family once again emerged as the country's richest, with wealth estimated at around GBP 37.196 billion. They saw this tally increase over the previous year in the wake of the opening of the brand-new luxury OWO Raffles Hotel in the heart of London. The UK-based family's group of companies, headed by chairman G P Hinduja, operates in 48 countries and across several sectors - automotive, oil and specialty chemicals, banking and finance, IT, cyber security, healthcare, trading, infrastructure project development, media and entertainment, power, and real estate.

Monday, 24 June 2024

Azhar Mahmood to take legal action against AUS vs AFG: Gurbaz, Ibrahim Zadran stitch record 100 partnership in T20 World Cup 2024 'false allegations' after Pakistan's T20 WC exit

New Delhi.Rahmanullah Gurbaz and Ibrahim Zadran equalled the all-time record of most 100 run partnerships in the history of T20 World Cups. The Afghanistan pair achieved the feat in Afghanistan's Super 8 match against Mitchell Marsh's Australia on Saturday, June 22 (Sunday, June 23 in India) at the Arnos Vale Ground in Kingstown, St Vincent. The duo put on a huge partnership of 118 runs for the opening wicket off 15.5

overs on a difficult pitch to bat on. With their 3rd 100 partnership in the T20 World Cups, Gurbaz and Ibrahim equalled the record of the Pakistani pair of Babar Azam and Mohammad Rizwan. In the ongoing mega event, while the Afghan duo has crossed the 100-run mark thrice, no other pair has put on a century stand. Gurbaz and Zadran also notched the second-highest opening stand against Australia in the T20 World Cups. As a pair, they have scored 408 runs from 6 matches at an average of 68. After being asked to bat first, the Afghans put up a decent score of 148 for the loss of 6 wickets. Gurbaz scored quickly as he made 60 runs off 49 balls with the help of 4 fours and as many sixes. Zadran was effective as well, scoring 51 runs. Even as Gurbaz got out to Marcus Stoinis, Adam Zampa accounted for the wicket of Ibrahim.

Back on June 3, Gurbaz and Ibrahim put on 154 runs for the opening wicket against Uganda at the Providence Stadium in Guyana. Thereafter, they stitched together a 103-run partnership against New Zealand at the same venue. The duo went from strength to strength and carried their form against the

AUS vs AFG: Pat Cummins creates history, gets 2nd hattrick in T20 World Cup

New Delhi.Pat Cummins made history on June 23, Sunday as he became first player to pick up 2 hat-tricks in T20 World Cups during the Super 8 clash between Australia and Afghanistan in St. Vincent. Cummins picked up the wickets of Rashid Khan, Karim Janat and Gulbadin Naib to achieve the feat. Cummins had picked up a hat-trick during Australia's first Super match against Bangladesh as well. During the match against Afghanistan, Cummins had picked up a wicket in the form of Rashid with the last ball of the 18th over and he was given the job to close out the innings. The pacer would dismiss Janat and Naib off the first two deliveries of the 20th over to become the first player to pick up 2 hat-tricks in T20 World Cups. This was the 5th hat-trick by an Australian player in T20Is and the third one in the World Cup.

What Cummins said about his historic hat-

Cummins joked that he had remembered about his hat-trick this time around and said it was crazy to get two hat-tricks in a row. Yeah I remembered that one (hattrick). Crazy. Played 100-odd games for Australia, (now) got two in a row. Afghanistan put on a total of 148 for 6 on a challenging track. They looked set for an even bigger total before Cummins and Co pegged them back. Summins said it was a decent bowling effort in the end."I thought they batted well. But I also thought we restricted the boundaries. They obviously ran well. Overall, decent bowling effort. Not our tidiest day in the field. Happy with the total," said Cummins. Australia need a win to ensure they and India qualify for the semi-finals.

T20 World Cup: Harry Brooks hopes to give USA a 'battering' as **England eyes semi-final**

New Delhi. England's Harry Brook has set his sights on delivering a decisive victory against the United States, aiming to secure England's place in the semi-finals of the ongoing ICC T20 World Cup 2024. Brook, who fell just short of clinching a win in a nailbiting encounter against South Africa, expressed his determination to ensure England dominates their next match. Brook's valiant effort of 53 runs in the final over wasn't enough to secure victory in the tightly contested match against South Africa, which ended in a seven-run defeat. As England transitioned from St Lucia to Barbados for their third game in just five days, Brook emphasized the importance of winning to stay in contention for the knockout stages.

We've got to win and that's the main thing," Brook stated. "Let's see how we are on net run-rate after that, but the main thing is to definitely get that win. We've played in Barbados quite a lot in the last six months or so. We know the conditions, we know the wind and the pitch as well, so hopefully we can go out there and give them a good battering."

England's familiarity with the conditions in Barbados could prove advantageous, as Brook and his teammates look to exploit their knowledge of the pitch and weather patterns to their benefit. Brook's determination reflects the team's overall focus on not just winning, but doing so convincingly to improve their net run-rate, a crucial factor in progressing to the semi-

Reflecting on the team's recent experiences, Brook shared a glimpse into the squad's mindset. "I watched (Australia v Scotland) in a bar in Antigua but we were all knackered. I watched the first half then went to bed and watched the second half," he recounted.

Azhar Mahmood slammed false allegations and said that will take legal action against the wrongdoers. Earlier, Pakistan failed to advance to the T20 World Cup 2024 Super

New Delhi.Pakistan men's assistant coach Azhar Mahmood hit out at 'false allegations' after Pakistan's disastrous campaign in the T20 World Cup 2024. Babar Azam's men failed to make their way through to the Super 8 of the mega event after initially losing to the United States and India. Expectations were high from them after they finished as the runners-up last time around in Australia. However, the Men in Green flattered to deceive big time and slumped to back-to-back defeats. Although they beat Canada and Ireland, it was all too late for them.In the meantime, after Pakistan's exit, reports of PCB paying for the trips of cricketers, their families and support staff to the USA circulated. But

Mahmood dismissed the allegations as false and baseless. The former Pakistan allrounder said that he would be taking legal action against the people who are responsible for circulating the 'unacceptable' rumours on social media platforms."I have heard some false allegations and narratives circulating on social media and other media platforms. I



categorically state that these allegations are entirely baseless and false, and it is extremely upsetting to hear them," Mahmood wrote on 'X'.

This culture of falsely accusing and misleading people to believe a false narrative is now getting ridiculous and dangerous. Speaking without evidence and misconstruing facts is a criminal offence, and those engaging in such behaviour will "Pursuing an increase in followers and media attention by spreading falsehoods is downright unacceptable. I will be pursuing legal advice against those responsible for making these false allegations towards me and my family, and strict action will be taken

be dealt with through legal action."

accordingly. We will not be discussing this matter further on social media," Mahmood wrote."I urge everyone to avoid engaging with or entertaining these harmful narratives as it is essential to put an end to such behaviour in our media culture," he

Earlier, reports also suggested that skipper Babar Azam would take legal action against former cricketers and YouTubers, who accused him of misconduct during the mega event in the West Indies and the USA. Earlier this year, prior to Pakistan's T20I series against New Zealand, Babar had replaced Shaheen Shah Afridi as the white-ball skipper, but the decision hasn't worked out well until now

Not a dead rubber: Deepti Sharma refuses to relax before 3rd ODI vs South Africa

New Delhi.Deepti Sharma said that India would not be approaching their last ODI against South Africa as a dead rubber. Harmanpreet Kaur and Co. have already claimed the 3match series after winning the second ODI on June 19 by 4 runs at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru. The match went down to the wire where Pooja Vastrakar held his nerves to take India home.Prior to the third game of the series, Deepti said that it is important for India to carry the momentum into the one-off

Test to be held from June 28 at the MA Chidambaram Stadium in Chennai. Yes, we have won the series but we will not approach this match as one of academic interest. We look to learn from whatever opportunities we get, as we will be going into the one-off Test (in Chennai) later this



week," Deepti said in the pre-match press conference.

Love to tackle pressure'

Deepti, herself, has been in decent form as he is the leading wicket-taker of the ODI series. The off-break is currently the jointhighest wicket-taker in the series along with Asha Sobhana with 4 wickets to her

name."I love to tackle pressure situations. My thought process is very clear. I always want to make the team win or place the team in a winning position, whether it is with my batting or bowling," she said.

eepti also lauded the Indian batters for understanding the conditions well and moulding their game as per that. Their opener Smriti Mandhana has looked in red-hot form after racking up back-toback hundreds."The openers played as per the conditions. The ball was moving around a little bit in the initial

overs, and they played within themselves. They adapted well. After 10-12 overs, we built some good partnerships. They used every scoring opportunity in that area and that's a positive for us - the way we capitalised later on," Deepti added.

going by the results. Shakib Al Hasan concedes Bangladesh's campaign over: No chance to play in semis

New Delhi. Shakib Al Hasan threw in the towel and conceded that Bangladesh's campaign in T20 World Cup 2024 is as good as over. On Saturday, June 22, the Tigers lost to India by 50 runs in the Super 8 match at the Sir Vivian Richards Stadium in North Sound, Antigua. With the defeat, Najmul Hossain and Co. kept languishing at the bottom of the table in Group 2 with a net run rate of -2.489. Bangladesh lost to Australia, after which they failed to put up much of a fight against Rohit Sharma's men. Their last and final Super 8 clash is against Rashid Khan's Afghanistan at the Arnos Vale Ground in Kingstown, St Vincent. Shakib said that the Tigers would want to finish off on a positive note with a clinical showing against their Asian rivals.

'To be honest, I don't think we have a chance to play the semi-final anymore after today's loss. But having said that, the next game will be an opportunity for us to get a win on our belt before we finish up this tournament. We'd love to finish this tournament on a high. We have to face Afghanistan, which is a very good side. So, we have to be at our best to be able to win against them," Shakib said in the post-match press conference.Shakib said that Bangladesh were not able to create enough pressure on the opposition. After opting to field first, the Tigers conceded 197, a total Shakib felt was a tad above par. Thereafter, Shanto's men finished with 146 for 8 and fell way short of the target.

Well obviously, when you are playing against a team like Australia and India, you have to bring your A game. I think we are lacking in those skill and strength areas. Also, I would say we couldn't do the basic thing longer enough to be able to create any sort of pressure. And throughout this World Cup, as a batting unit, I don't think we did justify to ourselves. I think we had the potential to score big runs. The last two games we played here was very good. Wicket probably 175-185 is the par score," Shakib added.

Shakib, himself, did not have the best of outings by any means. Although he got the wicket of Rohit, he did not finish his quota after finishing with figures of 3-0-37-1. With the bat, Shakib scored 11 runs off 7 balls before Kuldeep Yadav accounted for his

T20 World Cup: Finch impressed as Kuldeep Yadav trumps Rishad Hossain in IND vs BAN

New Delhi.India spinner Kuldeep Yadav took 3 wickets against Bangladesh in India's Super 8 match at the T20 World Cup 2024. Kuldeep bamboozled the Bangladesh batters with his spin off the pitch. The spinner choked out the opposition in the middle overs and bowled in tandem with Jasprit Bumrah, who was once again superb on the day.Former Australia captain Aaron Finch lauded Kuldeep's ability to outfox the batters and said that the spinner's redemption arc was

beautiful to look at. Kuldeep Yadav was dropped from the Indian team due to criticism over his lack of pace. The spinner strengthened his body and came back with vengeance in 2022 and since then, has

"Kuldeep copped some criticism early in his career, that he was too slow through the air, which you can deceive people out of the hand. But unless you can beat them off the wicket as well, guys had time to adjust.



So what did he do? He went away and he got stronger, physically stronger so he could sustain himself for longer, and he certainly showed that right throughout," Finch said on Star Sports.

been a permanent fixture with the Indian Now his ability to set batsman up with going pace on or quicker through the air, turning it a bit each way and then using the the subtle changes of slower paces to deceive as well. It It's wonderful bowling. It's beautiful to watch, especially when guys are unsure which way it's turning," Finch

further added. Kuldeep was in battle with Bangladesh's Rishad Hossain in the match as both spinners found turn and bounce from the Antigua

Kuldeep, however, was much more miser than Rishad, giving away just 19 runs. Veteran Sunil Gavaskar hailed Kuldeep for his subtle variations."Kuldeep really bowled well. That wrong one that he bowled to get the dangerous looking Tanzid out, that was very well bowled.

And then again, getting the batters out with that slightly tossed up delivery, he varied his pace well, using the crease, not too much this time around, he uses the crease guite nicely, but this time around he hardly use the crease. You are only looking for variation in the air and off the surface and vou got three wickets for that." Gavaskar said."Three wickets for 19 for a wrist spinner in four overs is outstanding, simply outstanding," concluded the legendary cricketer.

India vs Bangladesh: Life comes full circle for Hardik Pandya in T20 World Cup

New Delhi. Vice-captain Hardik Pandya delivered a near-perfect performance during a crucial Super Eight clash against Bangladesh to help India inch closer to a semi-final spot in the T20 World Cup 2024. Hardik looked like finding his old spark during his near-perfect all-round performance (unbeaten 50 off 27 balls and a wicket) in India's comprehensive 50-run However, a return to India colours victory at the Sir Vivian Richards Stadium in North Sound, Antigua. As Hardik said 'it felt like god had planned this comeback' as his fortunes went downhill after a significant injury setback during an ODI World Cup match against Bangladesh. Incidentally, it is also against Bangladesh, albeit in a different World Cup format, Hardik seemed to have found his 'power-hitting mojo'. Mind you, Hardk's journey back to form wasn't easy. After consecutive injuries sidelined him for

four months, his return to the MI was fraught with many challenges. As captain, he struggled to inspire his team and was trolled by fans across the country, further denting his confidence. Hardik's big-hitting prowess, once feared by bowlers worldwide, seemed to be fading.

during the T20 World Cup 2024 marked a turning point for Pandya. During the Super Eight match vs Bangladesh, Hardik's aggressive

batting in the slog overs was a sight to behold. With India teetering after Rishabh Pant's dismissal in the 12th over, Pandya stepped up along with Shivam Dube, blasting 62 runs in the final five overs and steering India to a formidable total of 196. His innings, studded with four boundaries



and three towering sixes, silenced his critics and reminded every one of his destructive

The climax of Pandya's innings came in the final over bowled by Mustafizur Rahman. Displaying finesse and power, Pandya edged the first ball to the boundary and sliced another to the third man. When Rahman tried

to outsmart him with a full ball outside off, Pandya elegantly pinged it to the thirdman boundary again, reaching his halfcentury in style.India's bowlers, inspired by Pandya's knock, performed admirably. Kuldeep Yadav's spell was particularly noteworthy, as he spun a web around the Bangladeshi batters, claiming three crucial wickets including that of Shakib Al Hasan. Bangladesh crumbled under the pressure, unable to chase down India's challenging total. After the match, Indian captain Rohit Sharma praised Pandya's impact. "Hardik being Hardik, we know what he is capable of. He is a very important player for us. If he can keep doing that, it will put us in good positions. Everyone adapted well with our bowling plans and executed them perfectly," Rohit said during the postmatch presentation.

today," indicating that her husband could not be with her for the day. Fans shared their

congratulatory messages in the comment section. The first user wrote, "So so cute." A second user stated, "So beautiful." A third fan shared, "Absolutely beautiful and gorgeous, looking very pretty." The post has amassed more than 1,78,000 likes on the platform.

Pooja Sawant tied the knot with Siddesh Chavan on February 28, this year. The marriage was conducted in a Marathi-style ceremony. Pooja opted for a traditional Marathi wedding

ensemble, wearing a bright pink and orange silk saree. Her husband Siddesh was seen in a

On the day of Vat Purnima, married women are expected to keep a fast for the long life of their husbands and worship the wada tree. The day is celebrated on a full moon of the

cream coloured sherwani, completed with a matching sehra.

When Deepika Padukone Didn't Invite Amitabh Bachchan To Piku Success

Bash: 'Have Not Had Courage To...'

As Kalki 2898 AD is nearing its release, fans are

excited to watch Amitabh Bachchan and Deepika Padukone reunite on screen after the success of Piku. The Shoojit Sircar directorial film was released in 2015 and became a hit both critically and commercially. However, in an unfortunate turn of events, Deepika Padukone forgot to invite Amitabh to the success bash she hosted for the film. Piku's success bash was attended by several big names like Shah Rukh Khan and Alia Bhatt. However, Amitabh Bachchan's absence caught everyone's attention. While it was first speculated that the superstar might be sick, it was later revealed that was not ivited to the event. It was a major technical error on my prt nd by the time it came to my notice it was too late and I'll never forgive myself for it," Deccan Chronicle quoted Deepika Padukone actress as saying."I am so embarrassed that I have not even had the courage to call him after that. I did eventually text him a couple of days ago but I have still not had the courage to pick up the phone and even explain myself to him. But I will. It was a major technical thing," she further added. When asked about this incident during the promotion of Wazir, Amitabh Bachchan said, "Jo beet gayi so baat gayi. There are too many things that happen. You can't keep mulling over what's already happened." few years ago, it was reported that after Piku, Deepika and Amitabh would be reuniting on screen for the Hindi remake of Anne Hathaway starrer The Intern. While there are no updates about that film, fans are eagerly waiting to watch the duo on screen in Kalki 2898 AD. Directed by Nag Ashwin, the trailer of the film was released earlier this month and it will be a futuristic take on the Mahabharat. The cast includes Prabhas, Amitabh Bachchan, Deepika Padukone, Kamal Haasan and Disha Patani. Amitabh Bachchan will be playing the role of Ashwatthama in Nag Ashwin's film. During the pre-release event, Big B opened up about his first reaction when he was offered the role of Ashwatthama. "When Nag Ashwin came and explained his idea to me, for the long time after he left I was thinking, 'what the hell is Nagi drinking?"

Singer Asees Kaur Welcomes Baby Boy With Husband Goldie, Hina Khan and Others Congratulate



Asses Kaur has become a proud mother to a baby boy. The singer and her husband, Punjabi music composer Goldie Sohel, welcomed their first child on Friday, June 21.

The couple shared a joint post on Instagram announcing the good news with a photo in which Asees was seen flaunting her baby bump while resting on her husband."Waheguru Tera Shukar Hai ?? With immense joy and gratitude, we announce the birth of our precious BABY BOY on World Music Day! This special day has blessed us with the sweetest note in our life's symphony. Our hearts are overflowing with love, happiness & gratitude ??," she wrote. Check it out here:

Soon after the post was shared, fans and friends rushed to the comments section to congratulate the couple. Reacting to the news, Hina Khan wrote, "Yayyyyyy congratulations to both of you." Gauahar Khan also commented, "Congratulations?? god bless ur family." Comedian Bharti Singh also wrote, "congratulations ji whereas Ridhima Pandit dropped red-heart emojis in the comments section.

Music director Rochak Kohli also added, "Wow! What a khabar! What a day! Mubarak ho guys.. zindagi badalne waali hai."Asees Kaur and Goldie Sohel tied the knot in June 2023. Their wedding ceremony took place at a Gurudwara in Mumbai. Recently, the couple celebrated their first wedding anniversary when Asees dropped their love-filled pictures on Instagram and wrote. "365 days of Us ???? making memories that will last a lifetime Can't wait for the next chapter unfolding soonest Here's to being weird & wonderful together ?? Happy 1st Anniversary love @goldiesohel."

Asses Kaur is known for songs like Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya, Ve Kamleya (Lofi), Raataan Lambiyan, Madhaniya, Bolna and Makhna among others





Jyeshtha month.

our parents have been actors previously', so now we have special pani puri together. That was not the vibe at all."

Sara also shared that, for a long time, she didn't require personal security. "I didn't grow up having seven people around me handing me things," she noted. "Mom was very certain that she wanted us to have a full life external to the films," she further added.